* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

30 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 42

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

अभिनेता-लेखक आशुतोष राणा को मिला मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी अवॉर्ड, उपन्यास 'रामराज्य' के लिए दिया गया सम्मान

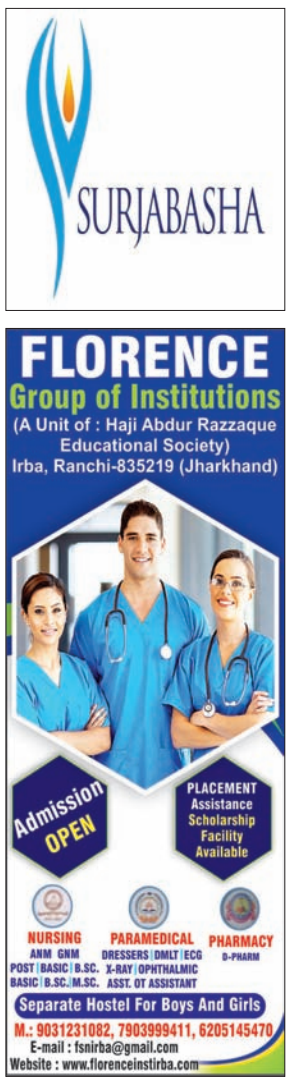

हाइकोर्ट ने रिम्स की अव्यवस्था पर लगायी फटकार, कहा

नहीं संभाल पा रहे हैं, तो छोड़ दें रिम्स निदेशक पद

- किसी आइएएस को सौंपे जिम्मेदारी : हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने रिम्स निदेशक को जमकर फटकार लगायी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर आप यह पद नहीं संभाल पा रहे हैं, तो छोड़ दें। इलाज की लचर व्यवस्था और विभिन्न रिक्त पदों पर नियुक्ति को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रिम्स निदेशक डॉ कामेश्वर प्रसाद को शो कॉज नोटिस जारी किया था। मंगलवार को इस मामले में हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। हाइकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य के स्वास्थ सचिव सशरीर उपस्थित हुए थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने जमकर फटकार लगायी। स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह से पूछा कि किस प्रावधान के तहत आपने आउटसोर्सिंग का सहारा लिया। रिम्स के निदेशक को काम नहीं करना, तो इस्तीफा दे दीजिए। हाइकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते

हुए निदेशक को बदलने की भी सलाह दी है।

आइएएस सौंपनी चाहिए रिम्स की जिम्मेदारी : हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने विभिन्न मामलों की सुनवाई एक साथ की है। रिम्स की अव्यस्था को देखते हुए हाइकोर्ट ने यह भी सुझाव दिया है कि किसी आइएएस अधिकारी के हाथ में रिम्स की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।

नियुक्ति और अव्यवस्था को लेकर कई सवाल : कोर्ट ने पिछली बार हुई सुनवाई में राज्य के स्वास्थ सचिव को सशरीर उपस्थित होने आदेश दिया था। 28 जनवरी 2022 को चार माह के अंदर सभी स्वीकृत और खाली पदों को भरने का आदेश दिया गया। चतुर्थ वर्ग के 467 विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए जो विज्ञापन निकाला गया। उसमें झारखंड के नागरिकों, बाद में सुधार कर झारखंड के निवासियों से आवेदन क्यों मांगा गया। यह किस कानून, नियम, परिनियम, सर्कुलर या सरकार के किस आदेश से इस तरह का आवेदन मांगा गया है। रिम्स में इलाज की लचर व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए झारखंड हाइकोर्ट ने उसे जनहित याचिका में तब्दील कर दिया था।

इडी के गवाह विजय हांसदा के बायन पर फंस गयी पुलिस

कोर्ट में दिया आवेदन, कहा - बिना दबाव और भय के केस लड़ना चाहते

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इडी के गवाह विजय हांसदा ने पुलिस के दावे के बाद मंगलवार को कोर्ट में अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन दिया है। हांसदा ने कहा है कि वह बिना भय और दबाव के केस लड़ना चाहता है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद मुख्यमंत्री के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को साहिबगंज पुलिस ने क्लीन चिट दे दी है। इस मामले में साहिबगंज जेल में बंद इडी के गवाह विजय हांसदा ने आवेदन के माध्यम से कहा है कि उससे जबरन सादे पन्ने पर हस्ताक्षर ले लिया गया था। उसने दावा किया है कि दबाव डालकर उससे कहलाया गया था कि वह केस नहीं लड़ना चाहता है। उनकी ओर से कहा गया है कि मेरे द्वारा दर्ज केस बिल्कुल सही है। विष्णु यादव दबाव में लाकर मुझसे कहलाया था कि केस नहीं लड़ना चाहते। साथ ही उसका मोबाइल से वीडियो भी बनाया गया था।

इससे पूर्व रविवार की शाम संथाल परगना के डीआइजी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि साहिबगंज कोर्ट में परिवादी विजय हांसदा ने थाना में विष्णु यादव, पवित्र यादव, राजेश यादव, बच्चू यादव, पंकज मिश्रा के खिलाफ परिवाद दायर किया था। इस संबंध में परिवादी विजय हांसदा की ओर से एसपी साहेबगंज को लिखित आवेदन दिया गया है कि अशोक यादव के बहकावे में आकर परिवाद दाखिल किया हूं, जिसे कोर्ट ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाना भेजा है। लेकिन मैं उक्त केस आगे लड़ना नहीं चाहता हूं, यह केस झूठा है।

विशाल चौधरी ने इडी से मांगा दो सप्ताह का समय

रांची (आजाद सिपाही)। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) से विशाल चौधरी ने दो सप्ताह का समय मांगा है। इडी ने विशाल चौधरी को 28 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुए। उसने इडी को पत्र लिख कर दो सप्ताह का समय मांगा है। इडी ने उसके पत्र पर विचार नहीं किया है। बताया जा रहा है कि बहुत जल्द ही उसे दूसरा समन भेजा जाएगा। बता दें कि विशाल चौधरी की संदिग्ध गतिविधियों और देश से भागने की आशंका के मद्देनजर इडी के अनुरोध पर उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। इस नोटिस के आलोक में इमिग्रेशन अधिकारियों ने 24 नवंबर को उसे दिल्ली स्थित हवाई अड्डा पर थाइलैंड भागने के दौरान रोका और इडी को इसकी सूचना दी। इसके बाद इडी ने उसे हवाई अड्डा पर ही समन देकर 28 नवम्बर को हाजिर होने का निर्देश दिया था। इडी ने पूर्व में मनरेगा घोटाले की जांच के दौरान विशाल चौधरी के रांची और मुजफ्फरपुर स्थित ठिकानों पर छापामारी की थी।

विजय हांसदा ने कोर्ट में दिये आवेदन में कहा है कि यह आवेदन परिवाद पत्र का परिवादी है। इस परिवाद प्राथमिकी के लिए संबंधित थाना को प्रेषित किया गया है। मुझे जानकारी मिली कि इस मामले पुलिस मेरे इस केस को खत्म करने की फिराक में है। अब मुझे जानकारी मिल रही है कि उस सादे कागज, जिस पर मेरा हस्ताक्षर करवा लिया गया था, उसे केस वापसी का कागज बनाकर मेरे खिलाफ दुरुपयोग किया जा रहा है। अभियुक्तों के साथ मेरा मेल मिलाप नहीं हुआ है और मेरे द्वारा दर्ज केस बिल्कुल सही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पुलिस मेरे केस को रफा-दफा करना चाहती है। इसलिए मैं यह आवेदन कोर्ट में समर्पित कर रहा हूं।

पंकज मिश्रा ने रिम्स से 300 कॉल किये थे

रांची (आजाद सिपाही)। न्यायिक हिरासत में चल रहे अवैध खनन के आरोपी पंकज मिश्रा ने रिम्स से बड़े अधिकारियों को 300 कॉल किये थे। यह खुलासा चंदन और सूरज के कॉल डिटेल से हुआ है। ज्यादातर कॉल बड़े अधिकारियों को किये गये थे। इडी इस मामले में कुछ अधिकारियों से भी पूछताछ कर सकती है। अधिकारियों से पंकज मिश्रा और उनके बीच हुई बातचीत के बारे में पूछा जा सकता है। साथ ही उनसे यह भी पूछा जा सकता है कि पंकज मिश्रा जेल में है, तो कानून के जानकार अधिकारी उसके फोन कॉल कैसे रिसीव कर रहे थे। गौरतलब है कि पंकज मिश्रा ने अपने ड्राइवर सूरज पंडित और चंदन का फोन का उपयोग रिम्स से अधिकारियों को कॉल करने के लिए किया था। इडी ने चंदन और सूरज को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसके बाद कॉल रिसीव करने वाले अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

राहुल गांधी ने किये महाकाल के दर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

इंदौर। महाकाल की नगरी उज्जैन में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार और बीजेपी को निशाने पर लिया। उन्होंने तीन बार 'जय महाकाल' बोलकर अपने भाषण की शुरूआत की। करीब 25 मिनट के अपने भाषण में राहुल गांधी ने कई बार 'तपस्वी और तपस्या' शब्द का इस्तेमाल किया। राहुल गांधी ने

कहा कि भारत देश तपस्वियों का देश हैं। हिंदू धर्म में तपस्वियों की पूजा की जाती है। उनका आदर किया जाता हैं। राहुल गांधी ने गरीब, मजदूरों, किसानों, युवाओं और छोटे दुकानदार को असली तपस्वी बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन तपस्वियों के लिए कुछ नहीं करती, लेकिन एक दो लोग जो मोदी जी की पूजा करते हैं, उन्हें सब मिल जाता है।

निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण नहीं देने के मामले में मुख्य सचिव को नोटिस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव को अवमाननावाद का नोटिस जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह नोटिस गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गयी अवमाननावाद याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार ने पक्ष रखा । मालूम हो कि गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने सर्वोच्च न्यायालय में झारखंड सरकार के खिलाफ अवमाननावाद याचिका दायर की है। उन्होंने यह अवमाननावाद याचिका झारखंड में बिना ओबीसी आरक्षण के नगर निकाय चुनाव कराने के विरुद्ध दायर किया है। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने अपनी याचिका में कहा था कि राज्य सरकार ने पंचायत चुनाव के पहले सर्वोच्च न्यायालय में जो शपथपत्र दायर किया था उसका पालन नहीं किया। सरकार ने उक्त शपथपत्र के विरुद्ध बिना ओबीसी के आरक्षण का निकाय चुनाव कराने का निर्णय ले लिया। इस क्रम में उल्लेखनीय है कि सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने पंचायत चुनाव से पूर्व सर्वोच्च न्यायालय में ओबीसी आरक्षण लागू करने के संबंध में एक याचिका दायर की थी तब झारखंड सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को बताया गया था कि ओबीसी आरक्षण से संबंधित ट्रिपल टेस्ट प्रक्रियाधीन है और झारखंड सरकार भविष्य में होने वाले चुनाव में ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया को पूरा कर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में दिये गये निर्देश का अनुपालन करने हेतु कटिबद्ध है। अवमाननावाद याचिका में कहा गया है कि एक तरफ झारखंड सरकार सर्वोच्च न्यायालय में यह कहती है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में दिये गये निर्णय का अनुपालन करेगी, वहीं दूसरी ओर झारखंड सरकार ओबीसी को आरक्षण दिये बगैर नगर निकाय चुनाव कराने का फैसला लेती है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि झारखंड सरकार की मंशा ओबीसी के प्रति ठीक नहीं है और यह एक तरफ से न्यायालय का अवमानना भी है।

सांसद ने राज्य के मुख्य सचिव से यह पूछा था कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण के संबंध में दिये गये दिशा-निर्देश के आलोक में अबतक झारखंड सरकार द्वारा क्या कृत्य कार्रवाई की गयी है या झारखंड सरकार के द्वारा ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य सचिव को ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया को जल्दी पूरा करने और होने वाले चुनाव में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण के संबंध में दिशा-निर्देश का अनुपालन करने की बात भी कही थी।

झारखंड के डीएसपी मजरुल होदा और पवन कुमार पर मुकदमा चलाने की अनुमति

- होदा पर धनबाद में ट्रक के चालक पर फायरिंग का आरोप, बुंडू में रुपेश स्वांसी की मौत का आरोप पवन पर

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैडर के दो डीएसपी की परेशानियां बढ़ने वाली हैं। सरकार ने धनबाद जिला के बाघमारा के पूर्व डीएसपी मजरुल होदा और बुंडू के पूर्व डीएसपी पवन कुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद अब इन दोनों के विरुद्ध दर्ज मामलों में कार्रवाई तेज हो जायेगी। मजरुल होदा पर आरोप है कि जब वे धनबाद के बाघमारा के डीएसपी थे, तो उन्होंने एक ट्रक चालक पर फायरिंग कर दी थी। वहीं पवन कुमार पर आरोप है कि बुंडू में पदस्थापन के दौरान हथियार तस्करी के आरोप में रूपेश स्वांसी को पकड़ कर लाये और पिटाई के बाद उसकी मौत हो गयी। यह दोनों मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है। सरकार ने दोनों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति दे दी है।

डीएसपी पवन कुमार पर आरोप

25 सितंबर 2016 को बुंडू के तत्कालीन डीएसपी पवन कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों ने हथियार तस्करी के आरोप में रुपेश स्वांसी को गिरफ्तार कर लिया था और उसे दशम फॉल थाना में रखा गया था, जहां पिटाई से उसकी मौत हो गयी। इस मामले में दरोगा पंकज तिवारी अशोक प्रसाद के अलावा डीएसपी पर भी मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में भादवि की धारा 304, 323- 34 और एसटी एससी एक्ट के तहत अभियोजन की स्वीकृति दी गयी है।

डीएसपी मजरुल होदा पर आरोप

14 जून 2016 को धनबाद की राजगंज थाना क्षेत्र में ट्रक चालक पर फायरिंग कर दी गयी थी। इस मामले में तोपचांची थाना में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस की ओर से ट्रक चालक के पास से हथियार बरामद दिखाये गये थे और इसी मामले में फर्जी केस को सही करने का दबाव तोपचांची के तत्कालीन इंस्पेक्टर पर था, जिन्होंने बाद में खुदकुशी कर ली थी। फायरिंग का आरोप हरिहरगंज थाना के पूर्व प्रभारी संतोष रजक पर भी लगा था। इसी मामले में डीएसपी के विरुद्ध धारा 307, 468, 471, 201-34 / 120-बी के तहत अभियोजन की स्वीकृति दी गयी है।

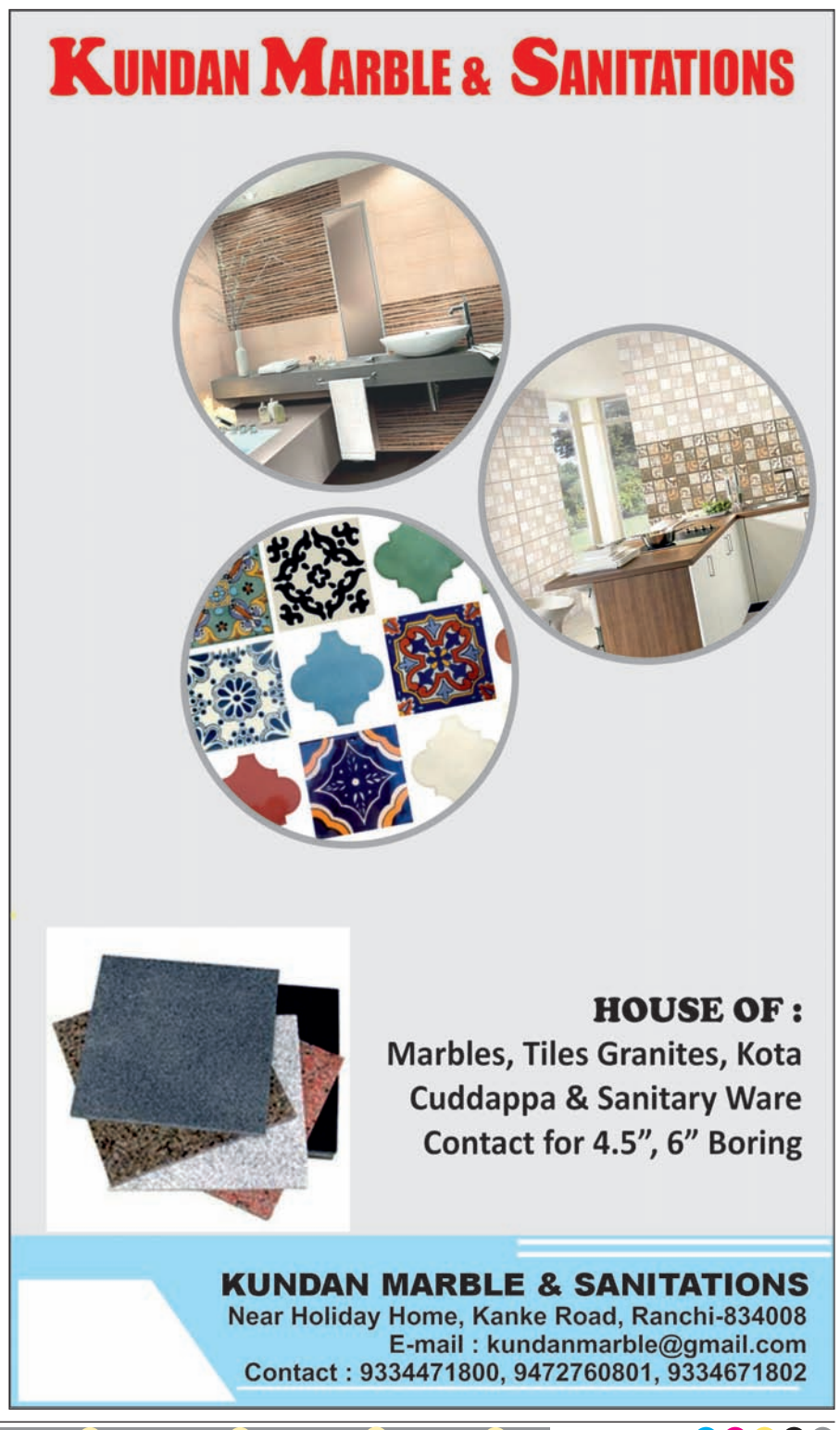

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 49,700 रु./10 ग्राम
चांदी 65,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com
02

उत्पाद विभाग का राजस्व 516 करोड़ रुपये पीछे होने पर हेमंत सरकार को घेरा

शराब घोटाला में फंसने से पहले दोषी अफसरों पर कार्रवाई करें मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

झारखंड में छत्तीसगढ़ी कंपनियों का प्रकोप अब सामने आ गया है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा ने झारखंड में उत्पाद विभाग का राजस्व 516 करोड़ रुपये पीछे होने पर हेमंत सरकार को घेरा है। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में छत्तीसगढ़ी कंपनियों का प्रकोप अब सामने आ गया है। अब अपना चेहरा बचाने के लिए उत्पाद विभाग ने कई कंपनियों पर टार्गेट पूरा नहीं करने के लिये जुमार्ना लगाया है। इनमें से तीन ने हाइकोर्ट में सरकार पर मुकदमा कर दिया है। वहीं शराब बेचने वाली मैन पावर सप्लाई कंपनियां कह रही हैं कि उन्हें ब्रांडेड शराब/बीयर की सप्लाई मिल ही नहीं रही तो टार्गेट के मुताबिक सेल कैसे करें। बाबूलाल ने मुख्यमंत्री को सलाह दी है कि इससे पहले कि वे शराब घोटाले में फंसकर एक और घोटाले का

रिकॉर्ड अपने नाम कर लें, बिना देरी किये उन अफसरों पर कठोर कार्रवाई करें, जिन्होंने दिल्ली की तर्ज पर शराब घोटाले में उनकी गर्दन फंसाने का पक्का इंतजाम कर दिया है।

चूहे-बिल्ली और लूटपाट के खेल में राजस्व का बज रहा बैंड

बाबूलाल ने कहा कि इस चूहे-बिल्ली और लूटपाट के खेल में झारखंड के सरकारी राजस्व का बैंड बज रहा है। आखिर इसमें दोषी कौन है? बाबूलाल ने सलाह दी कि मुख्यमंत्री अगर उनके उठाये सवालों के पिछले पन्ने (1 मई 2022 का ट्वीट) उलटें तो उनकी सारी शंका का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था में जब घूस टार्गेट फिक्स कर पहले वसूल लिया जायेगा, तो सरकारी राजस्व का नुकसान तो होना ही है। यही शराब के व्यवसाय में हो रहा है।

दावे करने वाले उत्पाद विभाग की बोलती बंद

बाबूलाल ने कहा कि मई में जब छत्तीसगढ़ी शराब पॉलिसी और पॉलिसी बनाने के लिए पहले चुनकर रखी गयी कंपनियां आयीं, तो उन्हें महिमामंडित करने के लिए उत्पाद विभाग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। जिसमें दावा किया गया कि राजस्व अनुमान से ज्यादा आने लगा है। कोशिश की गयी कि कम राजस्व की आशंका जताने वाले विपक्षियों को झूठा साबित किया जाये, लेकिन राजस्व संग्रहण के झूठे आंकड़े अखबारों में छपवाने के 2 महीने बाद ही उत्पाद विभाग की बोलती बंद हो गयी है। उत्पाद विभाग राजस्व वसूली के लक्ष्य से 516 करोड़ पीछे चल रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा से एक सूत्र में बंधेगा देश
धुलेगा नफरतों का जहर : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में झामुमो की ओर से मंत्री मिथिलेश ठाकुर हुए शामिल

गढ़वा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चल रही भारत जोड़ो यात्रा में मंगलवार को इंदौर में झामुमो की ओर से झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज देश में भारत जोड़ो यात्रा निकालने की आवश्यकता क्यों पड़ी? यह सोचनीय विषय है। यह देशव्यापी यात्रा है। देश से अंग्रेज चले गये, परंतु उनकी फूट डालो शासन करो नीति पर भाजपा चल रही है। भाजपा ने इसे शत प्रतिशत अपना लिया है। देश में स्थिति और बदतर हो गयी है। भाजपा ने पूरे देश में जात-पात और धर्म के नाम पर नफरत का जहर घोल दिया है। गंगा-जमुनी तहजीब की इस धरती पर लोगों के दिमाग में नफरत का जहर घोला जा रहा है।

भाजपाइयों ने बापू को भी नहीं बख्शा

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि आज हमारा समाज जिस तरह से विभाजित हो गया है, ऐसा तो स्वतंत्रता के बाद क्या स्वतंत्रता से पहले भी नहीं हुआ था। आज आम लोगों के साथ-साथ रंगों और महापुरुषों को भी बांटा जा रहा है। सरदार पटेल ने आजीवन कांग्रेस एवं देश की सेवा की। उन्होंने कांग्रेस एवं देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। भाजपा आज उन्हें अपना रोल मॉडल बना रही है। जिस नर्मदा सरोवर पर सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित की गयी है, उसकी आधारशिला पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ही रखी थी। भाजपाइयों ने बापू को भी नहीं बख्शा। स्वतंत्रता आंदोलन में जिनका रत्ती भर भी योगदान नहीं रहा है, वे आज महापुरुषों व स्वतंत्रता सेनानियों को गलियां दे रहे हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो पूरा समाज, देश को खंडित होने से कोई नहीं रोक सकता। ठाकुर ने कहा कि देशवासियों के जेहन से इस नफरत को मिटाने के लिए ही यह भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की गयी है। यह तब तक चलेगी जब तक भाजपा की सरकार को उखाड़ नहीं फेंकते। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्रत्येक राज्य में जनता इस यात्रा का समर्थन कर रही है। सारा देश एक सूत्र में जुड़ रहा है।

केंद्रीय एजेंसियों के सहारे राज्यों को किया जा रहा अस्थिर

मंत्री ने कहा कि आज स्थिति यह बन गयी है कि देश के जिन प्रदेशों में भाजपा का शासन नहीं है, वहां भाजपाइयों को सभी चोर एवं भ्रष्टाचारी ही दिखते हैं। जिन प्रदेशों में भाजपा का शासन है, वहां सभी गंगाजल के धुले हुए दिखते हैं। गैर भाजपा शासित प्रदेशों में केंद्र सीबीआइ, इडी आदि केंद्रीय एजेंसियों का सहारा लेकर वहां की सरकार को अस्थिर एवं विकास को बाधित कर रही है। मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी का यह कदम बहुत ही साहसिक और ऐतिहासिक है। इसका लाभ देश को 2024 में जरूर मिलेगा। सभी लोग मिलकर देश को एक सूत्र में बांधे एवं आपसी सद्भावना व सौहार्द को कायम रखें।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार के क्षेत्र में परिश्रम-प्रयत्न से इच्छित सफलता की ओर अग्रसर रहेंगे।

वृष रोजगार-व्यापार में शुभ परिवर्तन, आर्थिक लाभ, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा।

मिथुन महत्वकांक्षा पूरी होगी, सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कुछ कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

कर्क प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, साहसिक कार्य में सफलता, पारिवारिक सुख-साधनों में वृद्धि।

सिंह राजनीतिक लाभ मिलेगा, सरकारी नौकरी करनेवालों का स्वाभिमान बढ़ेगा।

कन्या रुका हुआ काम बनेगा, नौकरी में परेशानी से छुटकारा, प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा।

तुला परिस्थिति में सुधार, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति, रोग-शोक-दुःश्चिन्ताओं से छुटकारा मिलेगा।

वृश्चिक नौकरी में पदोन्नति होने का संयोग बनेगा, लोकप्रियता का विस्तार, अधूरा कार्य पूरा होगा।

धनु संकल्पित कार्य पूरा होगा, सेहत अच्छी रहेगी, गुप्त विरोधियों का षड्यंत्र विफल होगा।

मकर संतान पक्ष से हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होगी, गृहोपयोगी वस्तुओं का संचय करेंगे।

कुंभ विपरीत परिस्थितियों में सुधार, बिगड़ा काम बनेगा, व्यवसाय में आशातीत लाभ।

मीन वांछित उन्नति का मार्ग प्रशस्त, नयी आशाओं का उदय होगा, धैर्य से सभी कार्य पूरे होंगे।

पत्रकार बैजनाथ की हत्या के आरोपी बेंगा को हाइकोर्ट से बेल नहीं

रांची। पत्रकार बैजनाथ महतो की हत्या का मुख्य आरोपी आकाश कुमार गुप्ता उर्फ बेंगा को जमानत देने से झारखंड हाइकोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदालत ने मंगलवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी आकाश उर्फ बेंगा की जमानत याचिका खारिज कर दी। निजी चैनल के कैमरामैन बैजनाथ महतो पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसमें उनकी मृत्यु हो गयी थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी आकाश उर्फ बेंगा को गिरफ्तार किया था। यह घटना पिछले वर्ष सितंबर की है। झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद के कोर्ट ने आरोपी बेंगा की बेल याचिका पर सुनवाई की।

नक्शा पास करने में अवैध वसूली पर हाइकोर्ट गंभीर

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृति में पैसों के खेल के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने इस मामले को एलपीए 132 / 2012 के साथ टैग करने का निर्देश दिया है। साथ ही मामले की सुनवाई 1 दिसंबर निर्धारित की है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान आरआरडीए और रांची नगर निगम के अधिवक्ता को बुलाकर उनसे नक्शा स्वीकृति के मामले में जानकारी मांगी।

फुटपाथ दुकानदारों ने निकाली गौरव संघर्ष यात्रा, वेंडर मार्केट में हुआ नेशनल हॉकर समिट

राजधानी में और वेंडर मार्केट खोले सरकार : अनिता दास

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

सांसद, विधायक, नगर विकास सचिव और नगर आयुक्त शामिल हुए, दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी की सड़कों पर मंगलवार को सैकड़ों फुटपाथ दुकानदारों ने नेशनल हॉकर फेडरेशन के बैनर तले गौरव संघर्ष यात्रा निकाली। कचहरी रोड स्थित वेंडर मार्केट में नेशनल हॉकर समिट का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सांसद महुआ माजी, स्थानीय विधायक सीपी सिंह, नगर विकास सचिव विनय चौबे व नगर आयुक्त शशि रंजन मुख्य रूप से मौजूद रहे।

इस मौके पर रांची फुटपाथ दुकानदार हॉकर संघ की महासचिव अनिता दास ने कहा कि झारखंड ऐसा राज्य है, जहां पर फुटपाथ दुकानदारों के लिए स्थाई रूप से सामान बेचने के लिए तीन मार्केट बनाये गये हैं। सरकार से मांग है कि शहर में इसी तरह के और वेंडर मार्केट बनाये जायें। ताकि फुटपाथ दुकानदार शांति से अपना रोजगार

कर सकें। उन्हें पुलिस के डंडे और जुमार्ना से निजात मिल सके।

जहां भी जरूरत होगी, वहां बनेगा वेंडर मार्केट : महुआ

राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि रांची का अटल वेंडर मार्केट पूरे राज्य और देश में उदाहरण बना है। इस तरह के मार्केट राज्य में जहां-जहां भी जरूरत होगी, वहां पर बनाने का राज्य सरकार प्रयास करेगी। राज्य सरकार और नगर विकास विभाग इस ओर कदम उठा रहे हैं।

रांची में और भी वेंडर मार्केट की जरूरत : सीपी सिंह

विधायक सीपी सिंह ने कहा कि रांची में अटल वेंडर मार्केट बनाना मेरा सपना था। यह सपना पूरा हुआ, लेकिन यह सपना अंतिम नहीं है। रांची में और भी वेंडर मार्केट बनाने की जरूरत है। लोगों की जनसंख्या बढ़ रही है, ऐसे में हर कोई रोजी-रोटी कमाने के लिए फुटपाथ पर दुकान लगाता है। इस दरम्यान दुकानदारों को पुलिस का दंश भी झेलना पड़ता है। इसलिए शहर में और अधिक वेंडर मार्केट बनाने की जरूरत है, ताकि फुटपाथ दुकानदार सम्मान के साथ अपना व्यवसाय कर सकें। लोगों को निगम और प्रशासन के जुर्माने से मुक्ति मिले।

जगह चिह्नित कर वेंडर मार्केट बनाये जायेंगे : चौबे

नगर विकास विभाग के सचिव विनय चौबे ने कहा कि नगर विकास विभाग की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि राज्य में जहां-जहां पर आवश्यकता होगी, वहां पर जगह चिह्नित कर वेंडर मार्केट बनाये जायेंगे। इसके लिए नगर विकास विभाग पूरी तरह से तत्पर है। जल्द ही राज्यवासियों को और भी सुविधा मिलेगी।

भाकपा माओवादियों ने सरकार पर लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रखी अपनी बात

रांची। भाकपा माओवादियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि माओवादियों और पीएलजीए को खत्म कर डालने के लिए शासक वर्गों ने झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, महाराष्ट्र, ओड़िशा, बंगाल आदि राज्यों में छह लाख सुरक्षाबल तैनात किये हैं। इन सुरक्षाबलों में केंद्रीय अर्ध सैनिक बल सीआरपीएफ, कोबरा, एसएसबी, आइआरबी, बीएसएफ के जवान शामिल हैं। इसके अलावा विशेष कमांडो बल एसटीएफ, सी 60 जैसे कमांडो और बीएमपी, सैप, जैप आदि राज्य और जिला पुलिस बलों को तैनात किया गया है। इसके लिए मुख्य क्षेत्रों को केंद्रित कर किलेनुमा, कंटीला तार से घेर कर पुलिस कैंप स्थापित किये जा रहे हैं। हर 4-5 किलोमीटर से भी कम दूरी पर अर्ध सैनिक बलों का कैंप स्थापित किया गया है और कर रहे हैं। इन राज्यों को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। प्रत्येक दिन घेरा डालो विनाश करो की मुहिम जारी है। माओवादियों ने कहा है कि क्रांतिकारियों को पकड़कर यातनाएं देना, फर्जी मुठभेड़ में हत्या कर देना, जेल भेजना, लंबे दिनों तक झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल में कैद कर रखना, परिजनों को तंग करना, मकान व जमीन जायदाद को सीज करने का काम किया जा रहा है।

साथ ही पैतृक गांव और संपत्ति से जबरन विस्थापित कर देना, महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें, अभद्र व्यवहार करना, अवसरवादी तत्वों को चिह्नित कर उसे विभिन्न तरह का प्रलोभन देकर आत्मसमर्पण कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस क्रांतिकारियों के परिजनों को डरा धमका कर जबरन आत्मसमर्पण कराने के लिए दबाव देना जैसे काम किया जा रहा है। माओवादियों ने कहा है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारी पार्टी के नेतृत्व में बनी जनमुक्ति छापामार सेना (पीएलजीए) को 22वीं वर्षगांठ हो गया है। इस दौरान दो से आठ दिसंबर तक यानी सप्ताह दिवस के रूप में पालन करने का समय हमारे सामने है। इसी दिन ही भारत में दो दिसंबर 2000 को सर्वप्रथम जनता के हितों के लिए लड़ने वाली सच्ची जनसेना का गठन हुआ था। पीएलजीए की 22 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हम सर्वप्रथम अपने पार्टी के संस्थापक, शिक्षक व नेता का चारू मजूमदार कन्हाई चटर्जी को नमन करते हैं। उनके दिखाये हुए रास्ते पर आगे बढ़ने का संकल्प लेते हैं। श्याम, मुरली, महेश को जिनकी प्रथम स्मृति वर्षगांठ पर जनसेना का गठन हुआ है को भी लाल सलाम पेश करते हैं।

लोकसभा के अधीनस्थ रक्षा मंत्रालय की बैठक में शामिल हुए सांसद संजय सेठ

सुगनू, डुमरदगा और लालगंज की समस्याओं से कराया अवगत

रक्षा सचिव सहित डेढ़ दर्जन से अधिक वरिष्ठ अधिकारी भी हुए शामिल

अधिकारियों ने कहा : समाधान का निकाल रहे रास्ता

रक्षा मंत्रालय के बेहतर कार्यों पर जमकर की तारीफ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा के अधीनस्थ विधान संबंधी संसदीय समिति (रक्षा मंत्रालय) की बैठक में नयी दिल्ली में संपन्न हुई। इस बैठक में रांची के सांसद संजय सेठ भी शामिल हुए। रक्षा मंत्रालय और संसदीय समिति से जुड़ी इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत सरकार के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने सहित 18 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस बैठक में सांसद श्री सेठ ने रक्षा मंत्रालय के द्वारा देश व देश की रक्षा के लिए किये जा रहे कार्यों व उपलब्धियों के लिए सभी कर्मनिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद कहा। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय ने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। आज भारत के नागरिकों के साथ-साथ भारत की हर सीमा सुरक्षित है। यह सुखद बात है कि रक्षा से जुड़े कई उपकरण निर्माण की दिशा में हम कदम बढ़ा चुके हैं।

सांसद श्री सेठ ने रांची लोकसभा क्षेत्र के सुगनू, डूमरदगा और लालगंज के भूतपूर्व सैनिकों और ग्रामीणों के आवागमन व अन्य समस्याओं से अवगत कराया। सांसद ने समस्याओं की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों से इसके त्वरित समाधान हेतु पहल करने को कहा। अधिकारियों ने सांसद को बताया कि देश स्तर पर ऐसी जितनी भी समस्याएं सामने आ रही हैं, सबके समाधान के लिए खुद रक्षा मंत्री गंभीर हैं। समस्याओं का समाधान यथाशीघ्र हो, इसके लिए लगातार सकारात्मक तरीके से पहल हो रही है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष बनीं काजल यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन किया है। इस संबंध में समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जमशेदपुर के सोनारी की रहने वाली काजल यादव को अध्यक्ष बनाया गया है। विभाग ने आयोग में छह सदस्य भी मनोनीत किये हैं। इनमें चाईबासा निवासी विकास दोदराजका, रांची के लालपुर वर्धमान कंपाउंड निवासी उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, धनबाद निवासी सुनील कुमार वर्मा, हजारीबाग निवासी रुचि, चतरा निवासी मिनहाज उल हक और धनबाद निवासी डॉक्टर आभा वीरेंद्र अकिंचन शामिल हैं। राज्य सरकार ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम की धारा 18 और झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग नियमावली के नियम

7 के तहत आयोग का गठन किया है। झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के गठन की अधिसूचना समाज कल्याण, महिला और बाल विकास विभाग झारखंड सरकार द्वारा जारी किये जाने के बाद आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी युवा कांग्रेस नेता पार्टी मुख्यालय, रांची पहुंचे जहां प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद और राकेश सिन्हा के द्वारा मिठाई खिलाकर उनका अभिवादन किया गया। नेताद्वय ने युवा कांग्रेस के नेता को आयोग में सदस्य बनाये जाने के लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता निरंजन पासवान, रियाज अहमद, फिरोज रिज्वी मुन्ना, वेद प्रकाश तिवारी, प्रो राजीव नारायण प्रसाद, अख्तर अली, गुलाम रब्बानी, जितेंद्र त्रिवेदी, रामानंद केशरी ने बधाई दी।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: एम-24-लिनेन-वाश-1500-14, दिनांक: 28.11.2022। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** तीन वर्षों की अवधि के लिए हटिया और रांची स्टेशनों से यात्रा शुरू करने वाली ट्रेनों के लिए प्रति दिन 1500 लिनेन पैकेटों की यांत्रिक सफाई की आउटसोर्सिंग के लिए सेवा ठेका। **कार्य की अनुमानित लागत (जीएसटी सहित):** ₹ 4,53,13,947। **बयाना राशि:** ₹ 3,76,600। **ई-निविदा बंद करने की तारीख और समय:** 20.12.2022 को अपराह्न 3.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in। (PR-849)

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.3 °C	12.1 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.12 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

जब किसी की नाउम्मीद हो चुकी आंखों की रोशनी लौटती है, तो मुझे काफी खुशी मिलती है : डॉ सुबोध कुमार सिंह

■ डॉक्टर को बीमारी की पहचान करनी चाहिए, फिर इलाज करे

■ छोटे शहरों में सबसे बड़ा संकट विश्वास का है

'धरती पर सफेद कोट वाले भगवान' यानी डॉक्टर को समाज अलग नजरिये से देखता है, लेकिन पेशेवर कुशलता के इस दौर में ऐसे बिरले ही डॉक्टर हैं, जो मरीज की तकलीफ का सकारात्मक पहलू देखते हैं। ऐसे डॉक्टर यह नहीं देखते कि किसी बीमारी से शरीर का कोई अंग खत्म हो रहा है, बल्कि यह देखते हैं कि उस अंग को कितना बचाया जा सकता है, ताकि मरीज को तकलीफ से छुटकारा मिल सके। जहां तक आंखों की बात है, तो पांच इंद्रियों में शायद सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील अंग प्रकृति ने यही दिया है। आज हम आपको आंखों के एक ऐसे डॉक्टर से मिलवा रहे हैं, जो मरीज की बीमारी का सकारात्मक पहलू देखता है। जब दूसरे विशेषज्ञ एक मरीज को कह चुके थे कि उसकी एक आंख की नस सूख गयी है और अब उसमें रोशनी संभव नहीं आ सकती है, इस डॉक्टर ने न केवल उसका इलाज किया, बल्कि उसे पूरी तरह ठीक भी कर दिया। इस डॉक्टर का नाम है डॉ सुबोध कुमार सिंह। डॉ सुबोध जाने-माने आई सर्जन हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई एम्स दिल्ली से की है। वह चाहते, तो देश के महानगर या विदेशों में भी अपनी सेवा दे सकते थे, लेकिन उन्होंने रांची को ही चुना। वह वर्तमान में आइरिस हॉस्पिटल में अपनी सेवा दे रहे हैं। यह अस्पताल रांची के होटल लिलैक के अपोजिट, चडरी तालाब के पास स्थित है। आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह** ने डॉ सुबोध कुमार सिंह से आंखों से संबंधित कई बीमारियों के बारे में बातचीत की। डॉ सुबोध ने भी हर सवाल पर अपनी एक्सपर्ट राय दी, जो आंखों की बीमारी से ग्रसित रोगियों के लिए महत्वूर्ण जानकारी के रूप में काम करेगा।

आजाद सिपाही इंटरव्यू

● सवाल : आपको कब लगा कि आपको डॉक्टर ही बनना है और खासकर आंखों का डॉक्टर?

जवाब: जब मैं चौथी या पांचवीं कक्षा में था, तब जब भी मैं अस्पताल जाता था, तो वहां मुझे एक अलग आकर्षण महसूस होता था। जब मैं डॉक्टरों को इलाज करते देखता, उन्हें रोगियों को ठीक करते देखता, तब से ही मेरे मस्तिष्क में यह घर कर गया कि मुझे डॉक्टर ही बनना है। मैंने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पश्चिम बंगाल से की। एमबीबीएस भी वहीं से किया। उस दौरान हमें सभी स्ट्रीम पढ़ाया जाता है। लेकिन आंख ही एक ऐसा सब्जेक्ट था, जिसने मुझे बहुत आकर्षित किया। किसी के जीवन में रोशनी प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य होता है। रोशनी के बिना आपके लिए हर चीज बेकार है। एमबीबीएस में मैं दिल्ली एम्स के लिए चयनित हुआ, तब मेरे पास काफी विकल्प थे। मैं कोई भी विकल्प चुन सकता था, लेकिन मैंने आंखों का डॉक्टर बनना ही पसंद किया, क्योंकि मेरे लिए किसी की आंखों मैं रोशनी देना, लोगों को इस हसीन दुनिया को दिखाना मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य था और है।

● सवाल : आप देश के बड़े शहरों में भी अपनी सेवा दे सकते थे, लेकिन आपने रांची को ही क्यों चुना ?

जवाब: शायद यह मेरी डेस्टिनी में लिखा था कि मैं झारखंड में अपनी सेवा दूं। मैं झारखंड से नहीं हूं। यह मेरे लिए नयी जगह है। रांची आना महज एक संयोग था और मैं इसे अपनी खुशनसीबी मानता हूं। बात तब की है, जब मैं एम्स में रेटिना विभाग में सीनियर रजिस्ट्रार था। एमडी करने के बाद मैंने रेटिना को चुना, क्योंकि उस दौर में रेटिना से जुड़ी बीमारियों का इलाज बहुत कम होता था। चुनौती कठिन थी। टेक्नोलॉजी भी करवट ले रही थी। एम्स ऐसा संस्थान है, जहां देश भर से मरीज इलाज कराने आते हैं। मैंने पाया कि दिल्ली में तो मरीजों के पास बहुत से विकल्प हैं, लेकिन बिहार, झारखंड, ओड़िशा के मरीज सामान्य इलाज के लिए दिल्ली आते थे। मुझे आश्चर्य होता था कि क्या वहां इतनी भी व्यवस्था नहीं है। क्या वहां उन्नत तकनीक और एक्सपर्ट चिकित्सकों की कमी है। यह सवाल मेरे मन मैं कौंध रहा था। मैंने मरीजों से बातचीत की और पाया कि वहां सबसे बड़ा मुद्दा भरोसे का था। वहां के डॉक्टर छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी मरीज को बड़े अस्पताल में रेफर कर देते थे। यह बहुत ही निराशाजनक था। मैं इसे बदलना चाहता था। एम्स में छह साल का कार्यकाल खत्म होने के बाद मुझे वहीं फैकल्टी बनने का मौका मिला, लेकिन मैं झारखंड आया। मेरा रांची आने का उद्देश्य यह समझना था कि यहां क्या कमी है। मैंने पाया कि टेक्नोलॉजी की कमी है। आधुनिक उपकरण नहीं हैं, जिससे सही इलाज हो पाये। डॉक्टर तो थे।

● सवाल : रांची में अक्सर डॉक्टर कहते हैं कि आंखों की नसें सूख गयी हैं और उसकी रोशनी वापस नहीं आ सकती है। लेकिन आपने ऐसे मरीजों का भी सफल इलाज किया। कुछ चुनौतीपूर्ण केसे के बारे में बतायें।

जवाब: आज आंखों की इलाज के लिए आधुनिक तकनीक है। 20 साल पहले की इलाज की प्रणाली और आज की प्रणाली में बहुत फर्क है। 20 साल पहले केवल मोतियाबिंद का ही इलाज होता था। लेकिन आज तकनीक के सहारे इसकी सफलता की दर बहुत बढ़ गयी है। इलाज के दौरान सबसे महत्वपूर्ण है बीमारी को समझना-पहचानना। सिर्फ यह कह देना कि आपका इलाज नहीं हो सकता, या आपकी आंखों की रोशनी नहीं आ सकती, नैतिक नहीं है। डॉक्टर के एक कमेंट से मरीज की जिंदगी बर्बाद हो सकती है। अगर डॉक्टर के पास वह स्किल या विशेषज्ञता नहीं है, तो उसे मरीज को दूसरी राय के लिए भेज दे। लेकिन आजकल कई डॉक्टरों में इगो इतना है कि वे ऐसा नहीं करते। इससे ही मामला बिगड़ता है।

एक केस मैं बताना चाहूंगा। मेरे पास एक मरीज आये थे, जिन्हें बताया गया था कि उनकी एक आंख में रोशनी नहीं आ सकती। उस मरीज को उस डॉक्टर पर पूरा भरोसा था और वह निराश हो चुका था। वह मरीज मेरे पास मोतियाबिंद का इलाज कराने के लिए आये थे। मरीज ने ही मुझसे कहा कि आप सिर्फ मोतियाबिंद का इलाज कर दीजिये, इसमें लेंस मत डालियेगा। लेकिन मैं सोच रहा था कि अगर मोतियाबिंद का इलाज होगा और लेंस नहीं लगेगा, तो उसकी आंख की रोशनी वापस कैसे आयेगी। यह तो क्राइम है। लेंस नहीं लगवाने का कारण पूछने पर मरीज ने सारी बात बतायी। मैंने उससे एक मौका मांगा। मैंने उनकी जांच की। मोतियाबिंद पूरी तरह से पक चुका था। मैंने आंखों की नसों की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड करवाया। मुझे लगा कि वह मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। मैंने उसे भरोसे में लिया और उसका इलाज किया। मैंने ऑपरेशन किया। लेंस भी लगाया। आज जिस मरीज को अपनी उस आंख में सिर्फ लाइट का आभास होता था, वह ऑपरेशन के बाद छह मीटर की दूरी से हाथों की उंगलियां गिन पा रहा है। आसानी से पढ़ पा रहा है। उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया।

कहने का मतलब यह है कि अच्छा अस्पताल, पूरी टेक्नोलॉजी से लैस अस्पताल, एक्सपर्ट डॉक्टर और सबसे अहम नैतिकता और ईमानदार प्रैक्टिस का होना, अगर ये चीजें झारखंड में उपलब्ध हैं तो यहां के मरीज बाहर इलाज कराने नहीं जायेंगे। जो संतुष्टि मुझे झारखंड में मरीजों का इलाज करने में मिल रही है, वह एम्स में नहीं मिल रही थी। आज मरीज कहते हैं कि आपके आइरिस अस्पताल होने से, हमें जो पहले हर दो-चार महीने में बाहर आंख दिखाने जाना पड़ता था, अब नहीं जाना पड़ता।

> अच्छा अस्पताल, पूरी टेक्नोलॉजी से लैस अस्पताल, एक्सपर्ट डॉक्टर और सबसे अहम नैतिकता और ईमानदार प्रैक्टिस का होना, अगर ये चीजें झारखंड में उपलब्ध हैं तो यहां के मरीज बाहर इलाज कराने नहीं जायेंगे।

● सवाल : आखों की किन बीमारियों से ग्रसित मरीज आपके पास ज्यादा आ रहे हैं और कहां-कहां से आ रहे हैं ?

जवाब: मेरे पास सबसे ज्यादा रेटिना की बीमारी से ग्रसित मरीज आ रहे हैं। अगर उसका सही समय पर इलाज किया जाये, तो उसमे 100 प्रतिशत तक रोशनी भी कोई इलाज नहीं। आज बहुत जगहों पर ऐसा पाया गया है, अगर आप रेटिना की बीमारी से ग्रसित हैं, तो 10 में से चार मरीजों को यह बता दिया जाता है कि अब कुछ नहीं हो सकता। कई मरीज मेरे पास ऐसे आते हैं, जिन्हें दवा देकर कह दिया जाता है कि उनका इलाज नहीं हो सकता। ऐसे मरीजों का इलाज करना वाकई संतोष देता है। अमीर मरीज तो बड़े अस्पताल में चले भी जाते हैं, गरीबों को कई तरह की परेशानी होती है। वह इलाज कराने बाहर नहीं जाता। यह सही है कि रेटिना की बीमारी का इलाज महंगा है, क्योंकि इसमें जो मशीनें इस्तेमाल की जाती हैं, वे बहुत महंगी होती हैं। इसीलिए मेरा यही उदेश्य है कि हर बीमार आंख को समुचित इलाज मिले। आंखों की बीमारी के चलते मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़े।

एक और उदाहरण मैं देना चाहता हूं। मेरे पास एक मरीज आये थे। शुगर की वजह से उनका रेटिना डैमेज हो गया था। रोशनी खत्म हो चुकी थी। दूसरी आंख में भी 90 प्रतिशत तक रोशनी जा चुकी थी। वह रांची में ही कहीं इलाज करा रहे थे। उन्हें कह दिया गया था कि इसमें कुछ नहीं हो सकता है। उस मरीज ने उम्मीद छोड़ दी थी। उसने मुझसे सीधे पूछा कि क्या उसकी आंखों की रोशनी वापस आ सकती है। जांच कर मैंने पाया कि ऐसा हो सकता है। मैंने सर्जरी की बात की। मरीज को भरोसा दिलाया। उस मरीज ने दो दिन का समय लिया। सबसे राय मशविरा करने के बाद वह मेरे पास आया और मैंने उसका ऑपरेशन किया। गैस डाला। एक हफ्ते तक धुंधला दिखा। दूसरे से तीसरे हफ्ते के बाद उस मरीज की आंखों में 90 प्रतिशत तक रोशनी आ गयी। आज वह मरीज छह मीटर की दूरी से मॉनिटर पर सारी लाइनें पढ़ता है। 6/9 को हम नॉर्मल विजन मानते हैं। उस मरीज में वह विजन आया। रिजल्ट आने के बाद उस मरीज ने कहा कि डॉक्टर सच में भगवान का दूसरा रूप होता है, आप इसे पूरी तरह से चरितार्थ करते हैं। उस मरीज ने कहा कि वह डिप्रेशन में जाने वाला था। उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन आपका रांची में होना सच में यहां के मरीजों के लिए वरदान है। अब सच में किसी भी मरीज को कम से कम आंखों के इलाज के लिए बाहर तो नहीं जाना पड़ेगा। एक डॉक्टर होने के नाते मेरे लिए तो यही उपलब्धि है कि मेरा मरीज ठीक हो गया। वह संतुष्ट है। खुश है।

> मैंने आंखों का डॉक्टर बनना ही पसंद किया, क्योंकि मेरे लिए किसी की आंखों मैं रोशनी देना, लोगों को इस हसीन दुनिया को दिखाना मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य था और है।

● सवाल : प्रीमेच्योर बेबी यानी समय से पहले जन्मे शिशुओं में भी देखा गया है कि जन्म के साथ ही उनमें भी आंखों से सम्बंधित रोग पाया जा रहा है। यह क्यों होता है। इसे लेकर उस बच्चे के माता-पिता भी चिंतित हो जाते हैं, डर जाते हैं। बहुत से ऐसे अस्पताल हैं, डॉक्टर हैं, जो इस डर का फायदा उठा पैसा बना रहे हैं। धंधा चला रहे हैं। इसका क्या समाधान है?

जवाब: बिलकुल समाधान है। अभी क्यों समय पूर्व प्रसव की संख्या क्यों बढ़ गयी है, यह समझना जरूरी है। आजकल आइवीएफ ज्यादा हो रहा है। देर से शादियां हो रही हैं, जिसकी वजह से हाई रिस्क प्रेग्नेंसीज हो रही हैं। ऐसे में समय से पहले प्रसव की संभावना बढ़ जाती है। प्रीमेच्योर बेबी की आंखों के रेटिना में खून की जो नलियां होती हैं, वे ठीक तरीके से डेवलप नहीं हो पातीं। 30 से 40 प्रतिशत ही बनी होती हैं। ऐसे केसेस में बच्चों का अंदर ही अंदर पर्दा सिकुड़ने का खतरा रहता है। यह बीमारी बच्चे के जन्म के 30 दिन के अंदर डेवलप होती है। इन 30 दिनों में उस बच्चे की आखों का रेटिना चेक हो जाना चाहिए। अब चेक होने के बाद हम देखते हैं कि उन आंखों में बीमारी है या नहीं है। अगर बीमारी नहीं है, तो मरीज को एक महीने तक फॉलोअप करके के छोड़ देते हैं। अगर बीमारी है, तो उसमे भी पांच पड़ाव होता है। पहले दो पड़ाव में हम सिर्फ इंतजार करते हैं। बच्चे को दो-दो हफ्ते में मॉनिटर करते हैं। तीसरे पड़ाव में हम अर्जेंट लेजर कर देते हैं। आजकल इंजेक्शन भी दी जाती है। यही पैटर्न है ट्रीटमेंट का। यह बीमारी 100 प्रतिशत ठीक हो सकती है। इसमें पैसों का धंधा भी हो रहा है। बच्चों की आंख इतनी छोटी होती है। प्रीमेच्योर बच्चा है। सरकार ने एक प्रोटोकॉल बनाया है। आपको बीमारी को किन-किन पड़ाव पर फॉलोअप करना है। अगर किसी डॉक्टर की मंशा सही नहीं है, तब तो हर बच्चे का इलाज होने लग जायेगा। अगर किसी अभिभावक को लगता है कि इलाज सही दिशा में नहीं हो रहा है, तो वह सेकंड ओपिनियन भी ले सकते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी प्रीमेच्योर बेबी में बीमारी पायी जाती है। 10 में से तीन ही ऐसे होते हैं, जिन्हें इलाज की जरूरत होती है। 10 में से सात बच्चे खुद ही ठीक हो जाते हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब आपको डॉक्टर बीमारी के बारे में नहीं बताते हैं। हमारे यहां आइरिस अस्पताल में एक रेडकेन मशीन है, जिसमें कैमरा से तस्वीर लेकर मरीजों को दिखाते हैं। हम बताते हैं कि देखिये इसमें खून की नलियां इतनी ही बनी हैं। हमारे यहां प्रीमेच्योर बेबी के रेटिना को स्कैन करने की भी मशीन है, जिससे हम मरीजों के अभिभावकों को सही जानकारी उपलब्ध कराते हैं। हमारे यहां एनआइसीयू से डिस्चार्ज किये हुए बच्चे भी आते हैं। अगर कोई बच्चा एनआइसीयू में ज्यादा समय से है, तो हम संबंधित अस्पताल में जाकर इलाज कर देते हैं, जहां से इलाज कर देते हैं। जो बच्चे डिस्चार्ज हो चुके हैं, उन्हें हम आइरिस अस्पताल बुलाकर इलाज कर देते हैं। हमारे पास दो हजार से अधिक बच्चों का आरओपी ट्रीटमेंट हुआ है। हमें गर्व होता है कि हमने दो हजार से अधिक बच्चों को अंधा होने से बचाया है। इनमे एक दो ही ऐसे बच्चे होंगे, जो अंधेपन का शिकार हुए हैं।

> मैं अभिभावकों को यही कहूंगा कि आप मोबाइल, गैजेट्स या छोटे स्क्रीन बच्चों से दूर रखिये। दिखाना ही है तो टीवी दिखाइये, क्योंकि टीवी अगर बच्चा छह मीटर की दूरी से देख रहा है, तो वह दूर की रोशनी को सुधार रहा है। इससे उसकी दूर की रोशनी बढ़ेगी। नजदीक की रोशनी बच्चों की अच्छी होती ही है।

● सवाल : इनमे बहुत से ऐसे भी अभिभावक होंगे, जो कहते होंगे कि बच्चा तो अभी जन्मा है, बीमारी कैसे हो सकती है।

जवाब: आपने सही कहा। 10 में से दो ऐसे भी अभिभावक होते हैं, जो इस प्रोसेस से नहीं जाते, बच्चों का इलाज नहीं करवाते और अंततः छह महीने बाद उन बच्चों को अंधेपन का शिकार होना पड़ता है। अगर एक बार बच्चा अंधा हो गया तो दुनिया में कोई इलाज नहीं है उसे दूर करने का। ऐसे अभिभावकों को जागरूक होने की जरूरत है। उन्हें इन बीमारियों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। 30 दिन के अंदर ही ऐसी बीमारियों का इलाज संभव है। इसमें देरी करना कहीं से भी उचित नहीं है। एक दो हफ्ता में ट्रीटमेंट शुरू हो जाना चाहिए, नहीं तो बच्चे अंधे हो जा सकते हैं।

● सवाल : एक मैसेज उन अभिभावकों के लिए, जो अपने दो-तीन साल के बच्चों के हाथों में मोबाइल थमा दे रहे हैं। सिर्फ और सिर्फ अपनी जिम्मेदारियों से भागने के लिए, ताकि बच्चा मोबाइल पर बिजी रहे और अभिभावक अपना अन्य काम निपटा लें। बच्चा रोये नहीं। कितना घातक है मोबाइल इन नन्हे बच्चों के हाथों में जरा बतायें?

जवाब: देखिये अभिभावकों को समझना होगा कि जो वह मोबाइल बच्चों के हाथों थमा रहे हैं, वह उनकी नन्हीं आंखों संग खिलवाड़ कर रहे हैं। 1980 के दशक में मायोपिया नाम की बीमारी बहुत बढ़ रही थी। खासकर चीन में। बच्चों की आंखों में चश्मा लगना वहां के लिए आम हो गया था, क्योंकि वहां के लोगों की प्राकृतिक बनावट भी कुछ वैसी ही है। आज यह बीमारी पूरे देश में पांच गुना बढ़ चुकी है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज घर में अभिभावक बच्चों को मोबाइल, गैजेट और अन्य इस प्रकार की सामग्री पर निर्भर करवा रहे हैं, जो उनकी आंखों के लिए घातक है। अगर आपका बच्चा मोबाइल देख रहा है, तो वह नजदीक से छोटी-छोटी चीजों को देख रहा है। उससे उसकी नजदीक की रोशनी इंप्रूव तो हो रही है, लेकिन दूर की चीजों को देखने के लिए वह प्रयास नहीं कर रहा है। फोकस नहीं कर रहा है। तो वह विजन या रोशनी उसकी डेवलप नहीं करती, जिसका परिणाम यह होता है कि बच्चों कि दूर कि रोशनी कम हो जाती है। इसलिए चश्मा लगाना पड़ता है। बच्चा टीवी देख सकता है। उसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है। मैं अभिभावकों को यही कहूंगा कि आप मोबाइल, गैजेट्स या छोटे स्क्रीन बच्चों से दूर रखिये। दिखाना ही है तो टीवी दिखाइये, क्योंकि टीवी अगर बच्चा छह मीटर की दूरी से देख रहा है, तो वह दूर की रोशनी को सुधार रहा है। इससे उसकी दूर की रोशनी बढ़ेगी। नजदीक की रोशनी बच्चों की अच्छी होती ही है। लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी ज्यादा करवायें। उन्हें प्राकृतिक चीजों पर ज्यादा निर्भर बनायें बजाय मोबाइल या गैजेट्स के।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

गुजरात के दलित वोटरों की चुप्पी से सभी दल परेशान

दलित वोट तय करेगा सत्ता का अगला दावेदार : अपने-अपने तरीके से लुभाने में जुटीं पार्टियां

आजाद सिपाही विशेष

गुजरात की 182 विधानसभा सीटों में से 25 सीटों पर दलितों का दबदबा माना जाता है। इनमें से 13 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जबकि 12 अन्य सीटें ऐसी हैं, जहां दलित मतदाताओं की आबादी 10 फीसदी से ज्यादा है और वे वहां हार-जीत तय करते हैं। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के उतरने की वजह से दलित वोटों का बिखराव हो सकता है। 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 13 में से सात पर जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस ने पांच और एक निर्दलीय (जिग्नेश मेवाणी) ने जीत दर्ज की थी। मेवाणी ने वडगाम से चुनाव जीता था, जिसे कांग्रेस का समर्थन हासिल था। राज्य में करीब आठ फीसदी आबादी दलित और 11 फीसदी आदिवासी हैं। भाजपा ने 1995 के विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 13 सीटों में से अधिकांश पर जीत दर्ज की थी। 2007 और 2012 में उसने क्रमशः 11 और 10 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने दो और तीन सीटों पर जीत हासिल की थी। 2017 में भाजपा ने इन 13 सीटों में से केवल सात सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटें जीतीं। सी-वोटर के एक ताजा सर्वे में बताया गया है कि गुजरात में 37 फीसदी दलित मतदाता भाजपा की तरफ, जबकि 34 फीसदी कांग्रेस और 24 फीसदी आप को वोट कर सकते हैं। पांच फीसदी दलित वोटर अन्य को भी वोट कर सकते हैं। 2017 में कांग्रेस को दलितों का 53 फीसदी वोट मिला था और इस बार आप ने उसके इस वोट बैंक में जबरदस्त सेंधमारी की है, जबकि भाजपा अपने दलित वोट बैंक को बरकरार रखने में कामयाब दिख रही है। इस बार गुजरात में दलित मतदाता बंटे हुए हैं। उनकी चुप्पी से राजनीतिक दलों की बेचैनी भी बढ़ रही है। गुजरात के दलित और आदिवासी मतदाताओं के संभावित झुकाव का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

भारत के अन्य राज्यों की तरह ही गुजरात में भी जातिगत समीकरण के खास मायने हैं। दूसरे राज्यों के मुकाबले गुजरात में दलित आबादी का प्रतिशत काफी कम है, लेकिन कुल 25 सीटों पर यह जाति चुनाव परिणाम को प्रभावित करने में सक्षम है। गुजरात पर पिछले 27 सालों से भाजपा का शासन है। वहीं 1995 के बाद यहां पर कांग्रेस दोबारा कभी भी सत्ता पर काबिज नहीं हो सकी है। इसलिए इस बार कांग्रेस इस वनवास को अब खत्म करना चाहती है। हालांकि आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने से उसे खासी परेशानी हो रही है। पूरे देश की निगाहें भी इस चुनाव पर है, क्योंकि यह भारतीय राजनीति के अब तक के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह का गृह राज्य है। स्वाभाविक है कि दोनों ही इस चुनाव को लेकर सक्रिय हैं।

गुजरात की राजनीति में जातिगत व्यवस्था पर अभी भी मतदान होता है। इसी आधार पर राजनीतिक दल भी जाति समीकरण को ध्यान में रखते हुए टिकट में सभी जातियों को उसकी संख्या के हिसाब से प्रतिनिधित्व देते हैं। गुजरात की राजनीति में दलितों और आदिवासियों का प्रभाव अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी कम है। राज्य की जनसंख्या के मुताबिक दलितों की आबादी करीब आठ फीसदी है। वहीं गुजरात की सुरक्षित सीटों पर दलित मतदाताओं की आबादी भी अलग-अलग है। ज्यादातर सुरक्षित सीटों पर दलित मतदाताओं की संख्या 10 से 11 फीसदी ही हैं। फिर भी चुनाव में दलित मत प्राप्त करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से प्रयास में जुट चुके हैं।

राज्य में आठ फीसदी है दलितों की आबादी

2017 में दलित मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर

गुजरात विधानसभा चुनाव 2017 में सबसे खास बात यह रही कि आदिवासी और दलित लोगों ने भाजपा के ऊपर अपना विश्वास जताया था। भाजपा के खिलाफ दलित नेता जिग्नेश मेवाणी के धुआंधार प्रचार का भी कोई असर नहीं हुआ। भाजपा ने दोनों ही जगहों पर 15 फीसदी का भारी इजाफा हासिल किया। दलित और आदिवासी का भाजपा को इस तरह से समर्थन एक बड़े जातिगत बदलाव की ओर इशारा करता है।

आदिवासी मतदाताओं का गुजरात में प्रभाव

गुजरात की राजनीति में आदिवासी मतदाताओं का खासा प्रभाव माना जाता है। राज्य की जनसंख्या भले ही छह करोड़ तक पहुंच गयी है, लेकिन इस जनसंख्या में 11 फीसदी आदिवासी मतदाता हैं। आदिवासी मतदाता कई सीटों पर चुनाव परिणाम को सीधे प्रभावित करते हैं। इसी वजह से कांग्रेस और भाजपा आदिवासी मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए चुनाव में जोर-आजमाइश कर रहे हैं।

जिग्नेश से दलित जाति को उम्मीद

गुजरात की राजनीति में जिग्नेश का नाम अब मुख्य धारा के नेताओं में जुड़ गया है। गुजरात की दलित राजनीति में जिग्नेश मेवाणी एक बड़ा चेहरा बनकर उभर रहे हैं। गुजरात के चुनाव में उन्हें पूरी तरीके से खारिज कर देना भी उचित नहीं है। जिग्नेश दलित राजनीति को लेकर सजग हैं। इसी वजह से मायावती, रामविलास पासवान, मल्लिकार्जुन खड़गे और थावरचंद गहलोत की तरह ही उनका नाम भी अब दलित के बड़े नेता के तौर पर लिया जा रहा है।

दलित-आदिवासी और सियासी समीकरण

गुजरात में दलित समुदाय की आबादी प्रदेश की कुल आबादी का महज आठ फीसदी है। प्रदेश की कुल 182 विधानसभा सीटों में से 13 सीटें उनके लिए रिजर्व हैं। हालांकि दलित समुदाय का प्रभाव इससे कहीं ज्यादा है। राज्य की करीब 25 सीटों पर दलित मतदाता अहम भूमिका में है। गुजरात की जो 13 सीटें रिजर्व हैं, उन पर दलितों की आबादी 25 फीसदी है और बाकी अन्य 12 सीटों पर 10 फीसदी से ज्यादा हैं। 1995 के चुनावों से लेकर 2017 तक की बात करें, तो अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित 13 सीटों में ज्यादातर पर भाजपा ने जीत हासिल की है। 2007 और 2012 में भाजपा ने क्रमशः 11 और 10 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस के खाते में दो और तीन सीटें आयी थीं। लेकिन 2017 आते-आते गुजरात में दलित वोटों पर भाजपा की पकड़ थोड़ी कमजोर हुई। पिछले चुनाव में दलितों के लिए रिजर्व 13 सीटों में से सात सीटें भाजपा जीती थी, जबकि पांच सीटें कांग्रेस को मिली थी। इसके अलावा एक सीट पर निर्दलीय के रूप में जिग्नेश मेवाणी विधायक बने थे, जिन्हें कांग्रेस ने समर्थन किया था।

भाजपा, कांग्रेस, आप में बंट सकता है दलित वोट

गुजरात में राजनीति के लिहाज से दलित समाज दुविधा का शिकार है। माना जा रहा है कि इस बार के चुनाव में उसके वोट सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच विभाजित हो सकते हैं। माना जाता है कि दलित समुदाय आपस में ही बंटा हुआ है। दलितों में सबसे ज्यादा आबादी वाला वंकर समुदाय भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। ये अधिक मुखर और शहरी हैं। वहीं दूसरे नंबर पर वाल्मीकि समुदाय है, जो मुख्य रूप से साफ-सफाई के काम से जुड़ा है, विभाजित हैं। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि दलित समुदाय की नयी पीढ़ी भ्रमित है। युवाओं का वोटिंग पैटर्न तीनों दलों में विभाजित होगा। वोटों के बंटने से न तो किसी एक राजनीतिक दल को फायदा होगा और न ही इससे समुदाय को फायदा होगा।

सी-वोटर के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक गुजरात में 37 फीसदी दलित मतदाता भाजपा की तरफ जा सकते हैं। वहीं 34 फीसदी कांग्रेस और 24 फीसदी आप को वोट कर सकते हैं। पांच फीसदी दलित वोटर अन्य को सपोर्ट कर सकते हैं। लेकिन फिलहाल तो मतदाताओं का यह बड़ा वर्ग चुप्पी साधे हुए है। इसके कारण चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे दल परेशान हैं। इनकी परेशानी तो अब आठ दिसंबर को ही दूर होगी।

मुख्यमंत्री आज करेंगे बजट खर्च की विभागवार समीक्षा

चालू वित्तीय वर्ष में अब तक विभागों ने खर्च की 36.22 प्रतिशत राशि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को बजट 2022-23 के खर्चों की समीक्षा करेंगे। इस दौरान सीएम हेमंत विभिन्न विभागों में खर्च की गयी राशि की समीक्षा करेंगे। यह बैठक दोपहर एक बजे प्रोजेक्ट भवन सभागार में होगी। वित्त विभागों द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, बजट 2022-23 में अबतक विभिन्न विभागों द्वारा मिलाकर कुल 36.22 प्रतिशत राशि ही खर्च की गयी है। बैठक में मुख्यमंत्री विभागों को बजटीय राशि खर्च करने को लेकर अधिकारियों को अहम निर्देश भी दे सकते हैं।

विभागों द्वारा अब तक खर्च की गयी राशि

- ग्रामीण विकास विभाग 28.67 प्रतिशत
- महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा - 46.27 प्रतिशत
- स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग- 51.72 प्रतिशत
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग- 30.60 प्रतिशत
- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग -18.70 प्रतिशत
- कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग - इसमें कृषि में 4.50 प्रतिशत, पशुपालन में 5.79 प्रतिशत और सहकारिता विभाग में 18.27 प्रतिशत राशि खर्च हुई है ।
- सड़क निर्माण विभाग - 42.24 प्रतिशत
- नगर विकास विभाग - 17.91 प्रतिशत
- खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग - 26.74 प्रतिशत
- अनुसूचित जनजाति, जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग - 45.50 प्रतिशत ।
- उच्च, तकनीकी एवं कौशल विकास विभाग -18.60 प्रतिशत
- उद्योग विभाग - 36.26 प्रतिशत
- योजना एवं विकास विभाग-13.90 प्रतिशत
- खान विभाग - 28.73 प्रतिशत।

एसटी आयोग ने मेयर आशा लकड़ा की शिकायत पर सचिव से मांगा एटीआर

रांची। अनुसूचित जनजाति आयोग (एसटी) ने नगर विकास सचिव से रांची नगर निगम की मेयर आशा लकड़ा की शिकायत पर एक्शन टेकेन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। एटीआर 15 दिन के अंदर मांगा गया है। आयोग ने कहा है कि अगर निर्धारित अवधि के अंदर एटीआर नहीं दिया गया, तो वह अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिविल कोर्ट के क्लाउज आठ की धारा 338 ए के तहत कार्रवाई करेगा। मेयर ने आरोप लगाया था कि कोविड काल में उनकी स्वीकृति के बिना रांची नगर निगम के अफसरों ने नियम विरुद्ध 298 योजनाओं को स्वीकृति देकर उन्हें निष्पादित कर दिया। ये योजनाएं करीब 5,77,64,12145 करोड़ रुपये की थी। मेयर ने आरोप लगाया था कि अधिकारी उन पर इन योजनाओं को घटनोत्तर स्वीकृति देने के लिए उनपर दबाव बना रहे हैं। आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए आशा लकड़ा ने कहा था कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला हैं। इसलिए उन पर अधिकारी अनुचित दबाव बना रहे हैं।

हाइकोर्ट में विधायक समरी के 10 गवाहों के बयान दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांके विधानसभा सीट पर 2019 चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे सुरेश बैठा की इलेक्शन पिटीशन पर हाइकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान भाजपा विधायक समरी लाल की ओर से उपस्थित दसवें गवाह परभाती राम का बयान दर्ज किया गया। परभाती राम ने समरी लाल से परिचित होने और अपने परिवार के आजादी के वक्त से रांची में रहने की बात कही। जब सुरेश बैठा के वकील ने उनसे पूछा कि क्या वे इससे जुड़ा कोई प्रमाण दे सकती हैं तो उन्होंने बताया कि वे यह प्रमाण दे सकती है कि वे 1950 के दशक से रांची में हैं। लेकिन समरी लाल से जुड़ा कोई पुराना दस्तावेजी प्रमाण उनके पास उपलब्ध नहीं है। परभाती राम की गवाही होने के बाद अदालत ने दूसरे गवाह का बयान दर्ज करने के लिए बुधवार की तारीख मुकर्रर की है। याचिकाकर्ता सुरेश बैठा की ओर से हाइकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, विभास सिन्हा और अविनाश अखौरी ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा। वहीं समरी लाल की ओर से अधिवक्ता अमर कुमार सिन्हा ने पक्ष रखा।

पांच की गवाही अब बाकी

समरी लाल के निर्वाचन को रद्द करने की मांग

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा की आरक्षित सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुरेश बैठा और भाजपा के प्रत्याशी समरी लाल चुनाव लड़े थे। मतगणना के बाद भाजपा के प्रत्याशी समरी लाल को निर्वाचित घोषित किया गया। जिसके बाद सुरेश बैठा ने झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर समरी लाल के निर्वाचन को रद्द करने की मांग की है। इसके पीछे उन्होंने आधार दिया है कि समरी लाल द्वारा चुनाव के दौरान दिया गया जाति प्रमाण पत्र गलत है।

महत्वपूर्ण न्यूज

बीआइटीटी में रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। बीआइटीटी में मंगलवार को सदर अस्पताल, रांची के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सभी छात्रों, शिक्षकों तथा अन्य कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। यह शिविर, सदर अस्पताल रांची की देखरेख में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीआइटीटी पॉलिटेक्नीक के प्रभारी प्राचार्य प्रो अनंत कुशवाहा ने कहा कि रक्तदान ही महादान है, किसी भी व्यक्ति को दिया हुआ रक्त अन्य की जिंदगी बचा सक्ता है साथ ही कहा कि इस कार्य से बढ़ कर समाज सेवा नहीं हो सकती है। रक्त देनेवालों में विनय कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, राहुल कुमार, दिपक कुमार, उमेश सिंह, संतोष दुबे, मुनमुन सिंह इत्यादि शामिल रहे। संस्था की चेयरपर्सन डॉ वंदना कुमारी एवं चेयरमेन डॉ रंजीत कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य, शिक्षक गण एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। बीआइटीटी ग्रुप सदा ही समाज कल्याण के लिए इस तरह के कार्यों को करता रहा है और आगे भी राष्ट्रहित के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

आदर्श सम्मान समिति का गठन, डॉ विष्णु राजगढ़िया प्रांतीय संयोजक बने

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने मंगलवार को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन 'आदर्श सम्मान समिति' के गठन का निर्णय लिया है। इस समिति का दायित्व है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा निर्धारित आचार संहिता के संबंध में जागरूकता फैलाना। साथ ही इसके अनुपालन की दिशा में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करनेवाले बंधुओं को सम्मानित करना। डॉ विष्णु राजगढ़िया को इस समिति का प्रांतीय संयोजक मनोनीत किया गया है। सभी जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव इस समिति के मानद सदस्य होंगे। साथ ही प्रांतीय संयोजक द्वारा सभी जिलों में आदर्श सम्मान समिति जिला संयोजक का मनोनयन किया जायेगा। उन्होंने झारखंड के सभी जिला अध्यक्ष एवं सचिव से अनुरोध किया है कि इस समिति के कार्य सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। उक्त जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

अवैध खनन रोकने के लिए खान सचिव ने की समीक्षा बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में अवैध खनन रोकने को लेकर मंगलवार को खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। जानकारी के मुताबिक इस बैठक में सभी जिलों के डीसी और एसपी हिस्सा लिया। इसमें अवैध खनन रोकने को लेकर गठित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा की गयी कार्रवाई समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी जिले के एसएसपी और एसपी को पत्र लिख कर जिला मुख्यालय में अवस्थित एनआइसी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लेने का निर्देश दिया गया था। सभी को अैध खनन रोकने के लिए सख्त निर्देश दिया गया है।

गिरिडीह को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा

ऊर्जा विभाग का लक्ष्य : 2023 तक 200 गांवों को करेंगे सोलराइज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक मंगलवार को हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उपस्थित रहे। इस दौरान चर्चा हुई कि झारखंड राज्य सौर नीति 2022 के तहत 1000 गांवों को सोलराइज करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए प्रथम चरण में 2023 तक झारखंड के 200 गांवों को सोलराइज करने की दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है, ताकि गांवों को सोलराइज करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास को बढ़ावा, बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और गुणवत्ता में सुधार, ग्रामीण आय को बढ़ाना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सौर ऊर्जा को एकीकृत करके रोजगार के अवसर प्रदान किये जा सकें। इस कड़ी में गिरिडीह को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कुल 17 मेगावाट और वाणिज्यिक सेक्टर के लिए 5 मेगावाट का रूफटॉप पावर प्लांट, एक मेगावाट सोलर स्ट्रीट लाइट और ग्राउंड माउंटेड सोलर पावर प्लांट का 18 मेगावाट का लक्ष्य

रखा गया है। प्रथम चरण में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 5 मेगावाट रूफटॉप लगाने की कार्यवाही चल रही है।

कम्युनिटी सौर प्रतिष्ठानों से गांवों को बिजली

सौर नीति के तहत सरकार ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीणों को सशक्त करना चाहती है। इसके लिए सभी अड़चनों को दूर करने के कार्य किये जायेंगे। इससे स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, पुलिस स्टेशनों जैसी संस्थागत केंद्रों को सौर ऊर्जा से बिजली उपलब्ध करायी जा सके। साथ ही, ग्रामीणों द्वारा उपयोग की जानेवाली दुकानों और कृषि कार्य में सौर ऊर्जा का उपयोग हो सके। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित एमएसएमइ को सशक्त करना भी है।

रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान

नीति के तहत बिजली की अधिक खपतवाले गांवों को प्राथमिकता देने का कार्य किया जायेगा। मध्यम आकार के गांवों या अधिक छोटे समूहों की पहचान करने का निर्देश सरकार ने दिया है। साथ ही, गांव में कृषि उद्योग के अतिरिक्त नौकरी के अवसर सृजित करने पर अधिक जोर दिया जायेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि झारखंड के प्रत्येक जिले में चयन मानदंडों के आधार पर सौर गांवों में तब्दील किये जानेवाले गांवों की प्राथमिकता सूची की पहचान, चिह्नित गांवों की सूची उपायुक्तों के साथ साझा करने, गांवों में आजीविका को लेकर सौर ऊर्जा के नये प्रयोगों को लागू करने की संभावनाओं और क्षमता का आकलन करने, सामुदायिक सौर प्रतिष्ठानों के लिए उपयुक्त सरकारी और निजी भूमि वाले गांवों में भूमि बैंकों की पहचान कर नक्शा बनाने समेत अन्य निर्देश दिया है।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

डंपर से दब कर स्कूली छात्र और महिला की मौत, बच्चे की मां गंभीर रूप से घायल

पुलिस - प्रशासन के समक्ष मुआवजा एवं स्कूल के समय मालवाहक के लिए नो एंट्री की रखी मांग, बीडीओ के आश्वासन के बाद पांच घंटे बाद सड़क जाम समाप्त

कुजू (आजाद सिपाही)। क्षेत्र के आरा कांटा के समीप स्थित रंगोली स्वीट्स के ठीक सामने मंगलवार दोपहर करीब एक बजे एक अनियंत्रित डंपर से दबकर एक स्कूली नन्हा छात्र एवं एक महिला की दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि स्कूली छात्र को घर ले जा रही मां गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। वहीं, ग्रामीणों ने नौकरी - मुआवजा और स्कूल के समय नो एंट्री की मांग करते हुए सड़क को जाम कर दिया। इधर, बीडीओ सुधीर प्रकाश और पुलिस इंस्पेक्टर संजय गुप्ता की अगुवाई में ग्रामीणों से वार्ता के बाद 5 घंटे बाद सड़क जाम समाप्त हुआ।

जानकारी के अनुसारा दोपहर एक बजे आरा- सारूबेड़ा सड़क मार्ग पर सीसीएल कथारा कोलियरी से डंपर संख्या जेएच09एए- 4307 पर भारी भरकम मशीन लेकर जाया जा रहा था। जैसे ही उक्त सड़क किनारे डंपर पहुंचा कि सामने से आ रहे एक ट्रेकर को बचाने के दौरान दो महिला एवं एक छात्र को अपने चपेट में ले लिया। साथ ही आरा-सारूबेड़ा निवासी 6 वर्षीय छात्र गुलाम दिल नवाज पिता मो उस्मान अंसारी, नवाज को स्कूल से लेकर घर ले जा रही उसकी मां साजदा खातून (27 वर्ष) एवं एक अन्य महिला आईडब्ल्यूएसपी सारूबेडा की 60 वर्षीय जमीला खातून डंपर की चपेट में आकर पास के नाले में जा गिरी और तीनों के शरीर के ऊपर डंपर चढ़ गया। ग्रामीणों द्वारा उक्त फंसे लोगों को काफी निकालने का प्रयास किया गय, लेकिन वे सफल नही रहे। वही, घंटों देर बाद ग्रामीणों ने क्रेन की मदद से तीनों लोगों को बाहर निकालकर तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने गुलाम दिल नवाज एवं जमीला खातून को मृत घोषित कर दिया। जबकि साजदा की गम्भीर स्थिति बताया जा रहा है। मौत की खबर के बाद नौकरी-मुआवजा और स्कूल के समय मालवाहक के लिए नो एंट्री की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया। करीब पांच घंटे के बाद बीडीओ सुधीर प्रकाश की अगुवाई में ग्रामीणों से वार्ता के बाद समाप्त हुआ। वार्ता के दौरान नो एंट्री के संबंध में कहा गया कि जल्द ही इसकी बैठक की जायेगी।

वही, स्पीड ब्रेकर के तौर पर आइडब्लूएसपी से आरा कांटा तक ड्रम में बालू भरे तीन पुलीस लिख साइन बोर्ड रखा जाएगा और जल्द ही अंचल से मुआवजा दिलाने की बात कही। मौके पर मांडू इंस्पेक्टर संजय गुप्ता के अलावे कुजू ओपी पुअनि कुमूद बागे, चेतन सिंह, कमलेश सिंह सहित सशस्त्र बल और कई ग्रामीण मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

संपूर्ण एकेडमी धुर्वा में संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। कॉमर्स के पहली पसंद कोचिंग संपूर्ण अकैडमी धुर्वा अकैडमी में संविधान दिवस पर संगोष्ठी हुई। सभा की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान शुरू करके हुई तथा बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प चढ़ा कर सभा की शुरुआत की गयी। जन शिक्षण संस्थान कौशल विकास एवं उद्यमी भारत सरकार द्वारा संचालित के तहत प्रशिक्षक अंकिता भारती संविधान की महत्व पर प्रकाश डाला। कोचिंग के डायरेक्टर रमेश साहू द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान में उल्लेखित अधिकार समाज के निचले तबके के लोगों को पहुंचना चाहिए, ताकि अपना जीवन समाज में सम्मान से जी सके।

इनर व्हील रांची क्लब ने नेत्रहीन बच्चों को भोजन कराया

रांची (आजाद सिपाही)। राजकीय नेत्रहीन मध्यविद्यालय हरमू में 50 नेत्रहीन बच्चों को भोजन कराया गया। बच्चे काफी खुश हुए भोजन में पूरी सब्जी मिठाई था। वहां के बच्चों को देख कर लगा कि बहुत सी चीजों की आवश्यकता है, जो क्लब की महिलाएं मिल कर उनकी जरूरतों को पूरा करेंगे। इस कार्यक्रम में क्लब की प्रेसिडेंट तनुजा अधिकारी, संगीता कुमार, रमा नंदा, ऐनज़िला, राधा अग्रवाल, सुषमा और पूनम यादव उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिए आचार्यकुलम के दो विद्यार्थी चयनित

रांची (आजाद सिपाही)। ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से डीवीसी के तत्वावधान में रांची में राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में आचार्यकुलम रांची के विद्यार्थियों ने विजयी ध्वजा लहराया। इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या सुजाता कौरा ने छात्रों को बधाई दी। प्रतियोगिता में पूरे झारखंड से एक सौ छात्रों का राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया था। इनमें जूनियर ग्रुप ए में आचार्यकुलम रांची की छात्रा निधि रानी को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 30,000 रुपये और शिवम कुमार कौशल को तृतीय पुरस्कार के रूप में 20000 रुपये का पारितोषिक प्राप्त हुआ। सीनियर ग्रुप बी में प्रत्यूष कुमार को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 7500 रुपये का पारितोषिक प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्या सुजाता कौर ने कहा कि प्रत्येक वर्ष आचार्यकुलम रांची के विद्यार्थी कला के क्षेत्र में कला शिक्षक बिजय कुमार जयसवाल के मार्गदर्शन में नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। ग्रुप ए में चयनित प्रतिभागी निधि रानी और शिवम कुमार कौशल नयी दिल्ली में 11 दिसंबर को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने कला शिक्षक के साथ दिल्ली जायेंगे। विद्यालय के प्रबंधक स्वामी दिव्य देव और आचार्यकुलम का प्राचार्या सुजाता कौर ने बच्चों को विशेष शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टेट पास पारा शिक्षकों पर हाइकोर्ट में सुनवाई, कोर्ट ने पूछा : समायोजन के लिए क्या कदम उठाये गये

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट में टेट पास पारा शिक्षकों के समायोजन से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉ रवि रंजन और न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने सरकार से पूछा था कि टेट पास शिक्षकों के समायोजन को लेकर क्या कदम उठाये गये हैं, जिस पर सरकार ने अदालत में कहा : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा गठित कमेटी ने कई सुझाव दिये हैं। इसके बाद अदालत ने सरकार को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देते हुए बुधवार को फिर मामले की सुनवाई करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी सुनील कुमार यादव एवं अन्य के द्वारा करीब 111 याचिकाएं पारा शिक्षकों के सहायक शिक्षक के रूप में वेतन एवं नियमितिकरण के मामले में हाइकोर्ट में दाखिल की गयी है। याचिका में कहा गया है कि पारा शिक्षक 15 वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे हैं। वे शिक्षक पद की अहर्ता भी पूरी करते हैं। याचिका में मुख्य मांग यह की गयी है कि राज्य सरकार उनकी सेवा स्थाई करे और उन्हें सहायक शिक्षक के पद पर समायोजित करे। साथ ही समान कार्य के बदले समान वेतन दिया जाये।

राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने कांके सीओ को जारी किया समन

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने मंगलवार को कांके सीओ को समन जारी किया है। उन्हें 30 नवंबर को शाम चार बजे आयोग कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने यह सम्मन उनके खिलाफ पहुंची शिकायत के बाद की गयी है। मामला नवाटोली बाढू की वन विभाग तथा गैरमजरुआ जमीन की गलत जमाबंदी को रद्द कराने का है। इसको लेकर रांची यूनिवर्सिटी विस्थापन विरोधी समिति नवाटोली बाढू के अध्यक्ष और सिंगबोंगा जतरा समिति नवाटोली पिठौरिया के अध्यक्ष अशोक उरांव ने राष्ट्रीय जनजाति आयोग दिल्ली को कांके अंचल द्वारा गलत जमाबंदी की शिकायत दर्ज करायी थी। इसके बाद राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने कांके अंचलाधिकारी को समन जारी कर जमाबंदी रद्द करने का आदेश दिया था। अशोक उरांव ने बताया कि इस पूरे आंदोलन के अगुआ, संरक्षक और पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की ने वन पदाधिकारियों और कांके अंचलाधिकारी से बातचीत की थी। रतन तिर्की के सुझाव पर गांव समाज ने अवैध जमाबंदी की शिकायत राष्ट्रीय जनजाति आयोग की। 12 अवैध जमाबंदी को रद्द कर दिया गया है। रतन तिर्की ने बताया कि वन अधिकारियों ने भी कांके अंचलाधिकारी को पत्र लिख कर वन क्षेत्र पर किसी भी प्रकार के दखलंदाजी और कब्जे से इनकार कर दिया था। अशोक उरांव मंगलवार को राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के बुलावे पर दिल्ली चले गये, जहां वे आयोग के सदस्य अनंत नायक के साथ समस्या पर बातचीत करेंगे।

कृष्णा नगर कॉलोनी में श्री गुरु तेग बहादुर का शहीदी गुरुपर्व मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब, कृष्णा नगर कॉलोनी में हिंद की चादर सिख धर्म के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब का 347वां शहीदी गुरुपर्व मनाया गया। इस मौके पर दिन के तीन बजे से शाम छह बजे तक विशेष दीवान सजाया गया। दीवान की शुरुआत समूह साथ संगत द्वारा श्री सुखमनी साहिब के सामूहिक पाठ से हुई। तत्पश्चात हजूरी रागी जत्था भाई भरपूर सिंह एवं साथियों ने तिलक जंजु राखा प्रभ ता का किनो बडो कलु मह साका... एवं हर को नाम सदा सुखदायी जा कऊ सिमर अजामल उधरिउ गनिका हू गत पाई... तथा साधो मन का मान तियागो काम क्रोध संगत दुरजन की ता ते अहनिसि भागो... शबद गायन कर साध संगत को निहाल किया।

अरदास, हुकुमनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ विशेष दीवान की समाप्ति शाम छह बजे हुई। इसके उपरांत कमिटी द्वारा साध संगत के लिए चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया। सजाये गये विशेष दीवान में प्रकाश गिरधर, गिरीश मिढ़ा, हरजीत बेदी, जग्गी मुंजाल, बबली दुआ, विशनी देवी, आरती खत्री, सीमा मिढ़ा, सांची मिढ़ा, सुमन किंगर, योगिता किंगर, चांद नागपाल, रमेश गिरधर, कृष्णा देवी, उषा झंडई, मुस्कान, सुनीता गिरधर, अंकिता गिरधर, माहिरा गिरधर, पूनम मिढ़ा उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास सचिव का निर्देश, योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए क्षेत्र भ्रमण करें अफसर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास सचिव प्रशांत कुमार ने कहा कि राज्य भर में ग्रामीण विकास विभाग की कई विकास और कल्याणकारी योजनाएं चल रही है। जिलों में इन सभी योजनाओं को धरातल पर उतारने में उपायुक्तों एवं विकास आयुक्तों का अहम रोल है। लोगों को इन योजनाओं का लाभ कैसे मिले, इसमें आपको पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना है। प्रशांत कुमार ने मंगलवार को विभाग के अनुसमर्थन मिशन दल के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास को गति देने के साथ सरकार की योजनाओं को उन लोगों तक पहुंचायें जिनके लिए इन योजनाओं को बनाया गया है। अनुसमर्थन मिशन दल के सदस्य क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन और उसकी गति का नियमित निरीक्षण करें।

कुछ क्षेत्रों में अच्छी उपलब्धि तो कुछ में गति देने की जरूरत : सचिव ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में विभिन्न जिलों ने अच्छी उपलब्धि हासिल की है तो इसमें कई जिले पीछे भी है। ऐसे में जहां विकास की गति धीमी है, उसे तेज करने के लिए सभी ठोस कदम उठाये जाने चाहिये। सचिव कहा कि जिलों के सामने कई चुनौतियां होती है।

मनरेगा के सभी कार्य समय पर पूरा करें : समीक्षा बैठक में सचिव ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि मनरेगा के तहत सभी कार्यों को ससमय पूर्ण कराया जाना चाहिए। मनरेगा के तहत संचालित कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, राम कुमार सिन्हा, शैल प्रभा कुजूर, अरुण कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, चंद्रभूषण और अरुण कुमार सिन्हा आदि मौजूद थे।

कांग्रेस के तीनों विधायकों का 10 माइल चौक में किया गया स्वागत

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के 10 माइल चौक में मंगलवार को जामताड़ा विधायक डॉ इरफान अंसारी, खिजरी विधायक राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगड़ी का कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के महासचिव जफर इमाम के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जफर इमाम ने पिछले दिनों खूंटी जिला के तोरपा थाना क्षेत्र के रोड़ो गांव में प्रतिबंधित मांस का कारोबार करने के आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस द्वारा की गयी छापामारी और बुजुर्ग की मौत के बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खूंटी पुलिस भेदभाव का रवैया अपना कर इस तरह की कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि आरोपी इजहार कोई दहशतगर्द नहीं था, जो पुलिस आधीरात को इस तरह की छापा मार कार्रवाई करे। सिर्फ मुस्लिम नाम होने के कारण पुलिस ने इस तरह की करवाई की है। जफर इमाम ने विधायकों से मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मोकदमा दर्ज हो। जफर इमाम ने बताया कि मोमिन कॉन्फ्रेंस मामले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ेगी। मौके पर रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के कोषाध्यक्ष अख़्तर हुसैन, मुख्तार खान, अब्दुल माजिद, शाहनवाज खान, साबिर अंसारी, मुन्ना एक्का, विजय तिर्की, अब्दुल वकील अंसारी, नसीर खान, फैजान अख़्तर, आरिफ अंसारी, जमील अख़्तर, प्रेम तिर्की, जावेद अंसारी, सईद अंसारी, रब्बानी अंसारी, रिजवान अंसारी, नसीम खान, काजिम खान, जुबेर अंसारी, नसीम अंसारी, रज्जाक अंसारी, चाडू महतो, ल्लकु राम, मनोज साहू उपस्थित थे।

भरतनाट्यम नृत्य कार्यशाला का समापन

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय, रांची के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय भरतनाट्यम नृत्य कार्यशाला का समापन समारोह प्रारंभम का आयोजन अपराह्न तीन बजे से संध्या 4 बजे तक किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, प्रो (डॉ) अजीत कुमार सिन्हा के साथ रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ आशीष कुमार झा, उप-निदेशक, सीवीएस, डॉ स्मृति सिंह, निदेशक, आईक्यूएसी प्रो (डॉ) गौरी शंकर झा, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग प्रो (डॉ) सुदेश कुमार साहु आदि उपस्थित थे। आशवी डायग्नोस्टिक्स, बरियातू के आर्थिक सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की प्रशिक्षक मौमिता चटर्जी, अध्यक्ष, उदोक परफोर्मिंग आर्ट्स, सेंटर फॉर डांस, कोलकाता एवं सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) ने भी इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभाग की समन्वयक डॉ नियति कल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक एवं कार्यशाला के संयोजक सुजीत कुमार शर्मा ने दिया। विभाग के अन्य शिक्षक मनीष कुमार एवं विपुल नायक ने छात्रों के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यशाला के आयोजन में डॉ स्मृति सिंह, उप निदेशक, सीवीएस, एवं डॉ नियति कल्प समन्वयक, परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग, रांची विश्वविद्यालय का सहयोग रहा।

फ्लोरेंस कुजूर, शामिउल्ला खान और विनोद टोप्पो को लोक सेवा समिति ने दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड अल्पसंख्यक माध्यमिक शिक्षा संघ कार्यकारिणी कमेटी का गठन राज्यस्तरीय महाधिवेशन में किया गया। इसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष फादर फ्लोरेंस कुजूर, उपाध्यक्ष मोहम्मद शामिउल्ला खान एवं फादर विनोद टोप्पो आदि को बनाये जाने पर लोक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं सभी सदस्य ने बधाई देते हुए यह उम्मीद जाहिर की कि शिक्षा में गुणवत्ता और पढ़ाई का स्तर में सुधार होगा। साथ ही शिक्षकों के सुविधा पर कार्य करेंगे।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में एनसीसी कैंप का एडीजी ने किया निरीक्षण

रांची (आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय में चल रहे 22 झारखंड बटालियन एनसीसी के आठ दिवसीय शिविर के पांचवे दिन बिहार एंड झारखंड के एनसीसी एडीजी मेजर जनरल ए एस बजाज ने कैंप का जायजा लिया। प्रशिक्षण के दौरान 0.22 राइफल फायरिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एवं चलनेवाले लीडरशिप क्लासेस के साक्षी बने। कैडेट्स को संबोधित करते हुए मेजर जनरल ने उनका मनोबल बढ़ाया और अपने अनुभवों से प्रेरित किया। साथ ही कर्नल हरमीत सिंह ओर उनके पूरी टीम के साथ विश्वविद्यालय प्रबंधन का हौसला बढ़ाया।

कोकर पासवान कल्याण समिति की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। कोकर पासवान कल्याण समिति के अध्यक्ष राजू राम की अध्यक्षता में सागर पासवान के आवास में स्थानीय मेयर पद के चुनाव रोस्टर के तहत चुनाव आयोग द्वारा जारी आरक्षण प्रणाली को स्वागत किया गया। इस बैठक में रंजन पासवान, सागर पासवान, छोटू पासवान, बबलू पासवान, सूरज कुमार पासवान, दिपक पासवान, विनोद राजन, पप्पू पासवान, आदि पासवान कल्याण समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाबा रामदेव का पुतला दहन किया

रांची (आजाद सिपाही)। इन दिनों योग गुरु बाबा रामदेव के बयान पर झारखंड में बवाल मचा है। प्रदेश युवा कांग्रेस के नेतृत्व में दो जगहों में पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। पहला प्रर्दशन नामकोम स्थित आचार्यकुलम गेट के समीप रामदेव बाबा का पुतला फूंका और दूसरा प्रदर्शन अलबर्ट एक्का चौक में पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुमार सन्नी ने कहा कि रामदेव बाबा ने महिलाओ के प्रति जो बयान दिया है। उसकी घोर निंदा करते है। रामदेव बाबा ने नारी शक्ति को कमजोर करने का प्रयास किया है। उनके इस तरह के बयान से देश की सभी महिला अक्रोश में है। प्रदेश उपाध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि बाबा रामदेव ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस के सामने महिलाओं के कपड़ों को लेकर ऐसी टिप्पणी कर दी है, जिसे सुन कर अमृता फडणवीस भी दंग रह गयी। योग गुरु के महिलाओं के पोशाक के ऊपर विवादास्पद टिप्पणी बिल्कुल अभद्रता है। बाबा रामदेव के उपरोक्त बयान विवादित है। इसी क्रम में कांग्रेस के द्वारा जगह-जगह पुतला दहन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार रवि ने कहा की योग गुरु बाबा रामदेव योग गुरु कहलाने के लायक नहीं है। इनका पतंजलि का सारा प्रोडक्ट को बैन करना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव अंशु तिवारी, जिला उपाध्यक्ष शिल्पी वर्मा, रोहित सिन्हा, हटिया विधानसभा उपाध्यक्ष अंकित सिंह, रांची विधानसभा अध्यक्ष गौरव सिंह, प्रदेश सचिव शादाब खान, रांची महानगर जिला उपाध्यक्ष विक्की ठाकुर, रांची विधानसभा उपाध्यक्ष दीपक साव, अब्दुल रहमान, मोहसिन खान, लालपुर प्रखंड से रविंदर, किशोरगंज प्रखंड से निहाल, बिश्वजीत घोष सहित कई कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे।

आमया संगठन की मांगें नहीं पूरी हुई, तो 29 दिसंबर से राज्यभर में होगा आंदोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के 48 लाख मुसलमानों के साथ हो रहे भेदभाव, उपेक्षा और अन्याय के खिलाफ आमया संगठन ने राजभवन के समक्ष मंगलवार को चौपाल लगाया। इस चौपाल में उर्दू शिक्षकों की बहाली, मदरसा बोर्ड का गठन, आलिम एवं फाजिल की परीक्षा रांची विश्वविद्यालय से कराने, 15 सूत्री कमेटी, वक्फ बोर्ड, अल्पसंख्यक आयोग, उर्दू एकेडमी आदि के गठन की मांग की गयी। कहा गया कि अगर सरकार 29 दिसंबर तक मांगों को पूरी नहीं करती है तो आमया राज्यभर में आंदोलन करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एस अली ने कहा कि मांगें महागठबंधन सरकार के समक्ष रखी जा चुकी हैं, लेकिन सरकार ने कार्रवाई करने के बजाय मांगों को दरकिनार कर दिया है। मॉब लिचिंग पर भी सरकार ने अब तक कानून नहीं बनाया है, जबकि कई बार आश्वासन दिया गया है। चौपाल के पास पांच सदस्यीय कमेटी ने मुख्यमंत्री के नाम उनके ओएसडी को 17 सूत्री मांग पत्र सौंपा। चौपाल में अंजुमन इस्लामिया रांची के महासचिव डॉ तारीक हुसैन, अंजुमन इस्लामिया करमकूली के सदर शमसुल हक, जमीयतुल मोमिनीन चौरासी के इमरान अंसारी, कोयलवरी मजदूर संघ के इकबाल अंसारी, झारखंड आंदोलनकारी शम्स कमर के अलावा चौपाल में साहिबगंज के शेख रशीद, गिरिडीह के ऐनाम अंसारी, रामगढ़ के जुलफेकार खान, हाजारीबाग के सोनू इराकी, लोहरदगा के गाजी सलाउद्दीन, रांची सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अकील उर रहमान, बुड़मू अंजुमन के सेक्रेटरी तसलीम अंसारी, पूर्व उप प्रमुख मुतजिर रजा, अंजुमन रातू के उपाध्यक्ष अंजुमन खान, अनिसुर रहमान, नौशाद आलम, मदरसा शिक्षक संघ के फजलूल कदीर, औरंगजेब मौजूद थे।

शी चिनफिंग के खिलाफ नारे

चीन के तमाम बड़े शहरों में जिस तरह से लोग सरकार की जीरो-कोविड पॉलिसी के खिलाफ सड़कों पर उतर आये हैं, उससे इस पॉलिसी के साथ-साथ चीनी नेतृत्व और वहां की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए हैं। यह देखना होगा कि चीन सरकार विरोध की इस नई लहर से कैसे निपटती है, जबकि 1989 में थ्येनआन मन स्क्वेयर पर असंतुष्ट स्टूडेंट्स के जमावड़े से निपटने के लिए कम्युनिस्ट सरकार ने टैंक तैनात किये थे। तब हजारों स्टूडेंट्स मारे गये थे। इस बार भी मामला गंभीर है। जीरो कोविड पॉलिसी से चीनी नागरिकों में असंतोष की खबरें पहले से आ रही हैं। छिटपुट विरोध भी इस बीच होते रहे हैं। बावजूद इसके सरकार ने इस पॉलिसी में किसी तरह के बदलाव का कोई संकेत नहीं दिया। हालांकि दुनिया के अन्य देशों का इस महामारी से जूझने का अनुभव थोड़ा अलग है, जिसके परिणाम भी पॉजिटिव रहे हैं। पूरी दुनिया अब इससे उबरती दिख रही है। कतर में फुटबॉल वर्ल्डकप में बहुत कम लोग मास्क में दिख रहे हैं। भारत में तो रोजाना नए केसों की संख्या 500-600 के आसपास आ गयी है, लेकिन जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों में जहां रोजाना के केसों की संख्या 25-30 हजार के बीच है, वहां भी इसका हौवा नहीं बनाया जा रहा। नतीजा यह कि वहां जनजीवन सामान्य हुआ और लोग कोरोना के साथ जीना सीख रहे हैं। लेकिन चीन में शी चिनफिंग सरकार ने जीरो कोविड पॉलिसी को अपनी नाक का सवाल बना लिया है। पिछले दिनों हुए महत्वपूर्ण पार्टी कांग्रेस में भी राष्ट्रपति ने इस पॉलिसी के कसीदे पढ़े। वैसे यह बात सही है कि चीन में कोरोना से मौत की संख्या कम रही है। जहां अमेरिका जैसे देशों में लाखों लोग मारे गए, वहां चीन में इससे मरने वालों की संख्या 5200 ही बताई जाती है। लेकिन सच यह भी है कि वायरस का जोर वहां कम नहीं हुआ है, बल्कि नए केसों की संख्या रेकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई है। साफ है कि एक तो चीन में नैचरल इम्यूनिटी डिवेलप नहीं हुई और दूसरे लगातार लॉकडाउन ने इकॉनमिक ग्रोथ पर बुरा असर डाला। आइएमएफ ने 2023 की चीन की विकास दर 4.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले चार दशकों में उसकी औसत ग्रोथ 10 फीसदी रही है। ध्यान रहे, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अपनी मजबूती का एक बड़ा आधार तेज ग्रोथ को मानती आयी है। उसकी यह सोच रही है कि लोग समृद्ध होंगे तो लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग नहीं करेंगे। लेकिन अभी जो प्रदर्शन हो रहे हैं, उसमें कम्युनिस्ट पार्टी और उसके मौजूदा नेता शी चिनफिंग दोनों को सत्ता से हटाने की मांग उनकी जबान पर आ गयी है। यह बात इसलिए खास अर्थ रखती है कि शी को कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास में सर्वाधिक शक्तिशाली नेताओं में शामिल किया जाता है।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अपनी मजबूती का एक बड़ा आधार तेज ग्रोथ को मानती आयी है। उसकी यह सोच रही है कि लोग समृद्ध होंगे तो लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग नहीं करेंगे। लेकिन अभी जो प्रदर्शन हो रहे हैं, उसमें कम्युनिस्ट पार्टी और उसके मौजूदा नेता शी चिनफिंग दोनों को सत्ता से हटाने की मांग उनकी जबान पर आ गयी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत में डेयरी क्षेत्र बड़े पैमाने पर सहकारी संरचना के तहत संगठित है और सहकारी समितियों ने डेयरी किसानों के मोल-भाव की ताकत बढ़ाने और अपने-अपने क्षेत्रों में दूध खरीद तथा दूध बिक्री की कीमत को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। चावल और गेहूं जैसी फसलों के परिदृश्य के विपरीत, सरकार डेयरी उत्पादों की कीमतों को निर्धारित नहीं करती है और दूध की खरीद में शामिल नहीं होती है।

भारत डेयरी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार

पुरशोत्तम रुपाला

देश ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया। यह अवसर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिवंगत डॉ वर्गीज कुरियन की 101वीं जयंती को रेखांकित करता है, जिन्हें भारत की 'श्वेत क्रांति' का सूत्रपात करने का श्रेय दिया जाता है। भारत के डेयरी क्षेत्र में विकास और उन्नति कई मायनों में, वैश्विक मानचित्र पर देश के सम्मान और प्रभाव के रेखा-चित्र का प्रतीक रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, देश के दूध उत्पादन में 44 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी है और वर्ष 2020-2021 में, हमने 210 एमटी दूध का उत्पादन किया, जो दुनिया के कुल दूध उत्पादन का 23 प्रतिशत है। भारत की प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2020-21 में 427 ग्राम प्रति दिन रही, जबकि इसी अवधि के दौरान विश्व औसत 394 ग्राम प्रति दिन था।

भारत में डेयरी क्षेत्र बड़े पैमाने पर सहकारी संरचना के तहत संगठित है और सहकारी समितियों ने डेयरी किसानों के मोल-भाव की ताकत बढ़ाने और अपने-अपने क्षेत्रों में दूध खरीद तथा दूध बिक्री की कीमत को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। चावल और गेहूं जैसी फसलों के परिदृश्य के विपरीत, सरकार डेयरी उत्पादों की कीमतों को निर्धारित नहीं करती है और दूध की खरीद में शामिल नहीं होती है। इससे डेयरी सहकारी समितियों की स्वायत्तता को बढ़ावा मिला है और वे बाजार उन्मुख होने के लिए प्रोत्साहित हुई हैं। वास्तव में, देश की कुछ प्रमुख डेयरी सहकारी समितियों ने प्रदर्शन और लाभ, दोनों में निजी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। भारत की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल, देश में सहकारी प्रारूप की शक्ति और सफलता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।अब जब हम वैश्विक महामारी से उबर रहे हैं, तो लॉकडाउन अवधि के दौरान और उसके बाद डेयरी किसानों की सहायता के लिए, सरकार और डेयरी सहकारी समितियों द्वारा निभायी गयी भूमिका पर प्रकाश डालना उचित होगा। महामारी के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में वृद्धि जारी रही, क्योंकि इसने किसानों के अतिरिक्त दूध की खरीद की, जो अन्यथा निजी और असंगठित क्षेत्र के व्यवसायियों को बेचा जाता था।

वर्तमान में दुनिया भर में 75 से अधिक ऐसे देश हैं, जहां दूध की कमी है।

2020-21 के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। सहायता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने मौजूदा केंद्रीय क्षेत्र की योजना- डेयरी कार्यों से जुड़े डेयरी सहकारी समिति और किसान उत्पादक संगठन (एसडीसीएफपीओ) योजना के तहत कार्यशील पूंजी ऋण पर ब्याज में छूट घटक लॉन्च किया। इस तरह के उपायों से हमारे डेयरी उद्योग को पिछले दो वर्षों में सक्षम बने रहने में मदद मिली है।

प्रौद्योगिकी की बढ़ती क्षमता का लाभ उठाने के क्रम में, पशुधन प्रबंधन को आसान बनाने और इसकी दक्षता बढ़ाने के लिए ई-गोपाला नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु आधार, पशु पोषण, संजातीय-पशु चिकित्सा दवाएं (इवीएम), पशु प्रजनन संबंधी सेवाओं और सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, इ-गोपाला ऐप डेयरी पशुओं, गोजातीय वीर्य, भ्रूण आदि की खरीद और बिक्री के लिए भी एक मंच प्रदान करता है। इस कार्य के पूरक के रूप में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा डेयरी किसानों की सहायता के लिए 'पशु मित्र' नामक एक हेल्पलाइन स्थापित की गयी है, जो किसानों को पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा सीधे जवाब प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा। यह देखते हुए कि वर्ष 2025 तक भारत का दूध उत्पादन 270 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तक पहुंच जाने की उम्मीद है, व्यापारिक निगमों को प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत होगी और यह डेयरी क्षेत्र के भीतर 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की क्षमता प्रदान करता है। डेयरी क्षेत्र में मोटे तौर पर बुनियादी ढांचे में पैमाने की दृष्टि से 120-130 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की कमी है। यह कमी अगले 9-12 वर्षों में निवेश पर 17-20 प्रतिशत के अपेक्षित लाभ के साथ लगभग 2.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावनाएं खोलती है। निर्यात बाजार में हमारी बढ़ती उपस्थिति डेयरी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का एक और प्रेरक है। उदाहरण के लिए, एचएस कोड 0406 के तहत भारत का पनीर निर्यात 2015-2020 की अवधि के दौरान 16 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। जिन प्रमुख देशों को पनीर का निर्यात किया गया उनमें संयुक्त अरब अमीरात, भूटान और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे।

वर्तमान में दुनिया भर में 75 से अधिक ऐसे देश हैं, जहां दूध की कमी है। इनमें से अधिकांश देश एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के हैं। यह भारत के लिए नये बाजारों में पैठ बनाने का एक बढ़िया अवसर प्रदान करता है। इसके लिए, राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन जैसी हालिया पहल पता लगाने की क्षमता (ट्रेसबिलिटी) संबंधी मानकों को बेहतर करने की दिशा में एक लंबा सफर तय करेगी और भारतीय कंपनियों को आयात करने वाले देशों द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में सक्षम बनायेगी।

डेयरी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने डेयरी निवेश त्वरक की स्थापना की है, जिसके तहत गेट्स फाउंडेशन और इन्वेस्ट इंडिया जैसी संस्थाएं निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोग करेंगी। इसमें समस्या समाधान, निवेश सुविधा, निर्यात रणनीति में सहायता, बाजार अनुसंधान, स्थान मूल्यांकन आदि जैसे पहलू शामिल होंगे। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि डेयरी क्षेत्र ने फसलें खराब हो जाने की स्थिति में पारंपरिक किसानों को आय का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान किया है।

वर्तमान सरकार के प्रयास डेयरी उद्योग को असंगठित से संगठित क्षेत्र में बदलने पर केंद्रित हैं, जिसका अंतिम लक्ष्य किसानों की आय में वृद्धि करना और मूल्य श्रृंखला में रोजगार का सृजन करना है। पशुपालन अवसंरचना विकास कोष, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुपालन ग्रैंड स्टार्ट-अप चैलेंज, और पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड सुविधाओं के विस्तार जैसी हालिया योजनाओं से हमारे डेयरी क्षेत्र में बेहतर मानकों और नवाचारों की शुरुआत होगी। इस प्रकार, डॉ कुरियन की 101वीं जयंती के अवसर पर हमें यह विश्वास है कि भारत आने वाले समय में डेयरी उत्पादों के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

(लेखक : केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

ग्रामीण क्षेत्र में आजसू पार्टी ने महिला समिति का किया गठन

मुखी उरांव अध्यक्ष और तारा गोप सचिव मनोनीत

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। ईचागढ़ में लेपाटांड पंचायत के भांगा बांध चौक स्थित हाटतोला प्रांगण में आजसू पार्टी की एक बैठक आयोजित की गई। मंगलवार को आयोजित बैठक में सभी के सहमति से पार्टी की अनुषंगी इकाई अखिल झारखंड महिला संघ का पंचायत कमेटी की गठन की गई। बैठक के दौरान सभी के सहमति से लेपाटांड पंचायत के मुखी उरांव को अध्यक्ष एवं तारा गोप को सचिव पद पर मनोनीत किया गया। इसके अलावा कार्यकारी अध्यक्ष चंदना लायेक, उपाध्यक्ष कल्याणी गोप, सह सचिव प्रमिला प्रमाणिक, कोषाध्यक्ष गुड़िया उरांव, सह

कोषाध्यक्ष भारती देवी एवं कार्यकारी सदस्य रेवती गोप को बनाया गया। मौके पर आजसू पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष गुरुपद सोरेन, ईचागढ़ प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो, जिला उपाध्यक्ष जितुराम महतो, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष तपन उरांव, शरत महतो,रामसाई उरांव, अशोक लायेक, तपन उरांव के आलावे सैकड़ो ग्रामीण शामिल रहे।

आनंद मार्ग और पूर्णिमा नेत्रालय ने मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से गदरा शिव मंदिर के पास मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 30 से ज्यादा लोगों के आंखों का जांच कर 8 मोतियाबिंद रोगियों का चयन किया गया। मंगलवार को पूर्णिमा नेत्रालय में निशुल्क ऑपरेशन के बाद लेंस लगाकर दवा ,चश्मा देकर सभी को उनके घर तक पहुंचाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों के बीच लगभग 20 आंवला का पौधा वितरित किया गया।

कोल्हान विश्वविद्यालय का दो दिवसीय इंटर कॉलेज बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न

महिला वर्ग में पीजी डिपार्टमेंट केयू और पुरुष वर्ग में जीसी जैन कॉलेज की टीम विजेता

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को कोल्हान विश्विद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन हुआ। आज महिला वर्ग के फाइनल मैच में पीजी डिपार्टमेंट कोल्हान विश्विद्यालय (केयू) की टीम विजय रही तथा टाटा कॉलेज चाईबासा की महिला टीम उप विजेता रही। पुरुष वर्ग में ज्ञानचन्द (जीसी) जैन कॉमर्स कॉलेज की टीम करीम सिटी कॉलेज जमशेदपुर को हरा कर विजेता बनी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ नीतीश सिंह उपस्थित थे। उन्होंने सभी सफल टीमों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देना चाहिए। केवल खेल ही नहीं पढ़ाई भी, और केवल पढ़ाई नहीं खेल पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोल्हान विश्विद्यालय के कुलसचिव प्रो जयंत शेखर ने कहा कि खेल हमेशा सद्भावना पूर्वक खेलना चाहिए। जाति, धर्म से ऊपर उठकर खेल की भावना होनी चाहिए। कार्यक्रम में कोल्हान विश्विद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ प्रभात कुमार पाणि, कोल्हान विश्विद्यालय के वितीय सलाहकार रमेश वर्मा, कोल्हान विश्विद्यालय के छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर एस सी दाश, बैडमिंटन असोसिएशन के सचिव अशोक जोशी, कोल्हान विश्विद्यालय के खेल अधिकारी मनमंत नारायण सिंह, समाज सेवी सुरेश कुमार सिंह,कोल्हान विश्विद्यालय के एन एस एस कोडिनेटर दारा सिंह गुप्ता, ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज के प्रोफेसर डॉ मुरारी लाल बैध, प्रोफेसर बसन्ती कलुंडिया, प्रोफेसर मुकुल मुंडा, प्रोफेसर स्वाति राजा, प्रोफेसर पूजा साहू, प्रोफेसर लक्ष्मी बोदरा, प्रोफेसर जी वी आर आर शाश्त्री, चंद्रमोहन संवाइयां, भगवान कलुण्डिया, युवराज कालंदी, राहुल अग्रवाल, और महाविद्यालय के बहुत से छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मध्य बागबेड़ा पंचायत में डिस्पेंसरी मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास

जिला परिषद चेयरमैन ने कहा: महिलाओं की शिकायत सुनने के लिए टीम का गठन होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर की मध्य बागबेड़ा पंचायत में मंगलवार को जिला परिषद पूर्वी सिंहभूम के 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत 4 लाख 20 हजार 700 की प्राक्कलित राशि से डिस्पेंसरी मैदान के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। सर्वप्रथम स्थानीय पार्षद डॉ कविता परमार ने सभी का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में अपनी योजनाओं और आने वाले समय में उसके क्रियान्वयन के विषय में सभी पंचायत से आए हुए प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा दिए गए योजना में सभी पंचायत के 10 योजनाओं को समाहित किया गया था लेकिन जिला परिषद द्वारा सिर्फ एक योजना को स्वीकृत करते हुए आज के काम का शिलान्यास किया गया। स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, स्वच्छता इस चार गंभीर विषयों को ध्यान में रखते हुए सांसद और विधायक के साथ साथ जिला परिषद अध्यक्ष से सहयोग की मांग की। अपने संबोधन में चेयरमैन बारी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए उनकी सुरक्षा के लिए और क्षेत्र के विकास के लिए जो कुछ भी संभव हो सकेगा हम करने की पूरी कोशिश करेंगे। खासकर महिलाओं के लिए उन्होंने कहा कि थाना में उनकी सुनवाई हो इसके लिए महिला की टीम गठित करके और विशेषकर थाना में महिला कांस्टेबल जो महिलाओं की बातों को सुने इसके लिए हम लोग शहर के सीनियर एसपी से भी बात करेंगे। इस अवसर पर आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह और तमाम जनप्रतिनिधि व मुखिया उपस्थित थे। कन्हैया सिंह ने कहा कि पंचायती क्षेत्र में सर्वाधिक जनता के नजदीक वार्ड सदस्य होते हैं और उन वार्ड सदस्यों को जनता की समस्याएं और उसके निदान के लिए मुखिया, पंचायत समिति, जिला परिषद से समंवय बनाकर और उन लोगों तक अपनी बात पहुंचा कर विकास का सुंदर काम किया जा सकता है। मगर हकीकत यह है कि ग्राम सभा चुपके चुपके होती है और गांव वालों को पता भी नहीं चलता है पंचायती राज व्यवस्था पर ठेकेदारी सिस्टम हावी है और यही वजह है कि काम सही तरीके से नहीं हो पाता।

भाई की साली को भगा ले जाने वाले को 25 साल का सश्रम कारावास, 35 हजार का जुर्माना भी लगा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के ग्रामीण इलाका जादूगोड़ा थाना क्षेत्र की हुड़कू गांव की रहने वाली 15 वर्षीया नाबालिग की शादी के नीयत भगा ले जाने वाला जीजा के भाई सूरज पात्रो ईचड़ा गांव थाना जादूगोड़ा को अदालत ने मंगलवार को पोस्को की धारा 6 के तहत 25 साल का सश्रम कारावास की सजा दी हैं। अदालत ने सूरज पर 30 हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया हैं। जुर्माना नहीं देने पर अलग से तीन साल का सजा भुगतने का आदेश दिया हैं जबकि अदालत ने धारा 366 ए (अपहरण) में 5 साल 5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया हैं। जुर्माना नहीं देने पर तीन माह का अतिरिक्त सजा भुगतने होंगे, सभी सजाए साथ-साथ चलेगी। नाबालिग को भगाने में सहयोग करने वाला सूरज के साथी पोटका के कालिकापुर के रहने वाला अभिराम पात्रो को अदालत ने साक्ष्य के अभाव मे बरी कर दिया था। इस मामले की सुनवाई जमशेदपुर कोर्ट के एडीजे-1 संजय कुमार उपाध्याय की अदालत कर रही हैं। अपर लोक अभियोजक राजीव कुमार ने बताया कि इस मामले में कुल 10 लोगों की गवाही हुई थी। इस मामले नाबालिग के परिवार वाले जादूगोड़ा थाने में सूरज और उसके साथी अभिराम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमे बताया गया था कि नाबालिग के बड़े भाई साली हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

झारखंड सेक्टर के महानिरीक्षक अमित कुमार ने भंडरिया प्रखंड के सीआरपीएफ कैंपों किया निरीक्षण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भा.पु.से. महानिरीक्षक सीआरपीएफ झारखण्ड सेक्टर के अमित कुमार ने भंडरिया प्रखंड के सीआरपीएफ कैंप पुंदाग, बेहराटोली, हेसातु और कुल्ही का किया निरीक्षण। इस दौरान इन्होंने 172 बटालियन सी०आर.पी०एफ के अतिरिक्त, 62 बटालियन सी०आर०पी०एफ० की कंपनी 203 कोबरा की टीमों, छत्तीसगढ़ तथा झारखण्ड पुलिस बल के जवानों और अधिकारियों को बूढ़ा पहाड़ अभियान की सफलता पर बधाई दी। इन सभी कैंपों में उन्होंने परिचालनिक/ प्रशासनिक व्यवस्था का निरीक्षण किया और व्यवस्था की सराहना की। विजिट के दौरान आशीष कुमार झा कमान्डेंट 172 बटा. सी.आर.पी.एफ. नृपेन्द्र कुमार सिंह, कमान्डेंट, सी.आर.पी.एफ., अंजनी कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गढ़वा, अमरेन्द्र कुमार सिंह द्वितीय कमान अधिकारी, विवेकानन्द अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) गढ़वा, सुशील पाण्डेय द्वितीय कमान अधिकारी, ईमानुअल बास्की द्वितीय कमान अधिकारी के अतिरिक्त और अधिकारी तथा कार्मिक शामिल रहे।

झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता की टीम गठन के लिए ट्रायल 2 दिसंबर को

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड फुटबॉल संघ के द्वारा दिसंबर 2022 में आयोजित होने वाले झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए गढ़वा जिला फुटबॉल टीम का गठन करना है झारखंड फुटबॉल संघ के द्वारा अभी तारीख की घोषणा नहीं की गई है, मगर टीम तैयार करने की सूचना प्राप्त है। इसके लिए 2 दिसंबर 2022 को रामा साहू स्टेडियम में एक दिन का ट्रायल रखा गया है। जिसमें जिले के सभी फुटबॉल खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इसी ट्रायल के माध्यम से गढ़वा जिला फुटबॉल टीम का गठन किया जाएगा। सिलेक्शन ट्रायल का प्रभारी पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी अरविंद कुमार जो कि गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारी सचिव हैं और जगन्नाथ राम जो कि गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के कोषाध्यक्ष हैं, इनके साथ सदस्य के रूप में कमांडो शर्मा और नीलकंठ सिंह रहेंगे।

अमहर खास पंचायत भवन परिसर में रात्रि कृषि चौपाल का किया गया आयोजन

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत अमहर खास पंचायत भवन के परिसर में अंचलाधिकारी सुश्री निधि रजवार की अध्यक्षता में रात्रि कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में सैकड़ों किसान शामिल हुए। इस मौके पर अंचलाधिकारी निधि रजवार ने कहा कि 30 नवंबर तक सभी किसान सूखा राहत के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देश के आलोक में प्रज्ञा केंद्र से एक रुपए का टोकन देकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के बाद 29 दिसंबर तक किसानों के खाते में एकमुश्त राशि भेज दी जाएगी। किसानों को 3500 रुपए प्रति राशन कार्ड राहत के रूप में सरकार देगी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने पूर्व में फसल राहत योजना के तहत आवेदन दिया है उनको भी एक रुपए का टोकन कटवाना होगा। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के लिए हल्का कर्मचारी से सत्यापित भूमि के आधार पर ही राशि का भुगतान किया जाएगा। भूमिहीन किसान भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

गढ़वा में बम ब्लास्ट से मकान क्षतिग्रस्त, दहशत में परिवार

- दस वर्ष से जमीन को लेकर चल रहा है विवाद
- जमीन को लेकर कई बार हो चुकी है मारपीट
- मामला फिलहाल अदालत में, पुलिस मामले की कर रही है जांच

राजू सिंह

विशुनपुरा/गढ़वा। सोमवार की रात अमहर गांव निवासी बनारसी मेहता के कच्चा मकान को बम से उड़ा दिया गया। जिसमें घर का पिछला भाग काफी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना सोमवार की रात्रि लगभग एक बजे की बतायी गयी।

बनारसी मेहता के भाई बलराम मेहता ने बताया कि रात्रि में सभी परिवार घर पर सो रहे थे। तभी अचानक जोरदार आवाज हुई। उसके बाद देखा कि घर के पीछे कुछ भाग गिरा हुआ है। घटना की खबर सुन अमहर खास मुखिया ललित नारायण सिंह ने घटना स्थल पहुंच मंगलवार सुबह स्थानीय थाना को सूचना दी। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी बुद्धराम सामद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केसरी, पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की छानबिन में जुट गए हैं।

परिजनों ने बताया कि रात्रि में बम ब्लास्ट होने के बाद पूरा घर कम्पित हो गया। पूरे घर में धूल भर गया। इधर घर के बीरेंद्र मेहता की पत्नी अंजली देवी ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुआ मकान मेरे हिस्सा में है। उन्होंने बताया कि हम शादी में मैके गये हुए थे। बाकी और परिजन घर पर ही थे। बताया कि घटना से सभी परिवार दहशत में हैं। मकान के छप्पर दूर दूर बिखरे हुए थे।

मकान को विस्फोट करने के लिए लगभग 150 मीटर दूर तक तार बिछाया हुआ था। मौके पर एक झोला फेंका हुआ भी मिलने की बात बतायी जा रही है। घटना को लेकर गांव के लोग सहमे हुए हैं।

वहीं बनारसी मेहता के द्वारा घटना को लेकर थाना में दिये आवेदन में गांव के ही राम जबीत मेहता पर घटना को अंजाम देने की आशंका जतायी गयी है। उन्होंने पूर्व से चल रहे जमीन विवाद, मारपीट की घटना का जिक्र किया है।

वहीं थाना प्रभारी बुद्धराम सामद ने बताया कि इस घटना को लेकर बनारसी मेहता के द्वारा प्राप्त आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

घटना कैसे घटी इसका अनुसंधान जारी है : एसडीपीओ

बंशीधर नगर एसडीपीओ प्रमोद केशरी के द्वारा डॉग स्क्वायड टीम को बुलाया गया। घटना स्थल पर पहुंची डॉग इस्क्वॉयड टीम ने खोजी कुत्ता के सहयोग से घटना की हर जगह की बारीकी से जांच की। लेकिन खोजी कुत्ता द्वारा कोई सुराग नहीं मिल पाया। यह अवनी स्निपर डॉग स्क्वॉयड खोजी कुत्ता बम बारूद के अवशेष को खोजने के लिए एक्सपर्ट बताया गया। वहीं एसडीपीओ प्रमोद केशरी ने बताया कि यह घटना कैसे घटी इसका अनुसंधान जारी है। यह नक्सलवाद का मामला नहीं है। आपस में जमीन को लेकर घरेलू विवाद चल रहा है। इस विषय पर भी जांच की जा रही है।

सरवर डाउन रहने की वजह से नहीं हो पा रहा ई-केवाइसी

- किसान हो रहे हलकान, सीएम सुखाड़ राहत योजना के लिए 30 नवंबर तक आवेदन की है अंतिम तिथि
- ई-केवाइसी का समय नहीं बढ़ाने से सूखा राहत पाने से वंचित रह जाएंगे किसान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने वाले किसानों को एक बार फिर प्रज्ञा केंद्र से ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। इसके लिए सरकार द्वारा 30 नवंबर तक अंतिम तिथि निर्धारित किया गया है। परंतु दो दिनों से सर्वर डाउन होने की वजह से आवेदकों का ई-केवाईसी नहीं हो पा रहा है। जिससे किसान हलकान हो रहे हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना का लाभ लेने के लिए सभी आवेदकों को ईकेवाईसी कराना अनिवार्य है। इसके लिए सरकार द्वारा मात्र 3 दिन 28 से 30 नवंबर तक का तिथि निर्धारित किया गया है।

प्रज्ञा केंद्र पर उमड़ रही किसानों की भीड़ : सूखा राहत योजना का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराने की जानकारी मिलने के बाद 28 एवं 29 नवंबर के सुबह से ही सभी प्रज्ञा केंद्रों पर किसानों की भीड़ लगी रही। परंतु सर्वर डाउन होने की वजह से किसानों का ईकेवाईसी नहीं हो पा रहा है, जिसके चलते किसान हलकान हो रहे हैं।

इस संबंध में प्रज्ञा केंद्र जहीर अंसारी, शशि विश्वकर्मा, विशाल कुमार, उपेंद्र चंद्रवंशी ने बताया कि 28 तथा 29 नवंबर के सुबह में 8-10 लोगों का केवाईसी हो पाया उसके बाद पूरा दिन सरवर डाउन रहने के कारण एक भी केवाईसी नहीं हो पाया है। सरवर डाउन रहने की वजह से किसानों के साथ-साथ प्रज्ञा केंद्र संचालक भी परेशान हैं। मेराल के कृषक मित्र वीरेंद्र महतो, डॉ लाल मोहन, कमलेश कुमार मेहता, मुरली महतो आदि ने कहा कि विगत 2 दिनों से सुबह से ही प्रज्ञा केंद्रों का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण ई केवाईसी नहीं हो पा रहा है। सरकार द्वारा मात्र तीन दिन का समय निर्धारित किया गया है। किसानों ने सर्वर डाउन होने का हवाला देते हुए सरकार से ई-केवाईसी के लिए समय बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर सरकार द्वारा समय नहीं बढ़ाया गया तो किसान मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत पाने से वंचित हो जाएंगे।

पंचायत स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल बालक-बालिका प्रतियोगिता का शुभारंभ

- खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर राज्य स्तर के खिलाड़ी बन क्षेत्र का नाम रौशन करें : बीडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड के जमा दो उच्च विद्यालय कांडी के खेल मैदान में मंगलवार को पंचायत स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल बालक-बालिका प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

इस फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम दिन हरिहरपुर पंचायत तथा डूमरसोता पंचायत के बालकों के खिलाड़ियों के बीच खेला गया। इससे पूर्व कांडी बीडीओ मनोज कुमार तिवारी ने फीता काट खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए फुटबॉल पर किक मार कर प्रारंभ किया। मौके पर उपस्थित खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाने हेतु कहा कि खेल से मानसिक संतुलन बना रहता है। खिलाड़ी अच्छे खेल का प्रदर्शन कर जिला के साथ राज्य स्तर के खिलाड़ी निकलें ताकि इस क्षेत्र का नाम रोशन हो सके। खेल के बिना खेल प्रभारी द्वारा फुटबॉल का निर्धारित समय 30-30 मिनट रखा गया था। निर्धारित समय के अनुसार दोनों टीमें एक-एक गोल मारकर बराबरी पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा तत्पश्चात खेल प्रभारी तथा रेफरी के द्वारा निर्णय पर दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच-पांच मिनट का गोल्डन चांस दिया गया। जिसमें हरिहरपुर पंचायत के खिलाड़ियों ने एक गोल मारकर डूमर सोता पंचायत के खिलाड़ियों को एक गोल से पराजित किया। दूसरा मैच बुधवार को मझीगावा बनाम पतीला लमरी बनाम सरकोनी पतीला बनाम घटाहुआ कला कांडी बनाम गड़ा खुर्द पंचायत के खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा।

मौके पर दृष्टि यूथ ऑर्गेनाइजेशन के प्रधान सचिव शशांक शेखर बबलू सिंह, विकास कुमार सिंह, मुखिया ललित बैठा, राजेश शर्मा, मुखिया प्रतिनिधि रिंकू सिंह के अलावे अन्य कई लोग मौजूद थे।

माध्यमिक शिक्षकों की सेवा संपुष्टि पांच दिसंबर तक कर दी जाये : उपसचिव

- उपसचिव से मिलकर संघीय पदाधिकारियों ने माध्यमिक शिक्षकों की समस्याओं से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखण्ड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई गढ़वा के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार के नेतृत्व में संघीय पदाधिकारियों ने परिसदन गढ़वा में पहुंचकर उपसचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखण्ड सरकार ओमप्रकाश तिवारी से जिले के माध्यमिक शिक्षकों की कई समस्याओं को बिन्दुवार अवगत कराया और इनका समाधान करने का करबद्ध आग्रह किया।

जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने इस बाबत बताया कि उपसचिव महोदय ने परिसदन भवन गढ़वा में सभी संवर्ग के संघीय पदाधिकारियों एवं शिक्षा विभाग के सभी स्तर के पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से बैठक की, जिसमें माध्यमिक शिक्षक संघ की तरफ से मेरे द्वारा गढ़वा जिले के माध्यमिक शिक्षकों की कई वर्षों से लम्बित समस्याओं जैसे- नियुक्ति पत्र में कार्यालय द्वारा की गई कई त्रुटियों में सुधार, सेवा पुस्तिका का ओपेन किया जाना, सेवा संपुष्टि किया जाना, जिले के 119 टीजीटी शिक्षकों का नौ मार्च 2019 से जून 2019 तक का बकाया वेतन देने, बालिका बाहुल्य विद्यालयों में महिला शिक्षिकाओं की पदस्थापना किया जाना, वरीय शिक्षकों, लिपिकों, आदेशपालों को वरीय वेतनमान एवं प्रवरण वेतनमान प्रदान करना, जिले के पचपन सेवानिवृत शिक्षकों से राशि रिकवरी नहीं करने, नियमानुकूल छात्र शिक्षक अनुपात में युक्तिकरण विधि से माध्यमिक शिक्षकों का आवश्यकतानुसार विद्यालयों में स्थानांतरण करने, जिले के लगभग तीन सौ अतिथि शिक्षकों का लगभग चार वर्षों से लंबित बकाया मानदेय को यथाशीघ्र भुगतान करने, उच्च न्यायालय रांची के आदेशानुसार जिले के प्लस टू उच्च विद्यालयों में प्रभारी प्रधानाध्यापक का पद वरीय टीजीटी को प्रदान करने, एक ही यू-डाइस वाले विद्यालयों में एक ही वरीय टीजीटी को प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाये जाने, प्लस टू उच्च विद्यालयों में उत्क्रमित हो चुके उच्च विद्यालयों में पीजीटी शिक्षकों की व्यवस्था करने, विगत फरवरी माह में कार्यमुक्त किये गये कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में कार्यरत चौदह शिक्षिकाओं तथा लेखापालों को पुनः जांचोंपरांत सेवा में बहाल करने आदि को उपसचिव महोदय के समक्ष रखा और इसे यथाशीघ्र समाधान करने का करबद्ध आग्रह भी किया गया। ततपश्चात उपसचिव महोदय ने बैठक में उपस्थित नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पूर्ति को जिले के सभी माध्यमिक शिक्षकों की सेवासंपुष्टि पांच दिसंबर तक कर देने का एवं अन्य समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर जिलासचिव नागेंद्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार यादव, संयुक्त सचिव संतोष कुमार आदि कई शिक्षकवृंद उपस्थित थे।

गढ़वा जिला साइकिलिंग संघ आयोजन कमेटी का गठन

- 22 से 24 दिसंबर 2022 तक स्वतंत्रता सेनानी कौशल कुमार ठाकुर मेमोरियल 9वीं राज्य स्तरीय साइकिलिंग प्रतियोगिता करने का लिया गया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला साइकिलिंग संघ की बैठक उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय की अध्यक्षता में तथा उन्हीं के कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आयोजन कमेटी का गठन व प्रतियोगिता का नामकरण करना था। बैठक मैं सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रतियोगिता का नाम स्वतंत्रता सेनानी कौशल कुमार ठाकुर मेमोरियल 9वीं राज्य स्तरीय रोड साइकिल प्रतियोगिता 2022-23 होगी तथा आज की बैठक में आयोजन कमेटी का गठन किया गया जो इस प्रकार से है।

चेयरमैन राजेश कुमार राय डीडीसी गढ़वा, वाइस चेयरमैन राज महेश्वरम एसडीओ गढ़वा, उपाध्यक्ष उमेश लोहरा जिला खेल पदाधिकारी गढ़वा, मयंक भूषण अंचल अधिकारी गढ़वा, आलोक मिश्रा, उदय नारायण तिवारी, राकेश पाल, धीरज कुमार दुबे, राघवेंद्र नारायण सिंह, स्टेट कोऑर्डिनेटर शैलेंद्र कुमार पाठक, महासचिव झारखंड साइकिलिंग संघ, आयोजन सचिव अरविंद दुबे सचिव गढ़वा जिला साइकिलिंग संघ, सहायक सचिव रामप्रवेश तिवारी, चंद्र बहादुर सिंह, अरविंद कुमार, प्रभात रंजन तिवारी, किशोर कुणाल, रामा शंकर सिंह, राजेश कुमार चंद्रवंशी, सत्येंद्र प्रसाद यादव, धर्मेंद्र पाल, आशुतोष पांडे, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता गढ़वा जिला साइकिलिंग संघ कोषाध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि खेलकूद गढ़वा, सदस्य सुबोध पाठक, शिवकुमार, राजन केसरी, धनंजय पासवान, नवीन तिवारी, दिलीप गुप्ता आदि के नाम शामिल हैं। प्रतियोगिता की तिथि 22 से 24 दिसंबर 2022 निर्धारित की गयी। उक्त जानकारी गढ़वा जिला साइकिलिंग संघ सचिव अरविंद दुबे ने दी।

मंडल कारा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा मंडल कारा जेल में संविधान में प्रदत्त अधिकारों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष कमलनयन पांडे, पैनल अधिवक्ता प्रेमचंद तिवारी, दीपक कुमार सिंह, कृष्ण मुरारी तिवारी के द्वारा कारा बंदियों को उनके अधिकारों एवं मूलभूत सुविधाओं पर विधिवत रूप से कानूनी जानकारी दी गई। मंच का संचालन स्थाई लोक अदालत के सदस्य राकेश त्रिपाठी के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन कारापाल मनोज कुमार के द्वारा किया गया। मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय कर्मी आदि एवं काफी संख्या में कारा बंदी उपस्थित रहे।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, खूँटी (अभियंत्रण शाखा)

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 13/2022-23 PR No-281681 District (22-23)D के द्वारा प्रकाशित विज्ञापन को अपरिहार्य कारणवश स्थगित किया जाता है।

ह०/-
जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR.NO.283693 District(22-23):D

**झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग,
मुख्य अभियंता का कार्यालय,
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन,
कचहरी रोड, राँची**

पत्रांक– दिनांक–

आमंत्रित निविदा रद्द संबंधी सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी के निविदा आमंत्रण संख्या– **82/RI/2022-23/RWD/ KHUNTI,** दिनांक– **28.11.2022, PR NO.- 283660** द्वारा प्रकाशित निविदा के क्रमांक (1.) आईडेन्टीफिकेशन संख्या– **RWD/ KHUNTI/ 08/2022-23 दुलमी से बगोदर होते हुए माहुलडीह तक पथ निर्माण (लं– 2.200 कि0मी0)** कार्य को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

नोडल पदाधिकारी
ई–प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR 283787 Rural Work Department(22-23).D

कार्यालय जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग

आम सूचना

विषय :– मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत अर्थदण्ड जमा करने के संबंध में।

एतद् द्वारा कर्णांकित वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि प्रधान महालेखाकर कार्यालय के द्वारा लेखा परीक्षण के दौरान संदर्भ OBS-428427, जिसमें वाहनों का वर्तमान पता दर्ज करने के समय कर भुगतान के विलम्ब पर अधिरोपित दण्ड को कम माना गया है जो केन्द्रीय मोटर वाहन नियमावली 1989 के नियम 59 एवं JMVT एक्ट की धारा 5 का अवहेलना है।

अतः कर्णांकित वाहन स्वामियों को निदेश दिया जाता है कि संलग्न सूची के अनुसार अर्थदण्ड शुल्क अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में 7 दिनों के अंदर जमा करें अन्यथा उक्त वाहनों को Black List करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

DTO, Hazaribag
Short realisation of tax and penalty at the time of recording of present address

Sl No	PA Register Page	Vehicle No	DOR	RLW	Date of NOC	Period of tax	Date of payment	Leviable tax and penalty	Amount paid	Short realisation
1	336	CG04JA6425	19-12-2007	25000Kg	10-08-2017	10-8-17 to 9-2-20	21-01-2020	141112	71477	69635
2	194	UP92T5359	07-05-2014	28000Kg	23-02-2019	23-2-19 to 22-5-19	12-04-2019	8400	6750	1650
3	220	TN47AE7375	03-04-2014	25000Kg	03-11-2017	3-11-17 to 2-8-18	03-05-2018	39634	32936	6698
4	228	TN47AE7610	09-04-2014	25000	03-11-2017	3-11-17to 2-8-18	03-05-2018	39634	36172	3462
5	234	JK13D5987	27-07-2017	35200	11-10-2018	11-10-18 -to 10-7-19	05-07-2019	60843	35948	24895
6	247	TN47AH9074	04-07-2016	25000	25-10-2017	25-10-17 to 24-7-18	27-04-2018	45296	41635	3661
7	248	TN47AH8962	29-06-2016	25000	03-11-2017	3-11-17 to 2-8-18	03-05-2018	39634	36272	3362
8	249	TN07AH8942	29-06-2016	25000	03-11-2017	3-11-17 to 2-8-18	03-05-2018	39634	36272	3362
TOTAL:								414187	297462	116725

PR.NO.283733 Transport(22-23):D

जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com
08

नयी तकनीक से खूंटी कृषि, पर्यटन सहित कार्यों में कीर्तिमान स्थापित कर सकता है : उपायुक्त

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में मंगलवार को वर्ष 2047 में खूंटी कैसा हो विषयक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला प्रशासन द्वारा 2047 की योजना कों लेकर तैयार किये जानेवाली विजन डाक्यूमेंट के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही बैठक में शामिल विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों से अगले पांच साल में खूंटी कैसा हो, इस संबंध में विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर जिला प्रशासन को समर्पित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आपसे जानना चाहती है कि किस-किस क्षेत्र में आप कैसे बेहतर नये काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में टेक्नालॉजी के क्षेत्र में लगातार परिवर्तन हो रहे हैं। आइटी के माध्यम से हरेक क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित किये जा सकते हैं। आधुनिक टेक्नालॉजी को अपनाकर खूंटी में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, टूरिज्म, पशुपालन सहित अन्य सभी क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये जा सकते है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के वतर्मान दौर में सभी सरकारी विद्यालयों में लैब की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। विद्यालयों परिसर में आइटी सेंटर खोले जायेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आवश्यक है। मौके पर उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह ने कहा कि विकास के नये कार्य को संचालित करने के लिए हमेशा सकारात्क सोच की आवश्यकता होती है। सोच का कोई दायरा नहीं होता है। जहां तक सोचा जाय, वहां तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के पदाधिकारी यह सोचें कि पिछले पांच सालों के दौरान उन्होंने कौन- कौन सी उपलब्धियां प्राप्त की और उनमें कैसे सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सूचना और जानकारी के आभाव में उचित तरीके से कार्यों का निष्पादन नहीं किया जा सकता है। मौके पर परियोजना निर्देशक आइटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन सहित विभिन्न विमागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

अफीम की खेती के खिलाफ अड़की में जागरुकता अभियान

खूंटी (आजाद सिपाही)। कृषि विभाग द्वारा अड़की प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्राम बिरबांकी में मंगलवार को अफीम की खेती कें खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया। लोगों को अफीम की खेती छोड़ कर कृषि विभाग द्वारा वितरण किये जा रहे बीजों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, स्वीट कॉर्न जैसे नकदी फसलों की खेती की जानकारी भी दी गई। मौके पर उद्यान विभाग, कृषि ऋण माफी योजना, झारखंड राज्य फसल राहत योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली टपक सिंचाई योजना, 90 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को बीज प्राप्ति के लिए ब्लॉक चौन में पंजीकरण कराने आदि की जानकारी किसानों को दी गयी। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी से किसानों का रेजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन लिए गए। अफीम की खेती से किसानों को दूर करने का एक छोटा सा प्रयास जिला कृषि पदाधिकारी संतोष लकड़ा द्वारा किया गया। मौके पर बिरबांकी पंचायत की मुखिया सबिता बाखला, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद रॉय, जिला कृषि पदाधिकारी के सहयोगी मयंक कुमार, कृषक मित्र उपस्थित थे।

संविधान सप्ताह के तहत वाद विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिता

खूंटी (आजाद सिपाही)। नालसा एवं झालसा के निर्देशन के आलोक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में मंगलवार को संविधान दिवस सप्ताह के अंतर्गत जनजातीय आवासीय विद्यालय कुंदी, मुरहू में वाद विवाद प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही संवैधानिक मूल्यों पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। छात्राओं को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि हमें संवैधानिक मूल्यों को हमेशा याद रखना चाहिए और उन सभी महापुरुषों को जिसने देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका का निर्वाह किया और जिन्होंने हमे विश्व का एक अनोखा संविधान दिया, हमें उनके आदर्शों को याद रखना चाहिए। डालसा सचिव ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था। हमसब ने इसे स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस वर्ष 2015 से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मिलन कुमार दास , स्कूल की वार्डन, पारा लीगल वालंटियर शांति नाग, चंदन कुमार आदि उपस्थित थे।

बड़कीटांड़ में रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया केडीएच शाखा समिति का सम्मेलन आज

खलारी (आजाद सिपाही)। बड़कीटांड़ में रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया केडीएच शाखा समिति का सम्मेलन 30 नवंबर दिन बुधवार को सुबह 11 बजे से किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए केडीएच शाखा समिति के सदस्यों ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनके एरिया महाप्रबंधक संजय कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में केडीएच पीओ जे अब्राहाम, खलारी प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा, खलारी पश्चिमी जिप सदस्य सरस्वती देवी, खलारी पूर्वी जिप सदस्य शाल्या परवीन, विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, अमर भूषण सिंह, प्रेम कुमार, सुनिल कुमार सिंह, शैलेश कुमार, डीपी सिंह, मिथिलेश सिंह, विश्रामपुर पंचायत मुखिया दीपमाला कुमारी सहित अन्य शामिल होंगे।

कांग्रेस के तीन विधायक पहुंचे तोरपा के रोड़ो गांव

रोड़ो की घटना की सीबीआइ जांच हो : इरफान अंसारी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने रोडो की घटना को सीबीआइ जांच की मांग की है। रोड़ो की घटना को लेकर कांग्रेस कें मतीन विधायक रइरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोनगाड़ी मंगलवार को रोडो गांव पहुंचे थे। तीनों विधायकों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि खूंटी पुलिस की कार्रवाई की उच्च स्तरीय जांच की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कराने का आग्रह करेंगे। ज्ञात हो कि तोरपा थाना क्षेत्र के रोड़ो गांव में प्रतिबंधित मांस का कारोबार करने के फरार आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर तोरपा थाना पुलिस ने शनिवार को रोड़ो गांव में रेड की थी। उसी दौरान आरोपित के वृद्ध पिता की मौत हो गई थी। पुलिस का कहना था कि रेड के दौरान हार्ट अटैक से वृद्ध की मौत हो गयई ीी, जबकि स्वजनों का आरोप है कि पुलिस की धक्का मुक्की से मौत हुई थी। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार की रात एक बजे से पुलिस को बंधक बनाये रखा था। मामले को लेकर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी, राजेश कच्छप एवं नमन विक्सल कोनगाड़ी मगंलवार को रोडो गांव पहूंच पीड़ित स्वजनों से मुलाकात कर उचित कानूनी करवाई कराने का आस्वाशन दिया। मौके पर विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि शनिवार की आधी रात को किसी के घर मे छापा मारने गई पुलिस के तौर तरीके गलत थे। अगर वह आरोपित था, तो दिन में थाने में बुला लेता। एक तो बिना महिला पुलिस के घर मे घुसना और तीन दरवाजो को जबरन तोड़कर बिना वारंट के गिरफ्तार करना किस कानून में लिखा हुआ है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो समाज कहां जायेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार खूंटी पुलिस प्रतिबंधित मांस बिक्री का आरोप लगाकर इजहार अंसारी को गिरफ्तार करने के लिए रात के 12 बजे घर के दरवाजे को तोड़कर महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्ग के साथ दुर्व्यवहार, गाली गलौज एवं धक्का मुक्की करती है, धक्का मुक्की कर बुजुर्ग पिता को मार दिया जाता है, यह सरासर गलत है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इरफान ने इस मामले की सीबीआइ जांच कराने, पीड़ित स्वजन में किसी एक को सरकारी नौकरी दिलाने की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से करने की बात कही। इस दौरान जिले से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं सहित गांव के लोग मौजूद थे।

पुलिस का मनोबल तोड़ना चाहती है सरकार: विहिप

रोडो की घटना को लेकर मंगलवार को कांग्रेस के तीन विधायक गांव पहूंच पुलिस का मनोबल को तोड़ना चाह रहे हैं। ये बातें विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री वीरेंद्र सोनी ने कही। उन्होंने कहा कि रोडो में बहुत दिनों से गोवंश का अवैध धंधा चल रहा है, जिसमें इजहार अहमद उर्फ कल्लू खान संलिप्त रहा है। फिलहाल वह फरार चल रहा था, जिसे शनिवार को तोरपा पुलिस पकड़ने गयी थी। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई करती है, तो पुलिस पर ही झूठा आरोप लगाकर उनके हौसले को कमजोर करने की साजिश वर्तमान सरकार कर रही है। इसमें कई बार विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रोडो में प्रतिबंधित मांस को पकड़ा है और पुलिस को सूचना भी दी है। अगर सरकार प्रतिबंधित मांस के कारोबारी को बचाती है और पुलिस पर कारवाई करने की बाते करती है, पुलिस का मनोबल टूटेगा ही।

समाजसेवी भोला प्रसाद ने बांटा कंबल

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज क्षेत्र के लपरा नवाडीह में कंबल का वितरण किया गया। नवाडीह के समाजसेवी भोला प्रसाद साहू के द्वारा लपरा मलार टोली, नवाडीह गांव में 160 जरूरतमंद गरीब लोगों के बीच कम्बल दिया गया।मुखिया पुतुल देवी, भोला प्रसाद साहू सहित अन्य लोगों ने कम्बल बांटे। मुखिया पुतुल देवी ने कहा कि कंबल वितरण का कार्य काफी सरहानीय है। भोला

प्रसाद ने कहा कि सभी लोगो को गरीबो की मदद के लिए आगे आने की जरूरत है। खासकर इस ठंढ में गरीब और असहाय लोगो के बीच कंबल देना पुण्य का काम है।

बुंडू में बिजली को लेकर प्रदर्शन आज

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर आजसू पार्टी बुधवार को पावर हाउस बुंडू में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगी। इसी के आलोक मे आज सीताराम कमपलेकस में एक बैठक हुयी। जिसमें रूप रेखा तैयार की गयी। बैठक में आजसू प्रभारी संजय महतो, राम दुर्लभ सिंह मुंडा, सुनील कुमार जायसवाल, राज किशोर कुशवाहा, शिव नाथ तिवारी, शुभम कुमार, सुख सारण महतो, हरिहर महतो, दिलीप साहू, रमेश सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे।

खलारी में मनाया भगवान राम का विवाहोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी बाजारटांड़ में अगहन शुक्ल पक्ष पंचमी सोमवार को भगवान राम और माता सीता का विवाहोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ज्ञात हो कि खलारी बाजारटांड़ में स्व. जगदीश सिंह के आवास पर पिछले ढाई दशक से ज्यादा समय से विवाह पंचमी का आयोजन होता आ रहा है। प्रत्येक साल की भांति इस वर्ष भी जगदीश सिंह के स्वजनों के अलावा आसपास के लोग राम-जानकी विवाह में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचे लोग ही आधे बाराती थे तो आधे शराती की भूमिका में थे। परिवार के लोग शराती की भूमिका में थे। वहीं आगंतुक बराती थे। सिद्धनाथ सिंह

व उनकी पत्नी इंद्रावती देवी के द्वारा विवाह का कर्मठ किया गया। पुजारी संतोष मिश्रा व अशोक मिश्रा ने वैवाहिक कर्मठ कराया। जगदीश सिंह के पुत्र रमानाथ सिंह ने बताया कि उनके पिता जनकपुरी से उस विवाह मंडप की तस्वीर लाकर रखे हैं जहां राम-सीता का विवाह हुआ था। उस चित्र को सामने रखकर ही वैवाहिक कार्यक्रम किया जाता है। इस दौरान विवाह के सारे रस्म पूरे किए गए। महिलाएं भगवान राम को दूल्हा मानकर विवाह के पारंपरिक गीत गायी। सभी आगंतुकों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर भक्ति गीत व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। मंगलवार को चैठारी का रस्म भी अदा किया गया। राम-जानकी विवाह में शामिल होने वालों में सिद्धनाथ सिंह, इंद्रावती देवी, रमाकांत सिंह, दीनानाथ सिंह, रमानाथ सिंह, चितरंजन राय, धर्मेन्द्र सिंह, गिरिधर मिश्रा, मनोज गोयल, नागदेव सिंह, अरविंद सिंह, ओमप्रकाश राय, ज्वाला सिंह, सियाराम सिंह, रवीन्द्र गिरि, आरके सिंह, वीरेंद्र सिंह, सिद्धेष्वर प्रसाद, अमरेश वर्मा, बालमुकुंद, जानकी वल्लभ, अमित, सौरभ प्रकाश, अमन राय, आदर्श, नीरज, भोला सिंह सहित अनेक महिला पुरूष थे।

खलारी में प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022-23 का आयोजन

खलारी पंचायत की टीम बनी विजेता

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खेलो झारखंड के तहत गुलजारबाग स्थित कस्तूरबा गांधी स्कूल मैदान में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022-23 का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ के मौके पर उपस्थित खलारी प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा, जिप सदस्य सरस्वती देवी, खलारी बीडीओ लेखराज नाग, खलारी सीओ शिशुपाल आर्य सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। मौक पर बीडीओ लेख राज नाग ने बताया कि प्रखंड स्तर से जिला स्तर और जिला स्तर से राज्य स्तर पर खेलो झारखंड के तहत

प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इसी के तहत आज खलारी प्रखंड में प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022-23 का आयोजन किया गया है। वहीं अन्य अतिथियों ने भी बारी-बारी से अपने-अपने विचार रखे। जिसके बाद खलारी पंचायत बनाम मायापुर पंचायत की टीम के बीच मैच खेला गया। मैच से पूर्व उपस्थित अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। वहीं प्रमुख सोनी तिग्गा और खलारी सीओ शिशुपाल आर्य ने फुटबॉल को किक मारकर मैच का शुरूआत किया। खेले गये मैच में खलारी पंचायत की टीम ने मायापुर पंचायत की टीम को 01 गोल के अंतर से हरा दिया। मैन ऑफ द मैच रोहित कुमार रहे। जिन्हे जिप सदस्य सरस्वती देवी के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रभारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी राम पुकार प्रजापति, प्रखंड समंवयक असित कुमार, सांसद प्रतिनिधि फुलेष्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, खलारी पंचायत मुखिया तेजी किस्पोट्टा, बुकबुका मुखिया पारसनाथ उरांव, चुरी दक्षिणी मुखिया मलका मुंडा, मायापुर पंचायत मुखिया पुष्पा खलखो, लपरा पंचायत मुखिया पुतुल देवी, खलारी पंचायत पंसस किरण तिर्की, पंचायत सचिव खलारी महावीर महतो, मायापुर पंचायत सचिव प्रक्षित महतो, चिकित्सा टीम के सुमित कुमार एवं श्याम कला देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

आजसू पार्टी का एक दिवसीय प्रदर्शन आज

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बिजली की अनियमितता को लेकर आजसू पार्टी के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आज पावर ग्रिड परिसर में किया जायेगा। इसकी जानकारी आजसू पार्टी के बुद्धिजीवी मंच के धीरेंद्र नाथ महतो ने दी।

राहे और सोनाहातू विद्युत सबस्टेशन में धरना आज

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। दोनों प्रखंड में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर उपभोक्ता काफी परेशान है। 8 से 10 घंटे ही बिजली की आपूर्ति किया जा रहा है। शाम को लगातार बिजली गुल रहती है। जिससे बच्चों को पढ़ाई में काफी परेशानी हो रही है। लचर व्यवस्था को देखते हुये राहे आजसू प्रखंड कमिटी ने मंगलवार को बैठक कर बुधवार को सब स्टेशन का घेराव-प्रदर्शन को लेकर तैयारी किया। बुधवार 30 नवम्बर को धरना प्रदर्शन होगी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, जिला सचिव प्रकाश सिन्हा, प्रमोद सिंह,मनोरंजन भोक्ता,बुधराम मुंडा, करम सिंह महतो, सुभाष महतो सहित प्रमुख, उपप्रमुख उपस्थित थे। इधर सोनाहातू में जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा, चितरंजन महतो, तारणी सिंह मुंडा, श्याम महतो, सुषेन प्रामाणिक के नेतृत्व में घेराव किया जायेगा।

वार्षिक एकदिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता 28 को

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के आदर्श ग्राम पुन्डीदीरी के एतिहासिक फुटबाल मैदान रूंगकड़ी मे आगामी दिनांक 28 दिसंबर 2022 दिन बुधवार को एकदिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमे झारखंड के अलावे अन्य राज्य के विभिन्न नामी गिरामी 16 फुटबॉल टीम भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप मे एक लाख एक (100001) रुपया + एक ट्राफी दूसरा पुरस्कार पचहत्तर हजार (75000)+ एक ट्राफी तृतीय और चथुर्थ पुरस्कार बीस-बीस हजार (20000-20000) रुपया रखा रखा गया है। प्रवेश शुल्क ग्यारह हजार (11000) रुपये है। प्रवेश शुल्क 25/12/2022 तक जमा करना अनिवार्य है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तमाड़ विधायक विकास कुमार होंगे। यह जानकारी कमिटी के अधक्ष्य लक्ष्मी कांत सिंह मुंडा और कोषाध्यक्ष अशीष गुप्ता ने संयुक्त रूप से दी।

हाउसिंग कमेटी में हुए निर्णय के अनुरूप जारी हो कार्यालय आदेश

खलारी (आजाद सिपाही)। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन डकरा शाखा अध्यक्ष मनोज कुमार ने डकरा परियोजना पदाधिकारी को पत्र लिखा है। पत्र में डकरा हाउसिंग कमिटि में हुए निर्णय के अनुरूप कार्यालय आदेश जारी करने की मांग की है। वहीं कहा गया कि उपरोक्त विषय के अंकित तिथि में प्रबंधन द्वारा आवास आवांटन हेतु मीटिंग कर सर्वसमिती से डकरा परियोजना के संघ प्रतिनिधियों एवं प्रबंधन के प्रतिनिधियों के द्वारा लिया गया हस्ताक्षर युक्त निर्णय के बाद भी आवासों का आवांटन कार्यालय आदेश प्रबंधन द्वारा जारी नहीं किया गया है। जबकी पता चला है कि कुछ विभिन्न क्षेत्र के एसीसी सदस्यों और दुसरे परियोजना के संघ प्रतिनिधि के इशारे पर प्रबंधन आवांटन आदेश जारी नहीं किये है। साथ ही एक ही आवास को विभिन्न क्षेत्र के एसीसी. सदस्यों और दुसरे परियोजना के संघ प्रतिनिधि के इशारे एवं व्यक्ति विशेष पर बार बार प्रबंधन द्वारा एक ही आवास को अलग अलग कर्मचारीयों के नाम से आवांटन करने के फिराक में है। मांग किया गया कि उपरोक्त तिथि में हुई हाउसिंग कमिटि मिटिंग के अनुरूप कार्यालय आदेश जारी कराया जाय और परियोजना स्तर से आवास आवांटन करने में प्रबंधन को दिक्कत हो रही है तो उसे क्षेत्रिय कार्यालय के जिम्मेवारी में सोंपा जाये।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड थाना मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। ग्रुप अ प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रमुख विक्टोरिया देवी, उपप्रमुख प्रतिनिधि निशिकांत गंझू, पंसस रूपकुमार साहू एवं जेइइ रामा तिर्की ने संयुक्त रूप में किया। प्रतियोगिता में प्रखंड के 14 पंचायत की टीम ने भाग लिया है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 8 टीमों के बीच आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम मैच सोनाहातू बनाम बारूहातू के बीच खेला गया। सोनाहातू ने बारूहातू को हराकर विजेता रहा। द्वितीय मैच दुलमी बनाम गलऊ के बीच खेला गया। दुलमी ने गलऊ को हराकर विजेता रहा। तृतीय मैच लांदूपडीह बनाम हारिण के बीच खेला गया। लान्दूपडीह ने हारिण को हराकर विजेता रहा। चतुर्थ मैच तेलवाडीह बनाम जामुदाग के बीच खेला गया,तेलवाडीह ने जामुदाग को हराकर विजेता रहा। वहीं दुलमी ने सोनाहातू को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और तेलवाडीह ने लांदूपडीह को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जिसका सेमीफाइनल खेल आज होगी। मौके पर मुखिया विकास सिंह मुंडा, सावना महली, मनोज सिंह मुंडा, फोनिभूषण सिंह मुंडा सहित प्रखंड व पंचायत के अधिकारी उपस्थित थे।

जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। चूरी मध्य पंचायत एवं बुकबूका पंचायत में बढ़ती ठंड को देखते हुए कांके विधायक समरी लाल के द्वारा दिए कंबलों का जरूरतमंदों के बीच वितरण किया गया। दोनों पंचायत के चदरा धौड़ा, केडी साइडिंग रोड़ एवं शिवपुरी कॉलोनी में विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, भाजपा खलारी अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, मंडल संयोजक रामसूरत यादव एवं अनिल तुरी के कंबल वितरण किया गया।

सिरका के मुखिया रोशनलाल मुंडा के साथ मारपीट की निंदा की गयी

मुखिया संघ ने घटना में लिप्त अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग पुलिस प्रशासन से की

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड मुखिया संघ की एक आपात बैठक मंगलवार को संघ के अध्यक्ष कृष्णा मुण्डा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सिरका पंचायत के मुखिया रोशन लाल मुण्डा के उपर गत दिनों गोंदलीपोखर में कुछ बदमाशों द्वारा जान मारने की नियत से किए गए कातिलाना हमला तथा मारपीट की घटना की कड़े शब्दों मे निंदा की गई। बैठक में कहा गया कि क्षेत्र में आपराधिक प्रवृति के लोगों का मनोबल काफी बढ़ गया है। अपराधी इस तरह की घटना को अंजाम देकर क्षेत्र को अशांत करने की कोशिश में लगे हैं। अब वे आम नागरिकों के साथ जनप्रतिनिधियों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है तथा लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मुखिया संघ ने पुलिस प्रशासन से घटना मे लिप्त अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने तथा पंचायत प्रतिनिधियों के लिए सुरक्षा की मांग की है। चेतावनी दी गई कि यदि अविलंब गिरफ्तारी नहीं हुई तो मुखिया संघ मामले को लेकर गृह सचिव झारखण्ड से मिलेगा। इधर पूर्व डिप्टी सीएम व सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने ग्रामीण आरक्षी अधीक्षक से बात कर घटना मे संलिप्त अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने तथा जनप्रतिनिधियों को सुरक्षा मुहैया कराने का आग्रह किया है। बैठक मे सरिता तिर्की, कविता देवी, शांति देवी, हिरदू उरांव, रामानंद बेदिया, सीमा देवी, क्रिस्टीना लकड़ा, भुनेश्वर बेदिया, डोली मुण्डा, दुर्गा पहान, विजय उरांव आदि मुखियागण मौजूद थे।

ठाकुरगांव के बरौदी गांव में घर में आग लगने से सभी सामान जल कर हुए खाक

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बरौदी गांव निवासी दिलीप महतो के घर में मंगलवार की शाम अचानक आग लग गयी। आग लगने से घर में रखे सामान जलकर बर्बाद हो गये। जानकारी के अनुसार भुक्तभोगी अपनी खेत गया हुआ था। इसी बीच घर में आग लग गयी। आग लगने से घर में रखा धान, चावल, कपड़ा समेत अन्य सामान जल गये। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया दशरथ उरांव, पंसस भुनेश्वर साहू, उपमुखिया शिवकुमार मुंडा ने पीड़ित परिवार से मिलकर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुरीक्षण कार्यक्रम को लेकर कार्यशाला का आयोजन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। मुख्यालय स्थित एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी सुमंत तिर्की द्वारा मंगलवार को मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुरीक्षण कार्यक्रम 2023 के तहत 18 वर्ष से उपर के छात्र-छात्राओं में जागरूकता लाते हुए वोटर कार्ड बनाने व चुनाव आयोग से संबंधित जानकारी देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां उन्होंने कहा कि जिनका जन्म एक अक्टूबर 2005 से पूर्व हुआ है वे वोटर कार्ड बनाने के लिए मतदाता सूची में पंजीकरण कर सकते हैं। वहीं राकेश कुमार ने कहा कि वे सरकार के द्वारा जारी बेबसाइट पर ऑन लाइन आवेदन कर मतदाता सूची में अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। मौके पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका हेनरिता मिंज व शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय को पुनः खोलने के लिए प्रबंधन समिति का गठन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय रोगो को पुनः खोलने हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनावग्राम प्रधान सूरजा मुंडा की अध्यक्षता में आम सभा द्वारा सर्वसम्मति से ग्रामीणों के द्वारा किया गया। साथ ही प्रबंधन समिति में कुल 12 सदस्यों का चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष- सुशीला खलखो, उपाध्यक्ष जयमोन खलखो तथा सदस्य के रूप में कच्चू भगत, बसंत लोहरा, बृजमोहन बड़ाईक, सीता देवी, बसंती भगताइन, मुन्नी भगताइन, रतनी टोप्पो, सुनिता लकड़ा, मुन्नी कुमारी, पुतुल कुमारी को चयनित किए गए। आम सभा में पंचायत के मुखिया बीरेंदर भगत, ग्राम वार्ड सदस्य बबलू लोहरा, ग्राम के कमेटी अध्यक्ष प्रकाश खलखो, सुबल टोप्पो, विद्यालय शिक्षक राजेश्वर प्रमाणिक एवं बेड़ो बीआरसी के राजेश कुमार की उपस्थिति में शान्तिपूर्ण एवं सही मार्गदर्शन के साथ विद्यालय प्रबंधन समिति चयन प्रक्रिया को परिपूर्ण किया गया।

विरोध : नगड़ी में दुकानदार को गोली मारे जाने के विरोध में जतायी नाराजगी

थाना पहुंचे, अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की

ज्ञापन सौंप कर ग्रामीणों ने कहा- हाल के दिनों में नगड़ी थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाएं काफी बढ़ गयी है

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी के नारो निवासी दुकानदार आनन्द महतो को अपराधियों द्वारा गोली मारे जाने के विरोध में दर्जनों ग्रामीण और व्यवसायी सांसद प्रतिनिधि केदार महतो के नेतृत्व में नगड़ी थाना पहुंचे।

ग्रामीणों ने घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपकर अपराधियों को जल्द गिरफ़्तार करने की मांग की। थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो की अनुपस्थिति में एसआई सुहागिनी सोरेन को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा।

मौके पर ग्रामीणों ने कहा हाल के दिनों में नगड़ी थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाएं काफी बढ़ गयी हैं। अपराधी बेखौफ हो घटनाओं को अंजाम देकर आराम से निकल जा रहे हैं। ग्रामीणों ने आंनद महतो पर गोली चलाने वालों की पहचान कर जल्द गिरफ़्तार करने की मांग की। मौके थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो इस संबंध जांच चल रही है। शीघ्र ही मामले का पटाक्षेप किया जाएगा।

ज्ञातव्य हो कि सोमवार शाम दुकानदार आनन्द महतो को चेक पोस्ट बांध टोली रोड में दो अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था। अपराधी आनन्द के सिर में गोली मारना चाहते थे, पर निशाना चुकने से गोली उनके जबड़े पर लगी। जिससे उनकी जान बच गयी। फिलहाल आनन्द महतो की हालत से खतरे से बाहर बतायी जा रही है। समाजसेवी रामभक्त आनन्द महतो क्षेत्र में गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। अपराधियों द्वारा उनकी हत्या की कोशिश किये जाने से ग्रामीण और क्षेत्र के व्यवसायियों में काफी आक्रोश है। ज्ञापन सौंपने में नगड़ी थाना क्षेत्र के कई गांवों के दर्जनों गणमान्य और ग्रामीण शामिल थे।

बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

कहा- जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ हटिया ग्रिड का घेराव कर जोरदार आंदोलन करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। एक संकल्प समाजिक संस्था के सदस्यों और ग्रामीण बिजली उपामोक्ताओं के बैनर तले अनियमित बिजली कटौती के खिलाफ मंगलवार को नगड़ी नारो बाजार टांड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समीप बिजली विभाग के विरोध में प्रदर्शन किया गया। नगड़ी प्रखंड क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में की जा रही भारी कटौती के विरोध में ग्रामीणों ने आक्रोश रैली निकाली। रैली नगड़ी चेक पोस्ट चौक से बिजली विभाग के पदाधिकारियों के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए नगड़ी चौक तक गयी।

रैली में नगड़ी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों ने कहा क्षेत्र में दिन-रात मिलाकर मुश्किल से आठ-दस घंटे ही बिजली दी जा रही है। जिससे किसानों, छोटे मोटे कुटीर उद्योग चलाने वालों और छात्रों की पढ़ाई लिखाई में काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने कहा कि जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीण हटिया ग्रिड का घेराव और जोरदार आंदोलन करेंगे।

मौके पर सांसद प्रतिनिधि केदार महतो, प्रेम सागर महतो, अनिल गोप, रीतेश महतो, उमेश साहू, बलवंत तिर्की, बबलू कुमार, दीपक सिंह सहित एक संकल्प समाजिक संस्था के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिलाओं ने लिंग आधारित हिंसा के विरोध में रैली निकाली

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी के बलालोंग गांव में महिलाओं ने लिंग आधारित हिंसा के विरोध में मंगलवार को जागरूकता रैली निकाली। मौके पर ग्रामीण महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए गांव टोलों में गयीं। मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य पूनम देवी ने कहा कि महिलाएं अपने ऊपर किसी भी प्रकार की हिंसा को लेकर जागरूक रहें। पुरूषों द्वारा महिलाओं पर की जाने वाली अनावश्यक लैंगिक हिंसा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर हैं। महिलाओं को कमजोर और डरपोक नहीं समझा जाना चाहिए।

पानी टंकी और सार्वजनिक शौचालय का मेयर ने किया उद्घाटन

कहा- लोग खुले में शौच नहीं जायें, गंदगी के कारण तमाम प्रकार की बीमारियां हमें अपने चपेट में ले रही हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। श्री श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर नामकुम रेलवे स्टेशन के समीप एचवाईडीटी बोरिंग पानी टंकी और जोरार बस्ती के नीचे कोचा में चार शीटर सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन मंगलवार को रांची मेयर आशा लकड़ा ने फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। इस मौके पर पंडित सुमित मिश्रा ने गंगा आरती करायी। उद्घाटन के दौरान मेयर ने कहा कि पानी के बिना कोई भी प्राणी जिंदा नहीं रह सकता है। इसकी सुरक्षा आपके हाथ में है और पानी का सही उपयोग करना आपकी जिम्मेदारी बनती है। कहा कि लोग खुले में शौच न जायें क्योकि गंदगी के कारण तमाम प्रकार की बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही हैं।

मौके पर झारखंड आंदोलनकारी रिंकू सिंह, सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, चुटिया मंडल अध्यक्ष सुजीत शर्मा, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष अशोक गोप, मंदिर के अध्यक्ष मनीष राय, नवीन सोनी, संदीप गोप, सुमित मिश्रा, रंजन शर्मा, हरेंद्र यादव, वीणा देवी व दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यक्रम : स्व. अजित कुमार फुटबॉल टूर्नामेंट सह जतरा का आयोजन, सुभाष मुंडा ने कहा

मेला जतरा संस्कृति हमारी पूर्वजों की देन है, इसे बचा कर रखना है

मेले में नागपुरी आर्केस्ट्रा प्रोग्राम का किया गया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। सापुकेरा पंचायत के गाटया टोली में स्व. अजीत कुमार शहादत दिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन के साथ मेला का भव्य आयोजन दिन में किया गया। इस मेले में आज नागपुरी आर्केस्ट्रा प्रोग्राम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुभाष मुंडा, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य हिंदिया टोप्पो, मुखिया सविता, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नसीम आलम व प्रमुख कंचन उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मंच का उद्घाटन किया।

सुभाष मुंडा ने कहा कि मेला जतरा हमारी संस्कृति पूर्वजों की देन है, इसे बचा कर रखना है। जिप सदस्य हिंदिया टोप्पो ने कहा कि झारखण्डी संस्कृति बचेगी तभी हम बचेंगे। परम्परा को बचा कर रखना है। स्व. अजित कुमार एक फुटबाल खिलाड़ी थे।

इस अवसर पर फुटबाल खेल का आयोजन किया गया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार उडिकेल को 21000, उपविजेता बिल्सीरिंग को 12000 व तृतीय पुरस्कार कोचेया टोली 8000 रु. का वितरण वरिष्ठ पत्रकार रामप्रसाद साहू के हाथों किया गया।

नागपुरी सांस्कृतिक प्रोग्राम में अलास्का ग्रुप के द्वारा मुख्य कलाकार ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रोग्राम से लोगों का मनोरंजन कराया।

मुख्य कलाकार पवन कुमार, नितेश कच्छप, छोटेलाल, मजबूल खान, अंजली देवी, चिंता देवी, फुलमनी देवी के अलावे अन्य कलाकार भाग लिए। जतरा का शांति पूर्वक सफल होने पर एकेएफसी मेला समिति चटकपुर के संरक्षक अनिरुद्ध,अध्यक्ष भदई महली सचिव बलि मुंडा व समिति सदस्यों ने मेला में आये लोगो को बधाई दी।

महत्वपूर्ण न्यूज

ओरमांझी के उकरीद चौक में रामराज्य दिग्विजय रथ का हुआ भव्य स्वागत

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय के पास तथा उकरीद चौक पर राम राज्य दिग्विजय रथ का विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी के द्वारा पूजन और पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यह रथ 5 अक्टूबर 2022 विजयादशमी के दिन अयोध्या से चला है, जो देश के विभिन्न 27 राज्यों से होकर गुजरते हुए झारखंड-बिहार के रास्ते नेपाल तक जाएगा और सीता जयंती तक 60 दिनों में अपनी यात्रा पूर्ण करेगा। यात्रा के दौरान प्रत्येक दिन सुबह 5:00 बजे पूजन हवन का कार्यक्रम के बाद गो पूजन एवं स्थानीय क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं अन्य सेवा कार्य किया जाता है। राम राज्य दिव्य दिग्विजय रथ यात्रा में रथ पर भगवान रामचंद्र, माता सीता जी के साथ श्री राम जन्मभूमि का विराट भव्य मंदिर का प्रारूप एवं श्री राम लला का अखंड राम ज्योति विद्यमान है। इस रथयात्रा में अयोध्या के कई साधु महंत भी साथ चल रहे हैं। इस पावन श्रीराम राज्य दिग्विजय रथ यात्रा के स्वागत के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत के मंत्री वीरेंद्र साहू, प्रांत सह मंत्री रंगनाथ महतो, रांची विभाग प्रचार प्रसार प्रमुख अमर प्रसाद, दुर्गा वाहिनी संयोजिका काजल सोनी, रांची महानगर के सह मंत्री विश्वरंजन, रांची ग्रामीण जिला के मंत्री रोबिन कुमार, जिला सह मंत्री रोशन कुमार चौधरी, रातू प्रखंड मातृशक्ति प्रमुख रंजू देवी, इंद्राणी देवी, काजल चौधरी, ओरमांझी प्रखंड के अध्यक्ष कामेश्वर महतो, प्रखंड बजरंग दल संयोजक अजय महतो, सहसंयोजक रंजीत महतो, प्रखंड कार्यवाहक अरविंद, छोटेलाल, जागेश्वर भोक्ता, विपिन सहित अनेक राम भक्त बंधुओं और माताओं बहनों की उपस्थिति रही और सभी इस राम कार्य में साक्षी और पुण्य के भागी बने।

सरकार से रैयतों ने इइएफ फैक्ट्री में अधिग्रहित जमीन वापसी की मांग की

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे क्षेत्र अंतर्गत चतरा पंचायत के ग्रामीणों ने मंगलवार को एकजुट होकर टाटीसिलवे के ईईएफ फैक्ट्री में अधिग्रहित की गयी 85 एकड़ जमीन सरकार से वापस करने की मांग की। चतरा पंचायत के पूर्व मुखिया सोहन मुंडा ने बताया कि ईईएफ फैक्ट्री 40 वर्षों से बंद है। जिसके कारण यहां के ग्रामीण बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। उन्होंने सरकार से भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के प्रावधानों के तहत रैयतों को जमीन वापस करने की मांग की है। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा अधिग्रहित जमीन का उपयोग यदि पांच साल तक नहीं हुआ है, तो वह जमीन रैयतों को वापस किया जाना है। इस मौके पर सुमित कुमार महतो, सुकूल महतो, सुरेश महतो, वरुण महतो, विष्णु महली, शशिकांत पाहन, रोहित महतो, सावना महतो, हरि चरण महतो, बैजनाथ महतो, विश्वनाथ महतो, बासुदेव महली, किस्टो कुजूर सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विषय पर जागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया गया। सत्र का उद्घाटन प्राचार्य डॉ एन हरि बाबू ने किया। मौके पर सीआईटी (आर) के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ पल्लवी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान पैनल चर्चा में कार्यस्थल पर महिलाओं से लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न, समाज में महिलाओं के साथ विसंगति आदि मुद्दों पर चर्चा की गयी। सत्र को संबोधित करते हुये वूमेन सेल की मेंबर सेक्रेट्री डॉ शालिनी सिंह ने कहा कि पूरे पखवाड़े के दौरान विद्वत रिसोर्स पर्सनों द्वारा इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत आसपास की महिलाओं से जनसंपर्क कर उन्हें इस विषय पर जागरूक करने और इसकी रोकथाम के लिये प्रेरित करने का कार्य किया जायेगा। मौके पर महिला प्रकोष्ठ की सदस्य प्रो. रसिका नवनीत सिंह, सुनीता नाथ, संगीता सिंह के अलावे संस्थान की महिला शिक्षिकाएं और कर्मी उपस्थित थे। डॉ शालिनी सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम एआईसीटीई के निर्देश पर आयोजित किया गया है।

इटकी क्षेत्र में चोरों के कारण आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी में चोरों का आतंक चरम पर है साथ ही हौसले काफी बुलंद हैं। इतने बुलंद हैं कि चोर कहीं भी किसी भी समय तार चोरी कर सकते हैं। इसी कारण इटकी सब स्टेशन से जुड़े हजारों उपभोक्ताओं को करीब आठ घंटे तक बिजली नहीं मिली। विभागीय सूत्रों के अनुसार रानीखटंगा गांव में सोमवार की रात करीब दो बजे चोरों ने बिजली तार को चुराने के क्रम में चालू हालत में ही एलटी लाइन को काट डाला। इससे तेज आवाज के साथ बिजली आपूर्ति ठप हो गयी। बिजली सब स्टेशन में लगे ब्रेकर सहित कई अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गये। एमआरटी, रांची से पहुंचे कर्मियों ने क्षतिग्रस्त उपकरणों की मरम्मत कर मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गयी। ज्ञात हो कि क्षेत्र में तार चोरों का आतंक काफी बढ़ गया है। चोरों द्वारा 4.20 लाख वोल्ट के टावर व तार की चोरी किये जाने के बाद सिंचाई के लिये बिछायी गयी तारों व अन्य उपकरणों की चोरी किये जाने का सिलसिला जारी है। क्षेत्र के उपभोक्ता हमेशा सशंकित रहते हैं कि कब बिजली के तार की चोरी हो जाएगी। ज्ञात हो कि चोरों ने पिछले दिनों दिनदहाड़े तार की चोरी की थी। रात में अचानक बिजली गुल होने से अधिकांश लोग समझ गए थे कि चोरों ने ही कहीं पर तार चोरी किया होगा।

जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता में दिखे प्रतिभा के रंग

सुखी जीवन के लिए खेल को बनायें जीवन का अभिन्न अंग : डीसी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना के पलामू इकाई के तत्वावधान में स्थानीय पुलिस स्टेडियम में दो दिवसीय खेलो झारखंड समारोह उत्साह के वातावरण में शुरू हुआ।खेलो झारखंड-2022 समारोह के मुख्य अतिथि पलामू डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने झंडोत्तोलन के साथ छह सौ मीटर के दौड़ का शुभारंभ किया तथा विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी के संयोजन में आयोजित खेलो झारखंड में पलामू प्रमंडल क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक शिवनारायण साह की उपस्थिति रही।समारोह का संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया।इस अवसर पर प्रतिभागी बच्चों को हौसला बढ़ाते हुए डीसी श्री दोड्डे ने कहा कि वे जीतने-हारने वाले सभी बच्चों को बधाई दे रहे हैं, क्योंकि वास्तव में खेल में

कोई हारता नहीं है,बल्कि कुछ न कुछ जरूर सीखता है। उन्होंने कहा कि खेल हमारा शारीरिक व मानसिक विकास करता है इसलिए हमें इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।उपायुक्त ने 600 मीटर के विजेता प्रथम,द्वितीय व तृतीय क्रमशः साधना,पल्ली व फूलजहां तथा रोहित कुमार, अजित सिंह व जुलफराज अंसारी को अपने हाथों मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। समाचार लिखे जाने तक जूनियर के 100 मीटर बालक बालिका वर्ग में क्रमशःकौशल सिंह, सुधाकर कुमार,राजेन्द्र कुमार व पलक चांदनी, सोनाली को क्रमशः प्रथम,द्वितीय व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।इसी प्रकार 1500 मीटर सीनियर में छोटू कुमार, मनोज कुमार मेहता व उपेन्द्र यादव तथा काजल कुमारी,पूजा कुमारी व मुस्कान कुमारी को प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर सीनियर में रंजन कुमार सिंह, हिमेश राम व अंकित सिंह तथा जर्सीता कुमारी, खुशी कुमारी व बुधनी कुमारी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। खेलो झारखंड के प्रथम दिन को सफल बनाने में एपीओ जान मुथू,उदय सिंह,राजीव चौबे, संजय त्रिपाठी, कमलानंद दूबे, बीपीओ मनोज तिवारी,मणि पाण्डेय, ओमप्रकाश कुमार, अनु सिंह, नन्द किशोर कुमार, अर्पण गुप्ता, नीतू कुमारी व पप्पू सिंह समेत अनेक शिक्षा कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

खासमहल पर सकारात्मक परिणाम शीघ्र : आनंद शंकर

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झारखंड चेंबर की मंगलवार को एक्जीक्यूटिव बैठक में डाल्टनगंज के खास महल का मुद्दा छाया रहा। बैठक के प्रारंभ में ही अध्यक्ष आनंद शंकर के पत्र पर चर्चा की गई। जिस पर पूरे सदन में इस पर त्वरित कार्रवाई के लिए मांग रखी और जब सचिव इंद्रजीत सिंह ने सदन के सामने पूरे मुद्दे को प्रमुख रूप से रखा तब वहां उपस्थित कैबिनेट ने एवं पूर्व अध्यक्षों में इस पर विशेष बैठक करने की बात कही। जिसमें यह बात सामने आई कि चूकि है लीगल मैटर पेचीदा है इसलिए इसे मंत्रिमंडल में ही पास कराना श्रेकर रहेगा। चेंबर मुख्यमंत्री जी पर इससे सरल करने के लिए और इसे समस्या का हल करने के लिए दबाव बनाएगा और चेंबर के सदस्यों ने आश्वासन दिया की जरूरत पड़ी तो झारखंड चेंबर इस पर पलामू के लिए आंदोलन भी करेगा। बैठक में आनंद शंकर का धन्यवाद पत्र भी पढ़ा गया जिसमें उन्होंने रेंट रेगुलेशन और पलामू में चौधारना

बाजार की समस्या के हल के लिए चेंबर अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उनकी मांग पर विचार करते हुए जनहित में चौधराना बाजार का दर 4 रुपया कर दिया है। किशोर मंत्री जी ने बताया की उनकी बात मुख्यमंत्री जी से हो गई है और खास महाल में कुछ इंक्वायरी के पश्चात और कुछ पच्छों की जानकारी की जानी है जिसके पश्चात उन्हें आशा है संभवत इसी सप्ताह या आने वाले कुछ दिनों में इस पर भी एक सकारात्मक पहल होगी और एक जन उपयोगी निर्णय आएगा। बैठक में रीजनल वाइस प्रेसिडेंट संजय कुमार ने भी पूरे सदन को पलामू चैंबर की मदद के लिए धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।

अजाप्टा के सदस्यों ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय यादव का किया स्वागत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ हुसैनाबाद पलामू के सदस्यों ने दो बार हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा के प्रतिनिधित्व कर चुके व नव-निर्वाचित राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव से उनके आवास पर भेंट की और पुनः दुबारा अध्यक्ष चुने जाने के बाद बधाई दी। फूलमाला और बुके देकर सम्मानित किया।साथ ही शिक्षक विभाग द्वारा किए जा रहे प्रगति के बारे में चर्चा की। विदित हो कि चार सूत्री मांगों के संबंध में शिक्षको ने उन्हें 12 नवंबर को ज्ञापन समर्पित किया था।इस संबंध में उन्होंने कहा कि आपसबों की मांग शिक्षा शिक्षक हितार्थ है, गरीब गुरबों व अभिवंचित वर्गों के प्रतिनिधित्व करनेवालों की सरकार है,आपसब उसी वर्ग से आते हैं, गैर शैक्षणिक कार्यों के अलावे शिक्षा का दीप जला रहें हैं, बेशक आपकी मांगों पर सरकार ध्यान देगी। कुछेक दो चार दिनों में रांची प्रवास के दरम्यान संघीय पदाधिकारियों के उपस्थिति में उच्च स्तरीय बैठक बुलाने का प्रयास करेंगे।उनके इस घोषणा से शिक्षकों की उम्मीदें बलवती हुई है। शिक्षकों का मानना है कि राजद यूपीए फोल्डर के सशक्त पार्टी है, हमारी मांगों को उचित फोरम पर रखकर शिक्षकों की आवाज बनेंगे।स्वागत करनेवालों में प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी, सचिव निर्मल कुमार, पलामू प्रमंडल सोशल मीडिया प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता, वरीय शिक्षकों में रविन्द्र चौधरी, अरुण कुमार चौधरी सचिव हैदरनगर, प्रेम कु० चौधरी संगठन सचिव, शकील अहमद, इकबाल अहमद, जितेंद्र राम, सुरेंद्र राम, कन्हैया प्रसाद, परमानंद प्रियदर्शी, अवधेश पासवान, महेंद्र बैठा सहित दर्जनों शिक्षक शामिल थे।

दुकान में चोरी, मामला दर्ज

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। दंगवार ओपी क्षेत्र के नदीआईन गांव निवासी राकेश कुमार ने अपने दुकान में चोरी की घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा है की बीते रविवार की शाम अपने एक रिश्तेदार को लेने के लिये गढ़वा गया था,उसी शाम करीब 5 बजे दो अजनबी दुकान पर पहुँचे उस वक़्त मेरे पिता जी दुकान पर मौजूद थे,एक व्यक्ति ने पिता जी तंबाकू की माँग की तभी दूसरा व्यक्ति मेरे ऑनलाइन दुकान से लैपटॉप और अलमीरा में रखे बीस हजार रुपए लेकर फरार हो गए।इस संबंध में दंगवार ओपी प्रभारी चंदन शर्मा ने बताया की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

झामुमो नेता से रंगदारी मांगने गये दो अपराधी गिरफ्तार

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। शहर थाना क्षेत्र के गंगा हॉस्पिटल के निदेशक सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व विधायक प्रत्याशी संजीव कुमार तिवारी को अमन साहू के नाम पर धमकी दिए जाने के मामले में विपुल कुमार पांडे व धीरज कुमार शर्मा को शहर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। संजीव कुमार तिवारी के द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार सोमवार की रात 9:45 बजे दो लोग हॉस्पिटल के बाहर बार-बार आना-जाना कर रहे थे। साथ ही दोनों व्यक्ति ड्राइवर से बकझक कर रहे थे। जिसके बाद वे दोनों हॉस्पिटल के अंदर आये। संजीव तिवारी से बोले कि अमन साहू से बात कर लीजिये। इन दोनों के द्वारा संजीव तिवारी को बार-बार धमकी दी जा रही थी कि दादा को पहचानते हो कि नहीं दादा से बात करो अभी। संजीव तिवारी ने बताया कि वे लोग बार-बार अपने कमर के पास हाथ डाल रहे थे। संभवत उनके पास हथियार था। गोली मारने की धमकी भी दे रहे थे। जब ये दोनों व्यक्ति चले गये तो संजीव ने शहर थाना को फोन किया। जिसके तुरंत बाद शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा व टीओपी प्रभारी रामजीत सिंह अपने पुलिस बल के साथ गंगा हॉस्पिटल पहुंच गये। धमकी देने आये दोनों व्यक्तियों की सारी करतूत सीसीटीवी में कैद हो चुकी थी।जिसके बाद पुलिस ने दोनों का फोटो देखने के बाद तुरंत छापेमारी शुरू कर दी। छापेमारी में विपुल कुमार पांडे व धीरज कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। विपिन कुमार शर्मा लातेहार के चंदनडीह का रहने वाला है। वह गायत्री मंदिर के पास किराये के मकान में रह रहा था. जबकि धीरज कुमार शर्मा सतबहिनी का रहने वाला है। जो बैरिया के पास किराये के मकान में रह रहा था। गिरफ्तार करने के बाद शहर थाना पुलिस व डीएसपी सुरजीत कुमार ने उनसे गहनता से पूछताछ किया। शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि विपुल कुमार पांडे व धीरज कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। संजीव कुमार तिवारी ने त्वरित कार्रवाई के लिए जिले के एसपी चंदन कुमार सिन्हा व शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा को धन्यवाद दिया है कि इतनी तत्परता से तुरंत इस मामले का उद्भेदन कर लिया गया।

पलामू के 8 प्रखंडो के 14 पैक्सों में आम निर्वाचन की प्रक्रिया 6 दिसंबर से

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सहकारी सहयोग समिति लिमिटेड का चुनाव कराने को लेकर कार्य शुरू कर दिया गया है। इस लेकर चुनाव संचालन पदाधिकारी अश्विनी कुमार ओझा ने बताया कि दिसंबर में जिले के 8 प्रखंडो के 14 पैक्स में विशेष आम सभा के माध्यम से चुनाव कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि चुनाव कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। अलग-अलग पैक्सों में चुनाव संपन्न कराने को लेकर विभिन्न प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने बताया कि पांकी के कोनवाई पैक्स पैक्स के चुनाव के लिये के छतरपुर के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सखी चन्द्रदास को निर्वाचन पदाधिकारी एवं सहकारिता पदाधिकारी मुख्यालय के विपिन किशोर कंडुलना को अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया है। इसी तरह पांकी के तेतरई पैक्स के चुनाव हेतु पांडू के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मुकेश कुमार सिंहा को निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्यालय के सहकारिता पदाधिकारी को संध्याबाराभुईंया अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है। वहीं मनातू के सिलदिलिया पैक्स के चुनाव के लिये पांकी प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी निशीतोष ठाकुर को निर्वाचन पदाधिकारी एवं पलामू के वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार को अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है। इसी क्रम में उंटारीरोड के मुरमा लकला पैक्स के चुनाव के लिये हरिहरगंज के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संजय कुमार को निर्वाचिन पदाधिकारी एवं मुख्यालय सहकारिता प्रसार पदाधिकारी आशीष खलखो को अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है। छतरपुर के तेलाड़ी पैक्स में चुनाव के लिये विश्रामपुर के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी संजय कुमार को निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्यालय के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह को अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह पड़वा के गाड़ीखास पैक्स में चुनाव के लिये नौडीहा बाजार के सहकारिता पदाधिकारी को निर्वाचन पदाधिकारी एवं पलामू के वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी दिव्या राज मोहन सिंह को अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है।

निगम को विकास की नयी ऊंचाई पर ले जाना ही उद्देश्य है : मनोज

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। नगर निगम चुनाव की सरगर्मी तेज है, भावी मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह जनता के बीच आशीर्वाद व समर्थन के लिए पहुँच रहे है। जनता के बीच श्री सिंह अपनी बात को रख रहे है। श्री सिंह ने वार्ड नङ्ग चार के हाउसिंग कॉलोनी क्षेत्र मे भ्रमण के दौरान उन्होंने लोगों से बदलाव की अपील की तथा उनपर भरोसा जताने का आग्रह किया। श्री सिंह ने कहा कि उनका राजनीति मे आने का एकमात्र मकसद जनसेवा है,वे जनता के बीच जाकर हर मुद्दों पर चर्चा कर,मूलभूत सुविधाओं में सुधार की बात कर रहे हैं। श्री सिंह घर-घर पानी,हर गली सड़क बनवाने की बात कर रहे हैं। उन्होंन ने बताया कि मतदाता साथ मे जुड़ रहे और अपना समर्थन दे रहे है। आज 22 वे दिन भी घर घर यात्रा जारी रहा। भावी मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह ने कहा कि यह ऊर्जा जनता की ओर से मिल रहा है,जनता का सकारात्मक ऊर्जा उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। श्री सिंह ने जनता से मेदिनीनगर निगम को अव्वल बनाने के लिए संकल्प लिया। यात्रा में राहुल सिंह,संतोष लाल, गोलू सिंह,अमित रंजन, संजीव तिवारी,रौशन साव, आलोक पांडे,चेतन्य सिंह, राजू प्रसाद गुप्ता,आनंद तिवारी, विवेक तिवारी सहित कई लोग शामिल थें ।

हरिहरगंज के धोबी मुहल्ले में नाली का गंदा पानी बनी समस्या, नरकीय जीवन जी रहे हैं यहां के लोग, प्रशासन मौन

2020 से लगातार कई बार की गयी शिकायत, नहीं हुआ निवारण

प्रसिद्ध कुमार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिला के हरिहरगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 धोबी मुहल्ले में गंदे नाली के पानी की समस्या वहां के निवासियों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। जिससे यहां लोग नरकीय जीवन जीने पर बिवस हैं।वहां के बुजुर्ग महिला या बुजुर्ग पुरुष बाहर नहीं निकल पाते हैं। गंदे पानी से उनके दरवाजे के समक्ष सड़क पर काई जम गया है। बुजुर्गों में फिसलने का डर बना रहता है।वह कहीं फिसल कर गिर न जाएं। कई बुजुर्ग गिर कर हांथ पांव भी तोड़ कर घर पर बैठे हुए हैं। बदबू के कारन लोगों को कए दस्त भी होती है। खाना खा रहे हैं, हजम नहीं कर पा रहे हैं। बुजुर्गों का कहना है कि सुनते हैं कि देश प्रदेश में कोरोना आया है पर मेरे ही मुहल्ले में कोरोना दिख रहा है। यहां के बच्चों पर भी आफत आई हुई है।कहा जाता है कि खेल कूद से मांशिक के साथ बौद्धिक विकास होता है।पर धोबी मुहल्ले के बच्चे किसी प्रकार का खेल कूद नहीं कर

सकते। क्यों कि उनके दरवाजे के समक्ष नाली के गंदे पानी का जमावड़ा लगी हुई है। वह खेल कूद से वंचित हैं। वहीं रहवासियों के दरवाजे पर नाली का गंदा पानी का जमावड़ा को देख मुहल्ले के शादी योग्य लड़का व लड़कियों की शादी नहीं हो पा रही है, अगुआ कनी काट लें रहे हैं। हरिहरगंज नगर पंचायत के वार्ड नं 8 के धोबी मुहल्ले में नाली की समस्या ही क्षेत्र के प्रशासन की अव्यवस्था दर्शा रहा है और मौन धारण किए हुवे हैं। इस मूलभूत समस्या को लेकर विगत 3 वर्षों से रहवासियों ने अनेकों बार प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं नगर कार्यपालक पदाधिकारी से लिखित शिकायत की। पर गंदी नाली के पानी की मूलभूत समस्या हल करने में प्रसाशन अब तक असफल हैं। धोबी मोहल्ले में क्षेत्र के गंदे नालियों का पानी सड़क पर आने से कई लोगों के घर में पानी घुस जा रहा है। इसके साथ ही धोबी मोहल्ले के सटे हरिहरगंज मेन बाजार अवस्थित होने के कारण इस रास्ते से सैकड़ो राहगीर बाजार में खरीदारी के लिए जाते हैं। इससे बाजार में खरीदारी करने के लिए जाने वाले राहगीरों के लिए भी एक बड़ी मुसीबत बनी हुई है। नाली का गंदा पानी रहवासियों के दूरे दरवाजे पर बह रहा है। पानी के बदबू से लोगों को संक्रामक बीमारियों का भय सता रहा है। इससे लोगों में रोष गहराता जा रहा है।इसकी जानकारी क्षेत्र के समाजसेवी दिलीप स्वर्णकार तथा मनोज सोनी ने हरिहरगंज आजाद सिपाही संवाददाता प्रसिद्ध कुमार को दी थी।इस दौरान मुहल्ले के रहवासी राधा देवी, बेबी देवी, चंदा देवी, सहोदरी देवी, रंजू देवी आदि बुजुर्ग महिलाओं ने संवाददाता को समस्या से अवगत कराया।

निः शुल्क चल रहे समृद्धि की पाठशाला में मनी पुण्य तिथि

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। आदरणीय नागरिकों का अभिनंदन है जिन्होंने पाठशाला के बच्चों की सहायतार्थ अपने बच्चों का जन्मदिन शादी की सालगिरह या पुण्यतिथि या किसी भी बहाने उनकी जरूरतें पूरी करने पाठशाला जरूर पहुंचते हैं। इसी क्रम में डेली न्यूज के ब्यूरो मनोहर जी के श्वसुर स्व. रघुवीर राम जी की पुण्यतिथि लगभग पांच वर्षों से इसी पाठशाला में मनाई जाती रही है। जिनके परिवार की ओर से प्रत्येक वर्ष बच्चों की आवश्यकतानुसार पाठ्य सामग्री खेलकूद सामाग्री उनके बीच बड़े ही निष्ठा के साथ वितरण किए जाते हैं। इस बार भी स्कूल बैग बच्चों के बीच वितरण कर यह परिवार बहुत ही बढ़िया कार्य किया है क्योंकि इन बच्चों के पास इतनी सामर्थ्य नही कि वे खरीद सकें। स्व.राम जी की पत्नी राधिका देवी पुत्री विद्या देवी बेटे रोहित कुमार रंजन कुमार वनाथी आदित्य वर्धन विवान वर्धन ने इस नेक कार्य में अपना सराहनीय योगदान दिया। मिशन समृद्धि संस्था परिवारजनों का हार्दिक आभार प्रकट करता है जिनके कारण जरूरतमंद बच्चों को जरूरत की चीजें मिल जाती है।इस कार्य में मिशन समृद्धि संस्था की टीम सदस्य बैजनती गुप्ता डॉ देव प्रकाश प्रो वन्दना श्रीवास्तव आदि का सहयोग रहा।

नौडीहा बाजार अंचल में पिछले चार वर्षों से अंचलाधिकारी का पद प्रभार में चल रहा

नौडीहा बाजार /पलामू (आजाद सिपाही)। जिले नौडीहा बाजार अंचल कार्यालय में अंचलाधिकारी का पद प्रभार में ही चल रहा है गौरतलब है कि अब तक नौडीहा बाजार अंचल में अंचलाधिकारी के रूप में केवल एक ही अंचलाधिकारी हीरा कुमार का प्रतिनियुक्त हुआ है वह अंचलाधिकारी 2/7/2016 में नौडीहा बाजार अंचल में योगदान दिए और वे 28/8/2018 तक नौडीहा बाजार अंचल में अंचलाधिकारी के पद पर रहे और हीरा कुमार अंचलाधिकारी के 2018 में ट्रांसफर हो जाने के कारण नौडीहा बाजार अंचल को अभी तक अंचलाधिकारी नहीं मिला है और करीब चार वर्षों से भी अधिक होने को है तब से ही नौडीहा बाजार अंचल वहां पर पदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास अंचलाधिकारी का प्रभार में ही चल रहा है और कब इस अंचल का अंचलाधिकारी मिलेगा कहना मुश्किल होगा ।

स्पोर्ट्स

मैं पीकेएल इतिहास में सबसे अच्छा डिफेंडर बनूंगा : मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह

दूसरे छोर पर उमरान की गेंदबाजी मेरे लिए चीजों को आसान बनाती है: अर्शदीप सिंह

क्राइस्टचर्च। भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि उनके साथी गेंदबाजी उमरान मलिक ने उनके लिए चीजों को आसान बना दिया और कहा कि वे मैदान पर और बाहर एक-दूसरे की कंपनी का आनंद लेते हैं। शिखर धवन एंड कंपनी क्राइस्टचर्च में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है। भारत 1-0 से पिछड़ चुका है और उसका लक्ष्य बुधवार को होने वाले अंतिम वनडे मैच को जीतकर सीरीज बचाना होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज का

दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था। उमरान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में चार बार 150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी और डेवोन कॉनवे और डेरिल मिशेल के विकेट हासिल किए। अर्शदीप और उमरान ने ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में डेब्यू किया। अर्शदीप ने प्री-मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, ₹उमरान के साथ खेलना मेरे लिए फायदेमंद है। वह 155 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है और मेरे लिए चीजों को आसान बना देता है। हम मैदान पर और मैदान के बाहर भी अपनी साझेदारी को पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह लंबे समय तक जारी रहेगा। मुझे नहीं लगता कि मेरी यात्रा आसान या चुनौतीपूर्ण है। हम खिलाड़ी के रूप में खेलने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, प्रक्रिया का आनंद लेते हैं, और इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं कि यह आसान या चुनौतीपूर्ण है। जब हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, तो यह अच्छा लगता है। 23 वर्षीय अर्शदीप ने एशिया कप के सुपर फोर चरण के मुकाबले में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की पारी के 18वें ओवर में आसिफ अली का एक महत्वपूर्ण कैच छोड़ा था। जिसके बाद अली ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। अर्शदीप ने कहा, ₹लोग हमसे और हमारे खेल से बहुत प्यार करते हैं। इसलिए जब हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, तो लोग हमें प्यार करते हैं और जब हम प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो लोग अपनी निराशा दिखाते हैं।

पुणे में 13वीं कुराश वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। छह दिवसीय 13वीं वर्ल्ड कुराश वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र के पुणे शहर के बालेवाडी स्टेडियम में विगत 23 नवंबर से 28 नवंबर तक किया गया. वर्ल्ड कुराश एसोसिएशन के अध्यक्ष हैदर फरमान और जगदीश टाइटलर ने दीप प्रज्वलित और फीता काटकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की. भारतीय कुराश महासंघ के अध्यक्ष रमेश पोपली एवं भारतीय कुराश महासंघ के महासचिव लाल सिंह ने बताया कि लगभग 80 देशों के लगभग 400 से जायदा खिलाड़ियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र कुराश संघ के अध्यक्ष अंकुश नागर तथा महाराष्ट्र संघ के महासचिव संजय धोपकार के द्वारा की गई थी. कुराश एसोसिएशन झारखंड के महासचिव रवि शंकर मोदी एवं कुराश एसोसिएशन झारखंड की ज्वाइंट

सेक्रेटरी प्रियंका वर्मा ने झारखंड का प्रतिनिधित्व किया. कुराश एसोसिएशन झारखंड के अध्यक्ष टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने भारतीय कुराश संघ एवं महाराष्ट्र कुराश संघ को शुभ कामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य के कामना की.भारतीय कुराश संघ की पूरी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाया.कार्यक्रम का समापन 28 नवंबर को किया गया जहां प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया.

एटीएम मशीन चोरी प्रकरण में इपीएस एजेंसी के सलाहकार का निरीक्षण, थाना में मामला दर्ज

झरिया (आजाद सिपाही)। जोडापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा पुटकी मार्ग अम्बेडकर चौक के समीप बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को चोरो द्वारा मशीन सहित कैश बॉक्स उखाड़ कर ले जाने के प्रकरण में मंगलवार को ईपीएस एजेंसी के कानूनी सलाहकार संतोष सिंह ने निरीक्षण किया। जिसकी जोडापोखर थाना में लिखित मामला दर्ज कराया है। श्री सिंह ने बताया कि सोमवार को बैंक के एटीएम में रखा 18 लाख रुपये सहित मशीन कैश बॉक्स को अज्ञात चोर उखाड़ कर ले गये । उन्होंने कहा कि इस तरह के घटना में जोडापोखर पुलिस को चाहिए था कि मामला दर्ज होने के पहले अपराधियों की धड़पकड़ के लिए लगातार छापेमारी शुरू कर देना चाहिए। इधर जोड़ापोखर पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। अभी तक अपराधियों का कोई सुराग पुलिस को नही मिल पाया है। घटना के बाद कम्पनी के झारखंड प्रदेश प्रभारी मिथिलेश शर्मा घटना स्थल पर पहुंचे। श्री शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी 20 नवंबर को छिपकिली घुसने के कारण सॉर्ट सर्किट के कारण खराब हो गया था। बैंक द्वारा गार्ड रखने का कोई प्रवधान नहीं है। इसलिए एटीएम पर गार्ड की व्यवस्था नही की गई है। जोड़ापोखर थाना प्रभारी ने बताया कि लिखित शिकायत पर कांड संख्या 261/22 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बहुत जल्द अपराधी पकड़ा जायेगा।

पुलिस ने जुआ अड्डा पर छापेमारी कर जुआड़ियों संग उनके वाहन को किया जब्त

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को मदनाडिह स्थित झाड़ी में चल रहे जुआ अड्डा पर औचक छापेमारी कर मनोज चौहान नामक एक जुआड़ी को पकड़ा। बाकि जुआड़ी भागने में सफल रहा। पुलिस मौके से दो टेंपो और एक अपाची मोटरसाइकिल और ताश के पत्ते जब्त किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। पकड़ा गया जुआड़ी को हिदायत दे कर छोड़ दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक संगठित गिरोह द्वारा उक्त स्थान पर जुआ अड्डा चलाया जा रहा है जहां पर टेंपो से जुआड़ी आते हैं जुआं खेलने के लिए। ग्रामीण द्वारा मना करने पर ये लोग मानते नहीं हैं। छापेमारी का नेतृत्व एएसआइ सीपी मेहता कर रहे थे। पुलिस की कार्रवाई से जुआ अड्डा का संचालन करने वालों में हड़कंप मच गया है।

सेल के विभिन्न संयत्रों के सामग्री प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्षों की दो दिवसीय बैठक आरंभ

बोकारो (आजाद सिपाही)। 29 नवंबर को बोकारो निवास के कांफ्रेंस हाल में सेल के विभिन्न संयत्रों के सामग्री प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्षों की दो दिवसीय बैठक आरंभ हुई। बैठक में अधिशासी निदेशक (सीएमएमजी), सेल कॉर्पोरेट ऑफिस एसजे अहमद, अधिशासी निदेशक(एमएम), बीएसएल ए श्रीवास्तव सहित विभिन्न संयत्रों के एमएम विभाग के विभागाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के प्रथम दिन पूर्वाहन भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, दुगार्पुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट. सलेम स्टील प्लांट, एलॉय स्टील प्लांट तथा चंद्रपुर फेरो प्लांट के अधिकारियों ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सेल के विभिन्न इकाइयों में सामग्री प्रबंधन विभाग की उत्कृष्ट कार्य प्रणालियों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज को एक दूसरे से साझा किया.अपराहन विभिन्न संयत्रों के एमएम विभाग के अधिकारियों ने बीएसएल के सेंट्रल स्टोर्स विभाग का भ्रमण किया तथा सेंट्रल स्टोर के कार्यप्रणाली से अवगत हुए. विभिन्न संयत्रों के सामग्री प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्षों की बैठक 30 नवंबर को भी जारी रहेगी जिसमें इन्वेंटरी, सेल एमएसइ पालिसी, रिविजन ऑफ सेल गाइड लाइंस से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जायेगी।

नावागढ़ में श्रीश्री चित्रगुप्त महापरिवार, बाघमारा अंचल की बैठक संपन्न

मधुबन (आजाद सिपाही)। बांसजोड़ा पंचायत सचिवालय में श्री श्री चित्रगुप्त महापरिवार, बाघमारा अंचल की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता अंनत किशोर लाला ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बांसजोड़ा पंचायत के मुखिया समीर कुमार लाला ने 3 दिसंबर को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं अमर शहीद खुदीराम बोस की जयंती मनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर बैठक में उपस्थित सभी चित्रांशों ने सहमति जाहिर की। बैठक में किड्स केयर स्कूल, कतरास के प्राचार्य दिलीप वर्मा ने इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए श्री श्री चित्रगुप्त महापरिवार, बाघमारा अंचल, सिनीडीह के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि समाज के हर विभूतियों की याद में इस तरह के आयोजन स्वर्गीय सतीश वर्मा आयोजित किया करते थे। इस तरह के आयोजन अगर लगातार होते रहे तो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गौरव सिन्हा के अनुसार यह कार्यक्रम जामडीहा लाला टोला में होगा। बैठक में उमेश श्रीवास्तव, अजय राणा, सुजित सिन्हा, नीरज कुमार लाला, अजय कुमार लाला, प्रितम सिन्हा, निशांत कुमार लाला, चंदन श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

झरिया-बलियापुर मुख्यमार्ग का सही तरीके से कार्य नहीं होने पर ग्रामीणों में नाराजगी

स्थानीय लोगों ने पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली झरिया-बलियापुर मुख्य सड़क का निर्माण और चौड़ीकरण कार्य में अनियमितता बरतने की शिकायत ग्रामीणों ने संयुक्त मोर्चा के नेताओं से की। वहीं ग्रामीणों की शिकायत के आलोक में मंगलवार को संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने 44 करोड़ की लागत से बनने वाली नव निर्माण सड़क का कार्य जांच करने पहुंचे। जांच के दौरान निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा भारी अनिमितता बरती जा रही है। वहीं संयुक्त मोर्चा के नेता युधेशवर सिंह ने कहा कि लगभग दो दशक से झरिया बलियापुर मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति के कारण आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आये दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे थे। कई लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिसे देखते हुए स्थानीय लोगों ने पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया था। जिसे देखते हुए झरिया विधायक पुर्णिमा नीरज सिंह विधान सभा में पुरजोर तरीके से उठाने का काम किया था। जिसके बाद राज्य सरकार द्वारा झरिया बलिया पूर सड़क निर्माण कार्य को लेकर 44 करोड़ की बजट पास किया। जिसका बिधिवत झरिया विधायक ने पूजा कर शिलान्यास किया। तत्पश्चात संवेदक द्वारा कार्य को चालू किया गया। लेकिन निर्माण कार्य में भरी अनिमीतता बरती जा रही है। अगर समय रहते संवेदक अपनी कार्य में सुधार नही किया तो इसकी शिकायत धनबाद उपायुक्त से किया जायेगा।

निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही

वही मसास नेता बिंदा पासवान ने बताया कि कई वर्षो की लड़ाई के बाद मुख्य मार्ग की मरमति कार्य शुरू हुआ लेकिन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है। जिस तरह से सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। वह पांच साल भी चलना मुस्किल है। वही संवेदक के इंजीनियर बाबु चक्रबर्ती ने बताया कि सड़क में जिस जगह पीसीसी निर्माण किया जा रहा है। अगर कहीं सड़क में थोड़ी बहुत दरारें पड़ जा रही है तो उसे पुनः खरोच कर फिर से युक्त स्थल पर मरमती कार्य को पूरा किया जाएगा। सड़क मरमत्ति के बाद भी पांच साल तक सड़क की देखरेख की जवाबदेही संवेदक की होगी। इसके लिए सरकार बजट का 10 प्रतिशत फंड अपने पास जमा रखती हैं। तो ऐसे में सड़क में अनियमितता बरतने की कोई सवाल नहीं होता है।

जामाडोबा के ग्रामीणों के लिए लाभदायक बनी मशरूम की खेती

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ), जामाडोबा ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्थायी आजीविका के अवसर, कृषि विकास के माध्यम से सामुदायिक सशक्तिकरण, बाजार संपर्क और युवा कौशल विकास के क्षेत्रों में अपने परिचालन स्थानों में कई पहल शुरू किये हैं, जिसका लक्ष्य किसानों को आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराना है। इस क्षेत्र में वनस्पति के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए, टीएसएफ ने अपनी पायलट परियोजना, मशरूम की खेती को छोटे किसानों और जामाडोबा के आस-पास रहने वाले लोगों के साथ एकीकृत किया है ताकि उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। घरेलू स्तर पर मशरूम का उपयोग और इसकी बिक्री की जा सकती है। इसकी खेती प्लास्टिक की थैलियों में की जा सकती है जिसमें कम जगह की आवश्यकता होती है और यह कम निवेश वाले छोटे किसानों के लिए आजीविका का एक अच्छा स्रोत है। टीएसएफ जामाडोबा, जिला बागवानी विभाग, धनबाद के सहयोग से जामाडोबा और सिजुआ के पांच अलग-अलग गांवों (कंचनपुर, पेटिया, डोलाबार, कुमारझुरी और भेलाटांड़) में पांच दिवसीय मशरूम की खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में कुल 194 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा (45 कंचनपुर से, 35 भेलाटांड़ से, 53 पेटिया से, 35 दरदहा से, और 26 कुमारजोरी से)। सुरेंद्र कुमार राम, डिस्ट्रिक्ट हॉर्टिकल्चर ऑफिसर, धनबाद और डिस्ट्रिक्ट हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में कंचनपुर और भेलाटांड़ की 80 महिला किसानों ने अपना पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है और डिस्ट्रिक्ट हॉर्टिकल्चर विभाग से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है। टीएसएफ ग्रामीण युवाओं के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है ताकि उन्हें उज्जवल भविष्य और सतत आजीविका हासिल करने में मदद मिल सके।

पेयजल समस्या को लेकर लोगों ने निगम एवं माडा के खिलाफ किया प्रदर्शन

पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नगर निगम कार्यालय का करेंगे घेराव : चुन्ना यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। चुन्ना यादव के नेतृत्व में सलानपुर बस्ती के लोगों ने आज नगर निगम और माडा के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मौके पर उपस्थित जागो संस्था के प्रमुख चुन्ना यादव ने विरोध जताते हुवे कहा कि सलानपुर बस्ती को 2017 से पीने का पानी नहीं मिल रहा है। यहां के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं और विभाग कान में तेल डालकर सोया हुवा है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर सलानपुर बस्ती के लोगों के पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नगर निगम कार्यालय का घेराव किया जायेगा। वहीं वे इस मुद्दे पर नगर निगम के आयुक्त तथा जलापूर्ति शाखा के सहायक हरीश पाठक से वार्ता की साथ ही इंजीनियर समीर सुमन से वार्ता कर यथा शीघ्र समस्या का समाधान करवाने की बात कही। वहीं उनके द्वारा बतायी गई समस्या पर जलापूर्ति विभाग ने आश्वस्त किया कि वो यथाशीघ्र अपने टीम के साथ मौके पर पहुंच कर समस्या का समाधान करने की कोशिश करेगी। इस मौके पर राजेश कुमार दास, डॉ अमित राय, निर्मल चक्रवर्ती, बिशु रवानी, शंकर वर्मा, तरुण चटर्जी, दुलाल दस, साधन दास, गुड्डू यादव, विश्वनाथ चटर्जी, पिंटू दस, गोपाल खत्री, रंजीत यादव, विनय चौहान, संजय चौहान, संदीप यादव उपस्थित थे।

डीएवी-6 में करियर सलाह विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में कैरियर परामर्श संबंधी कार्यशाला का आयोजन हुआ। कैरियर काउंसलर बी.टेक, आइआइटी मद्रास के सुधीर थे। उन्होंने भविष्य निर्माण के मार्ग में आने वाली सभी कठिनाइयों का विस्तार पूर्वक बताया। इस परामर्श संबंधी कार्यक्रम में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विज्ञान, कला एवं वाणिज्य के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित किया गया। विद्यार्थी अपनी सूझबूझ एवं दक्षता के आधार पर विषय वस्तु का चयन करें। सही मार्गदर्शन से जीवन में सफलता की प्राप्ति संभव है। इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के अलावा कई क्षेत्रों में विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते हैं। विद्यालय के प्राचार्य एसके. मिश्र ने कहा कि उचित मार्गदर्शन से छात्र-छात्राओं को सही मुकाम की प्राप्ति आसान होती है। अपनी इच्छा के अनुरूप भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक भोलाचल स्वाइन रजनीश सिंह, जाहनवी बनर्जी, राजेश स्वरूप कुमार नाथ, अनुराग मिश्रा एवं बीके झा उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
ई–अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RDD/SD/HZB/18/2022-23

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	RDD/SD/HZB/ 18/2022-23	चलकुशा	चलकुशा प्रखण्ड के उपस्वास्थ्य केन्द्र, चौबे का उन्नयन कार्य।	5174100.00	103500.00	10000.00	12 माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 03.12.2022
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 03.12.2022 से 12.12.2022 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग के कार्यालय कक्ष में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, शपथ पत्र के मूल प्रति एवं अपलोड किये गये तकनीकी योग्यता दस्तावेज की एक प्रति जमा करने की तिथि एवं समय– 13.12.2022 अपराह्न 3.00 बजे तक ।
4. तकनीकी निविदा खोलने का स्थान, तिथि एवं समय– ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग, 14.12.2022 अपराह्न 02.00 बजे ।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–8986648686
7. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग के पदनाम से देय होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है । कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 283767 Rural Development(22-23)D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग मुख्य अभियंता का कार्यालय
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, राँची

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 128/2022-23/RWD/RANCHI दिनांक :- 29.11.2022

मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि
1.	RWD/ RANCHI/23/ 2022-23	बुढ़मू चामा पथ से मुन्ना एवं करम्बा तक पथ निर्माण कार्य (लं– 5.600 कि0मी0)	5,93,39,300.00	पाँच करोड़ तेरानवे लाख उनचालीस हजार तीन सौ रू0 मात्र	18 माह
2.	RWD/ RANCHI/24/ 2022-23	गैसवे महादेवटोली से चैनगड़ा उच्च विद्यालय भाया सालहन तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं– 2.900 कि0मी0)	3,04,25,900.00	तीन करोड़ चार लाख पच्चीस हजार नौ सौ रू0 मात्र	15 माह
3.	RWD/ RANCHI/25/ 2022-23	टुटीहारा इमली पेड़ के पास से पोस्ता बेड़ा तक पथ निर्माण कार्य (लं– 2.700 कि0मी0)	2,50,60,700.00	दो करोड़ पचास लाख साठ हजार सात सौ रू0 मात्र	15 माह
4.	RWD/ RANCHI/26/ 2022-23	सेतु प्रिंटर्स रिंग रोड से राजकीय मध्य विद्यालय गागी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य (लं– 2.910 कि0मी0)	2,01,16,600.00	दो करोड़ एक लाख सोलह हजार छः सौ रू0 मात्र	12 माह
5.	RWD/ RANCHI/27/ 2022-23	अरमालड़दाग मुख्य पथ से डुमरडीहा तक पथ निर्माण कार्य (लं– 1.650 कि0मी0)	1,82,22,600.00	एक करोड़ बेरासी लाख बाईस हजार छः सौ रू0 मात्र	12 माह
6.	RWD/ RANCHI/28/ 2022-23	पंचायत चंदाघासी आर0ई0ओ0 रोड से प्रगति नगर के विभिन्न गलियों में पथ एवं नाली निर्माण कार्य (लं– 1.400 कि0मी0)	1,76,54,000.00	एक करोड़ छिहत्तर लाख चौवन हजार रू0 मात्र	12 माह
7.	RWD/ RANCHI/29/ 2022-23	पंचायत सुण्डील ग्राम नवासोंसों में आर0ई0ओ0 रोड से दामाद कॉलोनी होते हुए दो सीमानी तक पथ निर्माण कार्य (लं– 1.500 कि0मी0)	1,48,11,700.00	एक करोड़ अड़तालीस लाख ग्यारह हजार सात सौ रू0 मात्र	09 माह
8.	RWD/ RANCHI/30/ 2022-23	चालाटोली अंजनी बिहार कटहल मोड़ में बली भगत के घर से ततो उराँव के घर तक भाया फुटकल पेड़ एवं आनन्द एक्का के घर तक पथ निर्माण कार्य (लं– 1.320 कि0मी0)	1,25,42,300.00	एक करोड़ पच्चीस लाख बयालीस हजार तीन सौ रू0 मात्र	09 माह
9.	RWD/ RANCHI/31/ 2022-23	फुटकलटोली पंचायत में हनुमान नगर में विभिन्न गलियों का पथ एवं नाली निर्माण कार्य (लं– 1.080 कि0मी0)	1,18,82,500.00	एक करोड़ अठारह लाख बेरासी हजार पाँच सौ रू0 मात्र	09 माह
10.	RWD/ RANCHI/32/ 2022-23	पंचायत सपारोम आर0ई0ओ0 रोड से दलादिली गाँव के विभिन्न गलियों में पथ एवं नाली निर्माण कार्य (लं– 1.250 कि0मी0)	1,12,21,100.00	एक करोड़ बारह लाख इक्कीस हजार एक सौ रू0 मात्र	09 माह
11.	RWD/ RANCHI/33/ 2022-23	पंचायत तिगरा ग्राम पतराटोली में तिगरा नवाटोली मध्य विद्यालय से मकबूल अंसारी के घर तक पथ निर्माण कार्य (लं– 1.250 कि0मी0)	1,04,85,400.00	एक करोड़ चार लाख पचासी हजार चार सौ रू0 मात्र	09 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 12.12.2022
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 23.12.2022 अपराह्न 5.00 बजे।
4. (क) मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कचहरी, राँची अथवा (ख) जिला नियंत्रण कक्ष, राँची में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः– 27.12.2022 पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 28.12.2022 पूर्वाह्न 11.30 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची, झारखण्ड, पिन– 834001
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2207818
8. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक / अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम / अकाउंट से ही निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, राँची के पक्ष में एवं राँची में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है। नोडल पदाधिकारी ई–प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR283777 (Rural Work Department)22-23*D

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

डिजिटल रुपये का खुदरा चलन कल से

मुंबई, दिल्ली, बंगलुरू और भुवनेश्वर में शुरू होगा : लेनदेन और खरीदारी कर सकेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। थोक डिजिटल रुपये के बाद आरबीआइ एक दिसंबर से खुदरा डिजिटल रुपये का चलन शुरू करने जा रहा है। खुदरा डिजिटल रुपये से ग्राहक आपस में लेनदेन के साथ किसी भी दुकान से खरीदारी भी कर सकेंगे। खुदरा डिजिटल रुपये का चलन अभी देश के चार शहरों से पायलट रूप में शुरू किया जा रहा है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली, बंगलुरू और भुवनेश्वर शामिल हैं। इसके बाद अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ,

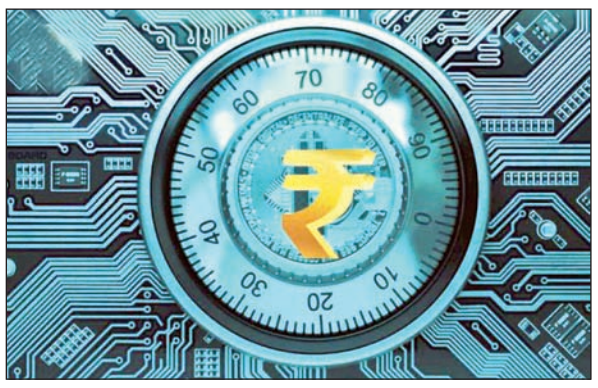

पटना और शिमला जैसे शहरों में डिजिटल रुपये का चलन शुरू होगा।

पायलट प्रोजेक्ट के शुरू होगा पूर्ण चरण : डिजिटल रुपये के थोक एवं खुदरा चलन के पायलट प्रोजेक्ट के बाद पूर्ण रूप से डिजिटल रुपये के चलन को शुरू किया जायेगा। आरबीआइ के मुताबिक डिजिटल रुपये को जारी करने का काम बैंक करेंगे। फिलहाल चार बैंक भारतीय स्टेट बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, यस बैंक और आइडीएफसी फर्स्ट बैंक देश के चार शहरों में खुदरा डिजिटल रुपया जारी करने का काम करेंगे। बाद में बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक भी इस पायलट प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे।

मेलियोइडोसिस जागरूकता, निदान और अनुसंधान पर कार्यशाला

मेलियोइडोसिस की प्रस्तुति की विविधता से सेप्सिस हो सकती है, मिट्टी के संपर्क में जीवाणु संक्रमण होता है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत में छिटपुट घटना के रूप में मेलियोइडोसिस ने अब ओडिशा में भी अपनी उपस्थिति के माध्यम से चिकित्सा समुदाय का ध्यान खींचा है। यह रोग जो बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में स्थानिक है, पर्यावरणीय ग्राम-नकारात्मक जीवाणु, बुर्कहोल्डरिया स्यूडोमेली के कारण होता है। माइक्रोबायोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से मेलियोइडोसिस जागरूकता, निदान और अनुसंधान पर आयोजित कार्यशाला में विभिन्न विशिष्टताओं के विशेषज्ञों ने बताया कि मिट्टी में स्वाभाविक रूप से मौजूद जीवाणु को इनोक्यूलेशन, इनहेलेशन और अंतर्ग्रहण द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, अधिकांश मामले मानसून के दौरान और मानसून के बाद पेश होते हैं। विभाग, एम्स भुवनेश्वर और केएमसी मणिपाल मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (माइक्रोकॉन-2022) के 45वें वार्षिक सम्मेलन की प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला श्रृंखला के हिस्से के रूप में।

मेलियोइडोसिस ने चिकित्सा समुदाय को तेज बुखार, निमोनिया, आंतों के फोड़े के साथ तीव्र रूप से प्रस्तुत करने वाले असंख्य अभिव्यक्तियों को चकित कर दिया है, जो लगातार निम्न-श्रेणी के बुखार, लिम्फैडेनाइटिस की अकर्मण्य प्रस्तुतियों के लिए जीवन के लिए खतरनाक सेप्सिस की परिणति है और इस प्रकार महान मिमिकर का मोनिकर अर्जित किया है, डॉ बिजयिनी ने सूचित किया बेहरा, अतिरिक्त प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स भुवनेश्वर। खराब नियंत्रित मधुमेह वाले रोगियों, शराब के खतरनाक स्तर की खपत और चावल के धान के खेतों के संपर्क में आने से बीमारी होने का सबसे अधिक खतरा रहता है। एम्स भुवनेश्वर के अतिरिक्त प्राध्यापक जनरल मेडिसिन, डॉ रश्मिरंजन मोहंती ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी यह बीमारी हो सकती है। व्यापक निर्माण गतिविधियां, और नॉरवेस्टर पवन (कलाबैसाखी) भी सांस लेने के मार्गों द्वारा रोग प्राप्त करने के पर्यावरणीय कारकों से जुड़े हैं। डीन-हेड पल्मोनरी मेडिसिन प्रोफेसर पी.आर महापात्र ने कहा, सटीक निदान और उपचार के बिना, बीमारी आधे से अधिक मामलों में घातक हो सकती है।

जनरल सर्जरी विभाग के अतिरिक्त प्रो डॉ प्रकाश सासमल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में मेलियोइडोसिस के निदान और उपचार के दो सौ से अधिक मामले यहां एम्स में पाए गए हैं, जिनमें से आधे से अधिक मामले खोरदा जिले से हैं।

केएमसी मणिपाल टीम का नेतृत्व इंडियन मेलियोइडोसिस रिसर्च फोरम के संस्थापक प्रो. चिरंजय मुखोपाध्याय कर रहे हैं। कार्यशाला में देश के कई राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें आवश्यक जैव सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए, विभिन्न पारंपरिक, आणविक और देखभाल सीरोलॉजिकल विधियों द्वारा बर्कहोल्डरिया स्यूडोमेली के प्रयोगशाला निदान पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

अनगुल-सुकिंदा रेल लाइन परियोजना का परिचालन एवं रखरखाव को लेकर समझौता

पूर्व तट रेलवे और अनगुल-सुकिंदा रेलवे लिमिटेड के बीच हुआ समझौता

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक रूप नारायण सुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को रेल सदन में अनगुल-सुकिंदा रेल लाइन परियोजना के संचालन और रख-रखाव समझौते पर पूर्व तट रेलवे और अनगुल-सुकिंदा रेलवे लिमिटेड के बीच हस्ताक्षर किये गये। एएसआरएल के प्रबंध निदेशक दिलीप कुमार सामंतराय और पूर्व तट रेलवे के मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक एचएल लुआंग ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव सहित पूर्व तट रेलवे के सभी विभागों के प्रधान प्रमुख और हितधारकों के अधिकारी उपस्थित थे। अनगुल-सुकिंदा रेलवे लिमिटेड, एक एसपीवी को, रेल मंत्रालय द्वारा रेल विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ओड़िशा में बूढ़ापंक स्टेशन और बघुआपाल स्टेशन के बीच ब्रॉड गेज सिंगल रेलवे लाइन 98.70 किमी के निर्माण और रख-रखाव के लिए पूरा किया गया है। यह नयी रेल-लाइन अनगुल क्षेत्र में इस्पात और स्पंज आयरन उद्योगों के लिए ओड़िशा के लौह-अयस्क समृद्ध क्षेत्रों के बीच एक सीधी लिंक प्रदान करेगी। यह कलिंगा नगर औद्योगिक क्षेत्रों में तालचेर के कोयला खनन क्षेत्र से कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बीच एक शीघ्र और सुगम वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करता है। यह नयी लाइन अनगुल क्षेत्र में इस्पात संयंत्रों, नालको और ओड़िशा के कलिंग नगर क्षेत्रों में स्थित उद्योगों के एक समूह की समीपता में होगी। परियोजना लाइन राउरकेला और धामरा/पारादीप बंदरगाहों के बीच की दूरी को भी कम करेगी। खड़गपुर के रास्ते की तुलना में तालचेर-संबलपुर-झारसुगुड़ा के माध्यम से कलिंग नगर परिसर से मुंबई और दिल्ली के गंतव्यों तक इस्पात संयंत्रों के तैयार उत्पादों का प्रेषण भी नये सरेखण के माध्यम से कम और सस्ता होगा।

पद्मपुर उप चुनाव के लिए धर्मेंद्र प्रधान ने किया जोरदार प्रचार

भुवनेश्वर। बरगड़ पद्मपुर उपचुनाव को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार से तीन दिवसीय पद्मपुर दौरे पर हैं। वह बीजेपी उम्मीदवार प्रदीप पुरोहित के लिए मैराथन प्रचार कर रहे हैं। श्री प्रधान 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को पद्मपुर के विभिन्न स्थानों पर जोरदार प्रचार करेंगे। पद्मपुर उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए केंद्रीय शिक्षा, उद्यमिता और कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बीजेडी सरकार पर निशाना साधा है। इसी तरह धर्मेंद्र ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग मंत्री पर भी निशाना साधा है।

पलटा गैस टैंकर, गैस रिसाव, दो दिन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कोरापुट-आंध्र को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर पलट गया। उसके टैंक से गैस लीक हो हो रही है।

खबरों के मुताबिक मंगलवार सुबह पटांगी प्रखंड के रालेगडा के पास राजगुड़ा में गैस टैंकर पलट गया, जिससे टंकी से गैस का लगातार रिसाव हो रहा है। इसलिए अगले दो दिनों तक राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहेगा।

घटना के संबंध में अग्निशमन विभाग ने सूचित किया। पुलिस और तहसीलदार के साथ पटांगी और सेमिलीगुड़ा दमकल विभाग मौके पर मौजूद है।

अदालत ने दो दुष्कर्मियों को सुनायी मौत की सजा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जगतसिंहपुर जिला विशेष पॉक्सो कोर्ट ने दुष्कर्म करियों को फांसी की सजा सुनायी है। जगतसिंहपुर जिला विशेष पॉक्सो ने दुष्कर्म मामले में विचार कर यह फैसला सुनाया। इस मामले में चार आरोपी शामिल थे। इनमें दो दुष्कर्मियों को मौत की सजा सुनायी गयी, जबकि अन्य दो आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया। बता दें कि 2014 में दुकान से लौटते वक्त दुष्कर्मी पीड़िता को उठा ले गये थे। फिर उन्होंने उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसे जान से मार दिया था। इस घटना पर पुलिस की ओर से धारा 302, 376, 376(डी) आदि के तहत मामला 8 साल से चल रहा था। मंगलवार को सुनवाई के बाद सरकारी वकील दोल गोबिंद दास ने कहा कि पॉक्सो अदालत ने दोनों आरोपियों को मौत की सजा सुनायी।

मेक इन ओड़िशा 2022 में आगंतुकों के स्वागत को तैयार है वेदांता एल्युमिनियम

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वेदांता एल्युमीनियम भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित होने वाले मेक इन ओडिशा 2022 कॉन्क्लेव में ओड़िशा के लोगों को अपने स्टॉल पर आने के लिए आमंत्रित कर खुश है। कंपनी ओडिशा के सबसे बड़े निवेश कार्यक्रम में एक बार फिर अपनी निबेस उत्कृष्टता पेश करने के लिए उत्सुक है, जो राज्य की वैश्विक निबेस गंतव्य बनने की बढ़ती क्षमता के प्रमाण के रूप में है। यह कंपनी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को भी प्रदर्शित करेगा, जो सभी क्षेत्रों के उद्योगों को मजबूत निबेस और गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम की आपूर्ति के बल पर बनाया गया है। कॉन्क्लेव में वेदांता का स्टॉल आगंतुकों को एक

रोमांचक और सम्मोहक ब्रांड अनुभव का वादा करता है। 'अतीत की कला को पोषित करने से लेकर भविष्य की धातुओं में निवेश तक' की थीम के साथ, स्टॉल में वीआर केंद्र, कारीगरों द्वारा लाइव हस्तकला-निर्माण, फोटोबूथ और बहुत कुछ है।

वेदांता एल्युमीनियम के सीइओ राहुल शर्मा ने कहा कि चार साल बाद आयोजित होने के बाद हम एक बार फिर जीवंत मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव का हिस्सा बन कर रोमांचित हैं। हम अपने स्टॉल पर ओड़िशा के लोगों, ग्राहकों, भागीदारों और सभी शुभचिंतकों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। दर्शक राज्य की जीवंत संस्कृति, एल्यूमीनियम निर्माण की जटिल प्रक्रिया और दुनिया के लिए भारत में बनाने के हमारे प्रयासों की नियारा ढंग को पसंद करते है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**